नई दिल्ली
रविवार, 26 मई, 2024
ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष,
तृतीया वर्ष : 28, अंक : 45
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 46
न्यून. 32

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

राजकोट के गेम जोन में भीषण आग

28 की मौत... मरने वालों में 12 बच्चे भी

आग किस वजह से लगी, ये साफ नहीं

आग पर 3 घंटे में काबू पाया गया

शवों की पहचान के लिए होगा डीएनए टेस्ट

एजेंसी ▶▶ राजकोट

गुजरात के राजकोट शहर के कालावड रोड पर स्थित टीआरपी गेम जोन में शनिवार शाम 5.30 बजे भीषण आग लग गई। हादसे में 12 समेत बच्चे समेत 28 लोगों की मौत हो गई। अब तक 25 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है। प्रशासन का कहना है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है।

मृतकों के शव इतनी बुरी तरह झुलसे हैं कि उनकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। पहचान के लिए डीएनए टेस्ट किया जाएगा। अभी प्रशासन यह नहीं बता पाया है कि आग लगने के वक्त गेम जोन में कितने लोग मौजूद थे? आग पर 3 घंटे में काबू पाया गया। घटना को लेकर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सोशल मीडिया लिखा है कि राजकोट में गेम जोन में लगी आग की घटना में नगर निगम और प्रशासन को तत्काल बचाव और राहत कार्य के निर्देश दिए गए हैं।

आग 30 सेकंड में फैल गई

मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि हम लोग रेस्टोरेंट में बैठे थे। तभी वहां आग लग गई। आग 30 सेकंड में ही पूरे एरिया में फैल गई थी। एक अन्य व्यक्ति ने बताया कि गेम जोन में कई जगह रिपेयरिंग और रेनोवेशन का काम भी चल रहा था। काफी संख्या में प्लाई के टुकड़े और लकड़ियां भी इधर-उधर फैली हुई थीं। यह भी आग की चपेट में आए और आग फैलती चली गई। हालांकि, यह पता नहीं चला है कि आग किस वजह से लगी।

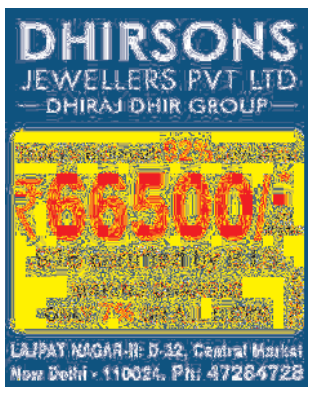

खबर संक्षेप

एसबीआई ने चेताया मैसेज से हो रहे फ्रॉड

नई दिल्ली। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने अपने ग्राहकों के लिए चेतावनी जारी की है। बैंक ने

ग्राहकों से फोन पर रिसीव होने वाले फ्रॉड मेसेजेस से अलर्ट रहने के लिए कहा है। बैंक के एक्स पोस्ट करके कहा कि साइबर क्रिमिल्स ग्राहकों को एसबीआई रिवॉर्ड पॉइंट रिडीम करने के लिए एसएमएस और वॉट्सऐप मेसेज में फेक लिंक (एपीके-एंड्रॉयड ऐप्लिकेशन पैकेज) भेज रहे हैं। इससे फ्रोड की संभावना है।

25 घंटे देरी से उड़ा एयर इंडिया का विमान

मुंबई। मुंबई से सेन फ्रांसिस्को के लिए उड़ान भरने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट ने अलग-अलग

कारणों से अत्यधिक देरी से उड़ान भरी। इस फ्लाइट को शुक्रवार शाम चार बजे उड़ान भरनी थी लेकिन इस उड़ान में 25 घंटे की देरी हुई। इसने शनिवार शाम 5.30 बजे सेन फ्रांसिस्को के लिए उड़ान भरी। तकनीक खामियों की वजह से उड़ान में देरी की गई और इसके बाद विमान में बैठे कुछ यात्री बीमार होने लगे और कुछ यात्री इससे उतर गए।

आईपीएल का फाइनल मुकाबल आज

चेन्नई। आईपीएल 2024 का फाइनल मुकाबला 26 मई, रविवार को चेन्नई के चेपॉक में स्थित एमए

चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। खिताबी जंग में कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद की टीमें आमने-सामने होंगी। हालांकि इस फाइनल से एक दिन पहले यानी 25 मई, शनिवार को चेपॉक स्टेडियम में झमाझम बारिश हो रही है। सोशल मीडिया पर चेपॉक स्टेडियम की एक तस्वीर सामने आई है।

छठे चरण में 8 राज्यों की 58 सीटों पर मतदान, 889 उम्मीदवारों की किस्मत 'लॉक'

झुलसाती गर्मी में 59.06 प्रतिशत मतदान, बंगाल में सबसे 'ज्यादा' तो कश्मीर में हुई सबसे 'कम' वोटिंग

मनोज तिवारी, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, महबूबा मुफ्ती, मनोहर लाल खट्टर, कन्हैया कुमार और बांसुरी स्वराज का होगा फैसला

अधिकांश राज्यों में 40 से 44 डिग्री तापमान रहा, इस कारण दोपहर में मतदाताओं की बूथों पर संख्या कम हुई बाद में फिर सामान्य हो गई

◆ कश्मीर की अनंतनाग-राजौरी सीट पर तीसरे फेज में चुनाव स्थगित कर दिया गया था, इस सीट पर भी मतदान शनिवार को हुआ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के छठे चरण में छह राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के 58 निर्वाचन क्षेत्रों में शनिवार को 59.06 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। पश्चिम बंगाल के जंगल महल क्षेत्र में 78.19 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। पश्चिम बंगाल से मामूली झड़प और विरोध प्रदर्शन की घटनाएं सामने आईं, जबकि दिल्ली समेत कुछ स्थानों पर ईवीएम में खराबी की घटनाएं हुईं। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी शाम 7:45 बजे तक के आंकड़ों के अनुसार झारखंड में 62.74 प्रतिशत, ओडिशा में 60.07, हरियाणा में 58.37 प्रतिशत, दिल्ली में 54.48 प्रतिशत, उप्र में 54.03 प्रतिशत, बिहार में 53.30 प्रतिशत और जम्मू-कश्मीर में 52.28 प्रतिशत मतदान हुआ। आयोग ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की अनंतनाग-राजौरी सीट पर मतदान प्रतिशत ▶▶शेष पेज 5 पर

इनकी प्रतिष्ठा दांव पर

इस फेज में मनोज तिवारी, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, महबूबा मुफ्ती, मनोहर लाल खट्टर, कन्हैया कुमार और बांसुरी स्वराज मैदान में शामिल हैं। इस चरण में दिल्ली की सभी सात सीटें, बिहार की आठ, झारखंड की चार, ओडिशा की छह, हरियाणा की सभी 10 सीटें, उत्तर प्रदेश की 14 और पश्चिम बंगाल की 8 सीटों पर वोटिंग हुई। कश्मीर की अनंतनाग-राजौरी सीट पर तीसरे फेज में चुनाव स्थगित कर दिया गया था, इस सीट पर भी मतदान शनिवार को हुआ। दिल्ली में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी मिलकर चुनाव लड़ रही है, जहां सबकी निगाहें टिकी हुई हैं। भाजपा ने दिल्ली में सिर्फ मौजूदा सांसद मनोज तिवारी को रिपीट किया है, अन्य सभी नए उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं।

राज्यवार वोटिंग प्रतिशत

पश्चिम बंगाल	78.19
झारखंड	62.74
ओडिशा	60.07
हरियाणा	58.37
दिल्ली	54.48
उत्तर प्रदेश	54.03
बिहार	53.30
जम्मू-कश्मीर	52.28

1 बिहार के राज्यपाल सीवी राधाकृष्णन

2 ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक

3 पीडीपी चीफ मेहबूबा मुफ्ती

4 नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत

राष्ट्रपति मुर्मू, पीएम मोदी और शाह ने दुख जताया

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राजकोट की घटना पर दुख जताया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा कि गुजरात के राजकोट में एक गेमिंग जोन में आग लगने की दुर्घटना में लोगों की मौत के बारे में जानकर मुझे गहरा दुख हुआ है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि मेरी संवेदनाएं उन सभी के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट में कहा है कि हादसे के संबंध में मैंने सीएम भूपेंद्र पटेल से बात कर जानकारी ली है। प्रशासन राहत व बचाव कार्य के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है और घायलों को इलाज प्रदान करवा रहा है।

एसआईटी करेगी हादसे की जांच

सीएम भूपेंद्र पटेल ने भीषण आग लगने के कारणों की जांच के लिए एसआईटी का गठन कर दिया है। सरकार ने तेजतर्रार आईपीएस ऑफिसर डीजी सुभाष त्रिवेदी को इसकी कमान सौंपी है। सरकार ने इसमें वरिष्ठ आईएएस वंछानिधि पानी को शामिल किया है।

बारूद फैक्ट्री में धमाका, सामने आया वीडियो

दस लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका, एक की मौत

एजेंसी ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में शनिवार को एक बारूद फैक्ट्री में बड़ा धमाका हुआ। इसका सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है जिसमें गुबार कई मीटर ऊपर तक दिख रहा है। बेरला ब्लॉक के ग्राम बोरसी स्थित स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड बारूद फैक्ट्री में धमाके के मलबे में 9 से 10 लोगों के दबे होनें की आशंका है। राहत एवं बचाव कार्य धमाके के बाद से ही शुरु गया था लेकिन अंधेरा होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन को रोक दिया गया है। वहीं दूसरी तरफ जैसे ही लोगों को धमाके की खबर ▶▶शेष पेज 5 पर

कई बॉडी पार्ट्स भी दिखे

सुबह करीब 8 बजे ब्लास्ट हुआ। ब्लास्ट इतना तेज था कि आसपास की बिल्डिंग तक हिल गई। जहां ब्लास्ट हुआ वहां 15-20 फीट का गड्ढा हो गया। इसके बाद आसपास काम कर रहे मजदूरों को तुरंत निकाला गया। इनमें से 7 घायलों को रायपुर लाया गया था जिसमें से एक ने दम तोड़ दिया है। वहीं दिन में मलबे को हटाने का काम किया गया। इस दौरान कई बॉडी पार्ट्स भी दिखे।

अभिनेत्री कंगना ने दिया बड़ा बयान

पीएम के साथ दैवीय शक्तियां लोग उन्हें समझते हैं 'भगवान'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बालीवुड एक्ट्रेस और मंडी लोकसभा सीट से भाजपा की उम्मीदवार कंगना रनौत ने कहा कि पीएम मोदी को लेकर जो उत्साह है और वो नेता ही नहीं, लोग उनकी पूजा करते हैं। कंगना ने कहा कि ये कहना गलत नहीं होगा कि लोग उन्हें भगवान ही समझते हैं।

हालांकि, मोदी जी में दैवीश शक्ति तो है ही। मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि जो छोटे मुकाम से इतनी उपलब्धियों पर आए तो ये कहना गलत ▶▶शेष पेज 5 पर

मेरी रैलियों में जानलेवा हमला किया गया

मुझे भगवान देता है काम करने का हौसला

मैं जिस मंदिर में जाती हूं, वो धुलवाया जाता है

कंगना ने कहा कि मैं नेपोटिज्म के हमेशा खिलाफ रही। इसके लिए मुझे जेल भी भेजा गया। सोचिए हिमाचल में भी मेरा मुकाबला राजपरिवार के सदस्य से हो रहा है जो फिलहाल, कांग्रेस सरकार में मंत्री भी हैं। इस दौरान कंगना ने बताया कि मेरी रैलियों में जानलेवा हमला किया गया। इसके साथ ही मेरी पार्टी के दो कार्यकर्ता इस घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए। मुझसे चुनाव प्रचार के दौरान गाली-गलौज की जा रही हैं। कंगना ने कहा कि यहां तक कि मैं जिस मंदिर में जाती हूं उसको धुलवाया जा रहा है।

वोट प्रतिशत को लेकर चुनाव आयोग का जवाब- हम साजिश को बेनकाब करेंगे

एक पैटर्न के तहत चुनावी प्रक्रिया को बदनाम करने की कोशिश की जा रही

हम बताएंगे कि लोगों को किस तरह से गुमराह किया जा रहा है, जिसके चलते वोटिंग पर बुरा असर पड़ रहा है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर जारी वोटिंग के बीच वोटिंग प्रतिशत भी एक बड़ा मुद्दा बन गया है। इसमें बदलाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका भी दायर की गई थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में स्पष्ट तौर पर यह कहा कि वे चुनाव के बीच मैन पावर की कमी के चलते चुनाव आयोग को कोई आदेश नहीं देंगे।

वहीं सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई और कोर्ट द्वारा दिए गए बयान को लेकर चुनाव आयोग ने कहा कि एक पैटर्न के तहत चुनावी प्रक्रिया को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। वोट प्रतिशत में संदेह पैदा होने के लेकर चुनाव आयोग ने कहा कि आयोग ने ▶▶शेष पेज 5 पर

आयोग ने कहा कि आयोग ने सभी पूर्ण चरणों के लिए संसदीय निर्वाचन क्षेत्रवार मतदाताओं और वोटर्स की कुल संख्या जारी कर रखी है

पांच चरणों में 50.72 करोड़ लोगों ने मतदान किया

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के पहले पांच चरणों में 76.41 करोड़ पात्र मतदाताओं में से 50.72 करोड़ लोगों ने मतदान किया है। निर्वाचन आयोग द्वारा शनिवार को साझा किए गए आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों से पता चला है कि 19 अप्रैल को 102 सीट के लिए हुए पहले चरण में कुल 16.64 करोड़ मतदाताओं में से 11 करोड़ मतदाताओं ने वोट डाला और मतदान प्रतिशत 66.14 रहा। 26 अप्रैल को 88 सीट के लिए हुए दूसरे चरण में मतदान प्रतिशत 66.71 था और कुल 15.86 करोड़ पात्र मतदाताओं में से 10.58 करोड़ लोगों ने मतदान किया। 7 मई को 94 सीट के लिए तीसरे चरण के मतदान में 17.24 करोड़ पात्र ▶▶शेष पेज 5 पर

शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई वोटिंग, पुलिस कमिश्नर भी कई मतदान केंद्रों पर पहुंचे

मतदान बूथों पर रही कड़ी सुरक्षा, ड्रोन से की निगरानी

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

लोकसभा की सात सीटों के लिए वोटिंग शनिवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गई। कहीं पर भी हिंसा से जुड़ा कोई बड़ा मामला सामने नहीं आया। दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा, स्पेशल सीपी लॉ एंड ऑर्डर, ज्वांइट सीपी और डीसीपी स्तर के सभी अफसर सड़कों पर नजर आये। सीपी संजय अरोड़ा अलग अलग इलाके के पोलिंग स्टेशनों पर जाकर इंतजामों और सुरक्षा के हालातों का जायजा लेते रहे। दिल्ली पुलिस ने ड्रोन कैमरों के जरिये भी मतदान केंद्रों व आसपास के एरिया पर पैनी नजर रखी। दिल्ली पुलिस ने चुनावों को लेकर महीने भर से तैयारियां शुरू कर दी थी। पुलिस मुख्यालय में लगातार बैठकों का दौर चलता रहा और चुनावी रणनीति पर कार्य किया गया। दिल्ली पुलिस के साथ ही संवेदनशील व अतिसंवेदनशील पोलिंग स्टेशनों पर अर्द्धसैनिक बलों के जवानों को भी तैनात किया गया था। सीसीटीवी कैमरों के अलावा ड्रोन कैमरों से भी पुलिस लैस रही।

मोबाइल अंदर ले जाने की इजाजत नहीं

हर बार की तरह ही मतदान केंद्रों पर लोगों को मोबाइल अंदर ले जाने की इजाजत नहीं दी गई थी। शाहदरा व नॉर्थ ईस्ट जैसे संवेदनशील एरिया में कई जगह पर पुलिस ने ड्रोन कैमरों के जरिए लोगों पर नजर रखी। सिर्फ मतदान परिसर के अंदर ही नहीं बल्कि उसके आसपास के इलाके में भी इन कैमरों के जरिए आसमान से पुलिस स्थिति का जायजा लेती रही, ताकि किसी तरह की गड़बड़ी करने वाले लोगों को समय रहते पकड़ा जा सके। बाकायदा, प्रशासन की तरफ से मतदान केंद्रों पर किसी तरह की गड़बड़ी रोकने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगवाए गए थे। कुछ साल पहले तक मतदान केंद्रों के आसपास राजनैतिक दलों के लोग टेबल लगातर बैठते थे, लेकिन इस बार मतदाताओं को वोटिंग पर्चियां उपलब्ध करवाने की व्यवस्था भी करीब दो सौ मीटर दूर की गई थी। मतदान केंद्रों के बाहर भीड़ इकट्ठा ना हो इसके लिये पर्याप्त संख्या में पुलिस के जवान तैनात रहे। शुक्रवार शाम से ही सभी पोलिंग स्टेशनों पर पुलिस के जवानों की तैनाती कर दी गई थी। सभी थाने के एसएचओ राउंड पर रहे और इंतजामों से लेकर लगातार सीनियर अफसरों को अपडेट देते रहे।

वोट के लिए 50 मिनट करना पड़ा इंतजार

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की वरिष्ठ नेता वृंदा करात ने शनिवार को आरोप लगाया कि उन्हें वोट डालने के लिए लगभग एक घंटे तक इंतजार करना पड़ा क्योंकि उनके मतदान केंद्र पर ईवीएम कंट्रोल यूनिट की बैटरी खत्म हो गई थी। दूसरी तरफ, निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतदान केवल 15 मिनट के लिए रोका गया था और अब फिर से सुचारू रूप से जारी है। करात नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र के सेंट कोलंबस स्कूल में बने मतदान केंद्र पर वोट डालने गई थीं। उन्होंने चुनाव आयोग द्वारा की गई व्यवस्थाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें मतदान करने से पहले लगभग 50 मिनट तक इंतजार करना पड़ा। करात का कहना है कि हम वोट देने आए हैं, वे कह रहे हैं कि मशीन की बैटरी डाउन हो गई है।

अगर सुबह-सुबह मशीन की बैटरी डाउन हो गई है, तो सोचिए चुनाव आयोग की क्या हालत होगी। उन्होंने कहा कि मैंने यहां एक शिकायत लिखी है, ऐसा कैसे हुआ कि सुबह नौ बजे मशीन की बैटरी डाउन हो गई? उन्होंने क्या व्यवस्था की है? लोग इतनी देर तक गर्मी में यहां इंतजार कर रहे हैं। बाद में करात ने बताया कि उन्हें करीब 50 मिनट तक इंतजार करना पड़ा। उनके पहुंचने से पहले से मशीन की बैटरी लगभग 20 मिनट से डाउन थी।

कंट्रोल यूनिट की बैटरी 15 मिनट में बदली गई

नई दिल्ली जिले के निर्वाचन अधिकारी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि जिस मतदान केंद्र पर वह अपना वोट डालने गई थीं, वहां कंट्रोल यूनिट की बैटरी सुबह 10 बजे के आसपास खत्म हो गई थी और इसे 15 मिनट के भीतर बदल दिया गया।

बुजुर्गों की मदद...

वोट डालने पहुंचे बुजुर्ग लोगों की मदद के लिये दिल्ली पुलिस के जवान तत्पर रहे। केंद्रों पर व्हील चेयर की व्यवस्था भी नजर आई। कई जगह दिल्ली पुलिस के जवान मतदाताओं को गुलाब का फूल देकर उनका स्वागत करते भी दिखे।

पहले मतदान फिर आराम...

बूथ से बाहर निकलने की होड़

सूची में नाम गायब होने से मिली निराशा

नई दिल्ली। दिल्ली में शनिवार को कुछ मतदाताओं के लिए लोकसभा चुनाव में मतदान का उत्साह कुछ ही देर के लिए रहा क्योंकि उनके नाम मतदाता सूची से गायब थे, जबकि उन्होंने दस्तावेज सही होने का दावा किया। राष्ट्रपति भवन के कर्मचारी यूनुस सलीम और अजीम खान राष्ट्रपति सम्पदा के डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय विद्यालय में अपने मताधिकार का प्रयोग करने गए, लेकिन उन्हें पता चला कि उनके नाम मतदाता सूची से गायब हैं। अजीम खान की पत्नी शकीला खान ने कहा कि मेरे पति का नाम सूची से गायब है। मैंने अपना वोट डाल दिया है और मेरे बच्चों ने भी वोट डाल दिया है। अजीम खान ने कहा कि हम देश में बदलाव के लिए वोट करने आए थे, लेकिन मेरा नाम सूची में नहीं था। केवल मेरा नाम गायब था, जबकि मेरे परिवार के सदस्यों के नाम सूची में थे। मेरे पास वैध दस्तावेज हैं। हम लोकतंत्र में अपने अधिकार का प्रयोग नहीं कर सके। सलीम ने अपना आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र दिखाया। उन्होंने कहा कि मैंने 2022 के दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) चुनाव में अपना वोट डाला था। ऐसा कैसे हुआ कि मेरा नाम मतदाता सूची में नहीं है? हम यहां कर्मचारी हैं।

सेल्फी जोन में पूर्व राष्ट्रपति ने खिंचाया परिवार के साथ फोटो

फर्जी दस्तावेज पर विदेश भेजने वाला एजेंट अमृतसर से दबोचा

नई दिल्ली। आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस द्वारा जालसाजी में लिप्त एजेंटों की धरपकड़ जारी है। फर्जी दस्तावेज के जरिये लोगों को थाईलैंड के रास्ते मलेशिया भेजने वाले एक और एजेंट को अमृतसर से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी का नाम गुरदासपुर, पंजाब निवासी 25 वर्षीय जितेन्द्र सिंह है। डीसीपी उषा रंगनानी के अनुसार अप्रैल 2023 को सोनीपत निवासी वंश को थाईलैंड से डिपोर्ट कर आईजीआई एयरपोर्ट भेजा गया था। जांच करने पर पता चला कि उसके पासपोर्ट से छेड़छाड़ की गई है। उसे फर्जीवाड़े के मामले में गिरफ्तार भी कर लिया गया था। पूछताछ में वंश ने बताया था कि रितेश नाम के एजेंट ने उसे फर्जी दस्तावेज बना कर विदेश भेजा था। बाद में सोनीपत निवासी रितेश को मुंबई से गिरफ्तार कर लिया गया था। वह खुद भी मलेशिया में एक होटल में काम करता था। उसने जितेंद्र के साथ मिलकर फर्जीवाड़े की बात कबूली थी। वंश को विदेश भेजने के एवज में तीन लाख रुपए लिए गये थे। इसमें से एक लाख 20 हजार जितेन्द्र को मिले थे। जितेन्द्र लगातार फरार चल रहा था। अब लगभग एक साल बाद इसे अमृतसर से गिरफ्तार किया गया।

दामाद के सिर में गोली मार हत्या करने वाला गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

बिहार के छपरा में बेटी के प्रेम विवाह से नाराज होकर दामाद की हत्या के आरोपी को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। वारदात पिछले साल की है। आरोपी का नाम धर्मवीर जयराम गिरी (42) बताया गया है। वह पहले भी पांच मामलों में शामिल रहा है।

डीसीपी राकेश पावारिया के अनुसार पिछले साल 3 अक्टूबर को छपरा जिले के रसूलपुर थाना इलाके में हत्या का मुकदमा दर्ज हुआ था। इस मामले को लेकर एसआईटी का गठन किया गया था। लेकिन आरोपी गिरफ्त से बाहर था। हाल ही में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को इनपुट मिला कि वारदात में शामिल आरोपी कभी कभी दिल्ली आता जाता है। टैक्नीकल सर्विलांस के जरिये आरोपी को गीता कॉलोनी एसडीएम कार्यालय के पास ट्रेस किया गया। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह नहीं चाहता था कि बेटी अपनी मर्जी से शादी करें, क्योंकि उस शख्स की पहले भी शादी हो चुकी थी। इस वजह से उनके बीच पहले भी अक्सर झगड़े होते रहते थे। बात नहीं मानने पर गिरी ने अपने साथियों के संग मिलकर दामाद सूरजकांत गिरी की सिर में गोली मारकर हत्या कर दी थी। गिरफ्तारी की सूचना बिहार पुलिस को दे दी गई है।

चिल्ला खादरः आग से दर्जनों झुग्गियां जलकर हुई राख

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के चिल्ला खादर इलाके की झुग्गियों में शनिवार को आग लग गई। इस घटना दर्जनभर से ज्यादा झुग्गियां जलकर राख हो गई। दमकल की आधा दर्जन से ज्यादा गाड़ियों ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग किस वजह से लगी यह अभी साफ नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दमकल निदेशक अतुल गर्ग के अनुसार सुबह 10 बजकर 46 मिनट पर चिल्ला खादर हनुमान मंदिर के पास बनी झुग्गियों में आग की सूचना मिली थी। मौके पर दमकल की सात गाड़ियां भेजी गई। घंटेभरी में आग पर काबू पा लिया गया। गनीमत ये रही कि झुग्गियों में रहने वाले लोग समय रहते बाहर निकल गये थे इस कारण किसी के हताहत या घायल होने की सूचना नहीं है।

स्काईवेब इन्फोटेक लिमिटेड

CIN: L72200DL1985PLC019763
पंजीकृत कार्यालय: के -20, दूसरी मंजिल, लाजपत नगर - II, नई दिल्ली - 110024
कॉर्पोरेट कार्यालय: डी-348, सेक्टर-63, नोएडा, उत्तर प्रदेश-201307
वेबसाइट: www.skywebindia.in, ईमेल: info@skywebindia.in,फ़ोन नं.: 011-29840906

31 मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए अंकेक्षित स्टैंडअलोन और कंसोलिडेटेड वित्तीय परिणामों का उद्धरण

ईपीएस को छोड़कर आंकड़े लाख में

क्र. स.	विवरण	स्टैंडअलोन					कंसोलिडेटेड				
		31.03.2024 को समाप्त तिमाही	31.12.2023 को समाप्त तिमाही	31.03.2023 को समाप्त तिमाही	31.03.2024 को समाप्त वर्ष	31.03.2023 को समाप्त तिमाही	31.03.2024 को समाप्त तिमाही	31.12.2023 को समाप्त तिमाही	31.03.2023 को समाप्त तिमाही	31.03.2024 को समाप्त वर्ष	31.03.2023 को समाप्त वर्ष
		(अंकेक्षित)	(अनअंकेक्षित)	(अंकेक्षित)	(अंकेक्षित)	(अंकेक्षित)	(अंकेक्षित)	(अनअंकेक्षित)	(अंकेक्षित)	(अंकेक्षित)	(अंकेक्षित)
1	संचालन से कुल आय (शुद्ध)	491.33	-	-	491.33	-	491.33	-	-	491.33	-
2	अवधि के लिए शुद्ध लाभ / (हानि) (कर, असाधारण और/या असामान्य मदों से पूर्व)	6.18	(3.96)	(6.11)	(7.91)	(17.18)	6.18	(3.96)	(6.11)	(7.91)	(17.18)
3	कर से पूर्व अवधि के लिए शुद्ध लाभ/ (हानि) (असाधारण और/या असामान्य मदों के बाद)	6.18	(3.96)	(6.11)	(7.91)	(17.18)	6.18	(3.96)	(6.11)	(7.91)	(17.18)
4	कर के बाद की अवधि के लिए शुद्ध लाभ / (हानि) (असाधारण और/या असामान्य मदों के बाद)	6.18	(3.96)	(6.11)	(7.91)	(17.18)	6.18	(3.96)	(6.11)	(7.91)	(17.18)
5	अवधि के लिए कुल व्यापक आय [इस अवधि के लिए लाभ/हानि (कर के बाद) और अन्य व्यापक आय (कर के बाद) शामिल है]	6.18	(3.96)	(6.11)	(7.91)	(17.18)	6.52	(3.88)	(24.20)	(6.97)	(15.47)
6	इक्विटी शेयर पूंजी (अंकित मूल्य रु. 10/- प्रत्येक)	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00
7	रिजर्व (पुनर्मूल्यांकन रिजर्व को छोड़कर) जैसा कि पिछले वर्ष के अंकेक्षित बैलेंस शीट में दर्शाया गया है	-	-	-	(52.02)	(44.10)	-	-	-	16.19	23.16
8	प्रति शेयर आय (निरंतर और अनिरंतर संचालन के लिए)										
(अ)	बेसिक	0.62	(0.40)	(0.61)	(0.79)	(1.72)	0.65	(0.39)	(2.42)	(0.70)	(1.55)
(ब)	डाल्युटेड	0.62	(0.40)	(0.61)	(0.79)	(1.72)	0.65	(0.39)	(2.42)	(0.70)	(1.55)

नोट्स:-

1. उपरोक्त 31 मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए अंकेक्षित स्टैंडअलोन और कंसोलिडेटेड वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक उद्धरण है, जिसे सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2015 के विनियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंज में दायर किया गया हैउक्त वित्तीय परिणामों का पूरा प्रारूप कंपनी की वेबसाइट और मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (www.msei.in) की वेबसाइट पर उपलब्ध है।
2. 31 मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए कंपनी के अनअंकेक्षित स्टैंडअलोन और कंसोलिडेटेड वित्तीय परिणामों की ऑडिट समिति द्वारा विधिवत समीक्षा की गई और निदेशक मंडल द्वारा 24 मई, 2024 को आयोजित बैठक में अनुमोदित किया गया।

कृते एवं बोर्ड की ओर से
स्काईवेब इन्फोटेक लिमिटेड
हस्ता./-
रेनू गुप्ता
पूर्णकालिक निदेशक

दिनांक: 24.05.2024
स्थान : नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव 2024 : प्रत्याशियों का भविष्य ईवीएम में कैद

आम से लेकर खास लोगों ने बढ़चढ़ कर किया मतदान

पश्चिम दिल्ली संसदीय क्षेत्र की मटियाला विधानसभा में 104 वर्ष की आयु के मतदाता ने किया मतदान।

सीईसी राजीव कुमार ने अपने परिवार के साथ किया मतदान ।

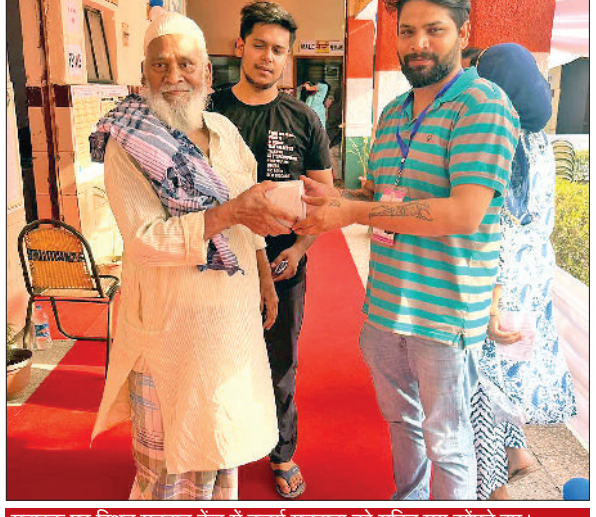

मुबारक पुर स्थित मतदान केंद्र में बुजुर्ग मतदाता को मुद्रित मग सोंपते हुए।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ मतदान केंद्र पर वोट डालने के बाद अपनी स्याही लगी उंगली दिखाते हुए।

स्ट्रेचर पर वोट डालने पहुंचे 97 वर्ष की आयु के मतदाता।

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने परिवार के साथ किया मतदान।

कांग्रेस नेता प्रियंका ने परिवार के साथ डाला वोट।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू वोट डालने के बाद स्याही लगी उंगली दिखाते हुए।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने किया मतदान।

सोनिया, राहुल ने नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में डाला वोट।

आप नेता गोपाल राय ने किया मतदान।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा मतदान के बाद स्याही दिखाते हुए।

गर्मी के कारण सुबह-सुबह वोट डालने की मची होड़

नई दिल्ली। दिल्ली में सुबह-सुबह ही वोट डालने की होड़ मच गई थी। दरअसल भीषण गर्मी के कारण लोग सुबह-सुबह ही वोट डालना चाह रहे थे। अधिकतर पोलिंग बूथों के बाहर शनिवार को तड़के ही नेताओं द्वारा पर्चियां बनाने की टेबलें लगा दी गई थीं। ताकि 7 बजे मतदान करने पहुंचे मतदाताओं को पर्चियां मिलने में दिक्कत न हो। उधर गर्मी को देखते हुए अपने घरों के बुजुर्ग और महिला मतदाताओं को सुबह-सुबह ही पोलिंग बूथों में ले गए। ताकि वह ठंडे-ठंडे ही अपना वोट डाल लें। इस कारण पोलिंग बूथों पर सुबह से ही भीड़ लग गई। उधर मतदान के प्रति सभी मतदाताओं में बेहद उत्साह दिखा। खासकर युवा वोटरों में बेहद उत्साह देखने को मिला। उधर पोलिंग बूथों पर अपने अभिभावकों के साथ बच्चे में नजर आए। जो मतदान प्रक्रिया को देखने को उत्साहित थे। लक्ष्मी नगर के स्कूल ब्लॉक के एक पोलिंग बूथ पर अपने अभिभावक के साथ आए एक बच्चे कहा कि वह यहां इसलिए आए हैं ताकि मतदान कैसे होता है देख सके। आगे हमें भी तो मतदान करना है। मतदाताओं से बात की तो उन्होंने अपना पत किसे दिया है इसका खुलासा नहीं किया लेकिन जब उनसे बात की गई कि उन्होंने किन मुद्दों को लेकर वोट किया है तो उससे पता चल गया कि उन्होंने किसको मत दिया। पूर्वी दिल्ली की बात करें तो यहां भाजपा और इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। कुछ मतदाताओं ने कहा कि विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव के अलग-अलग मुद्दे होते हैं। यह देश का चुनाव है तो हम देश हित में मतदान करेंगे।

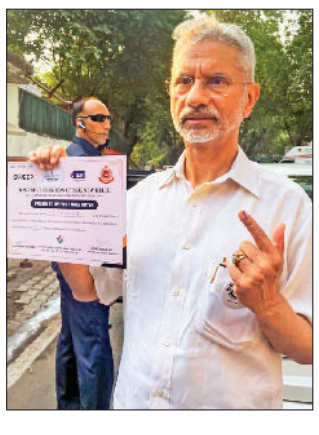

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली लोकसभा चुनाव के दौरान शनिवार को आम से खास लोगों ने मतदान किया। जिसके बाद लोकसभा प्रत्याशियों का भविष्य ईवीएम में कैद हो गया है। दिल्ली निर्वाचन कार्यालय के अनुसार शाम करीब साढ़े सात बजे तक साढ़े 54 प्रतिशत मतदान बताया। इस दौरान दिल्ली और दिल्ली देहात के मतदाता सुबह के समय ही घर से मतदान केंद्र के लिए जाते नजर आए। मतदान केंद्रों के बाहर मतदान के बाद मतदाताओं ने बताया कि जब मतदान करना ही तो फिर देरी कैसी, क्योंकि सुबह के समय गर्मी भी नहीं होती है। हालांकि कुछ मतदाता ऐसे भी नजर आए जो दोपहर और देर शाम को भी घर से मतदान के लिए निकले। दिल्ली के बुजुर्ग मतदाताओं ने कहा कि उन्होंने देश के विकास के लिए मतदान किया है। कुछ बुजुर्गों ने कहा कि महंगाई और बेरोजगारी नहीं है। विपक्ष सिर्फ इसे मुद्दा बना रहा है। बुजुर्गों ने दूसरे लोगों से भी अच्छी सरकार चुनने के लिए मतदान करने की अपील की। दिल्ली में विकास कार्य बहुत अच्छे हुए हैं। मतदाताओं ने दिल्ली में केजरीवाल सरकार को बेहतर बताया तो मतदाताओं ने यह भी कहा कि यह चुनाव देश का है और मोदी सरकार देश की बेहतरी में कार्य कर रही है।

उत्तरी पश्चिमी लोकसभा क्षेत्र के नरेला विधानसभा के सिंघु, सिंघोला, बकौली, खामपुर गांव, नरेला के मतदान केंद्रों पर मौजूद लोगों ने बताया कि यहां मैट्रो रेल सबसे पहले मुद्दा है, यदि यहां मेट्रो रेल होती तो दिल्ली जाने में काफी राहत मिलती। तो कईयों ने कहा कि बसों की सुविधाएं तो हैं लेकिन यातायात जाम के चलते दिल्ली पहुंचने में घंटों लग जाते हैं और ऑफिस पहुंचने में काफी परेशानी होती है। इस दौरान मतदाताओं ने बताया कि दिल्ली देहात में सुविधाएं तो हैं लेकिन सरकार उनकी सही से रेखदेख नहीं करती है। यहां मतदाताओं ने बताया कि उन्हें भारत को विकसित बनाने के लिए मतदान किया है तो साथ ही महिला मतदाताओं ने यह भी कहा कि दिल्ली में बिजली, पानी मुफ्त देने और महिलाओं के लिए बेहतर कार्य करने वालों को वोट दिया है।

गर्मी से बचाव के लिए बूथों पर नहीं थी कुछ जगह समुचित व्यवस्था

दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीटों पर शनिवार को भीषण गर्मी के बीच मतदान हुआ। मतदाताओं का कहना है कि गर्मी से बचाव के लिए बूथों पर कुछ जगह समुचित व्यवस्था नहीं की गई थी। पानी ठंडा नहीं होने के चलते भी मतदाता परेशान दिखे।

पहली बार वोट देने वाले युवा मतदाताओं ने क्या कहा

पहली बार वोट देने वाले युवाओं ने कहा कि उन्होंने शिक्षा और अपने क्षेत्र के विकास को देखते हुए वोट किया है। देश में शिक्षा और विकास तेजी के साथ हो। देश को आगे ले जाने वाली और विकास करने वाली सरकार आनी चाहिए, भले ही मिली जुली सरकार आए, लेकिन काम करने वाली सरकार हो, धर्म के नाम पर नहीं, कर्म के नाम पर वोट मांगने वाली सरकार होनी चाहिए।

मंत्री आतिशी और भारद्वाज ने की शिकायत

दिल्ली के मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज ने अनियमितताओं की शिकायत की। आतिशी ने एक्स पर एक पोस्ट कर दावा किया कि सरकारी स्कूल नंबर 3 कालकाजी में, एक चुनाव अधिकारी ने अभी आकर निर्देश दिया है कि मतदान एजेंट किसी भी डेटा को नोट नहीं कर सकते हैं। क्या इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया द्वारा मतदान संख्या में हेरफेर करने की कोई योजना है।

मैंने तानाशाही, बेरोजगारी और महंगाई के खिलाफ वोट डाला : केजरीवाल

नई दिल्ली। मैंने तानाशाही, बेरोजगारी और महंगाई के खिलाफ वोट डाला है यह बात शनिवार को मतदान करने के बाद आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कही। वोट डालने के बाद सोशल मीडिया मंच एक्स पर केजरीवाल ने लिखा कि मैंने अपने पिता, पत्नी और बच्चों के साथ आज वोट डाला। मेरी माता जी की तबियत बहुत खराब है। वो नहीं जा पाईं। मैंने तानाशाही, बेरोजगारी और महंगाई के खिलाफ वोट डाला। आप भी वोट डालने जरूर जाएं। वहीं दिल्ली के कैबिनेट मंत्रियों ने भी अपने –अपने क्षेत्र के पोलिंग बूथ पर जाकर मतदान किया। दिल्ली के कैबिनेट मंत्री आतिशी, कैलाश गहलोत, गोपाल राय, सौरभ भारद्वाज, इमरान हुसैन ने मतदान किया।

हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत के कारण हम जीत की हैट्रिक करेंगे पूरी : सचदेवा

नई दिल्ली। हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत के कारण हम जीत की हैट्रिक पूरी करेंगे। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने दिल्ली में शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न होने पर खुशी व्यक्त करते हुए उक्त दावा किया है कि 44 डिग्री तापमान के बीच लगभग 60 प्रतिशत मतदान से पता चलता है कि दिल्ली के लोगों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया विकास जारी रखने के लिए उत्साहपूर्वक मतदान किया है। सचदेवा ने कहा है कि दिल्ली ने पीएम नरेंद्र मोदी पर भरोसा जताते हुए एक मजबूत सरकार के लिए वोट किया है।

परिवार सहित प्रवेश वर्मा ने किया मतदान।

इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी
महाबल मिश्रा,
कुलदीप कुमार,
सही राम,
सोमनाथ भारती,
उदित राज,
कन्हैया कुमार और
जय प्रकाश मतदान के बाद स्याही लगी अंगुली दिखाते हुए।

भाजपा प्रत्याशी
मनोज तिवारी,
कमलजीत सहरावत,
रामवीर सिंह बिधूड़ी,
योगेंद्र चंदोलिया,
प्रवीण खंडेलवाल,
बांसुरी स्वराज और हर्ष मल्होत्रा मतदान के बाद स्याही लगी अंगुली दिखाते हुए।

खबर संक्षेप

आरटीई दाखिले से इनकार का सिलसिला जारी

गाजियाबाद। जिले में आरटीई के तीन चरण पूरे हो गए हैं, मगर स्कूलों का दाखिले से इनकार करने का सिलसिला जारी है।

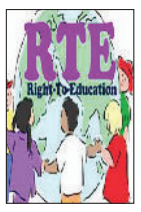

अभिभावक अपने बच्चों का दाखिले कराने के लिए महीनों से भटक रहे हैं, मगर शिक्षा विभाग स्कूलों पर सख्ती के नाम पर सिर्फ नोटिस भेज कर खानापूर्ति कर रहा है। जिले में चरणबद्ध तरीके से आरटीई की दाखिला प्रक्रिया तो पूरी हो रही है, मगर बच्चों को दाखिला मिलेगा या नहीं इसकी कोई गारंटी नहीं है। जिले में तीन चरण के तहत आवेदन, सत्यापन, लक्की ड्रॉ और स्कूलों का आवंटन तो समय पर पूरा हुआ है, मगर पहले चरण में चयनित होने वाले बच्चों के अभिभावक महीनों बाद भी चक्कर लगा रहे हैं। शिक्षा विभाग की सुस्ती के चलते न तो बच्चों को स्कूलों में प्रवेश मिल रहा है और न ही स्कूलों पर कोई कार्रवाई हो रही है।

ट्रांसफार्मर फुंक जाने से लोगों को हो रही परेशानी

गाजियाबाद। इकरामनगर कॉलोनी में आए दिन ट्रांसफार्मर फुंकने से करीब 600 लोगों को बदन झुलसा देने वाली गर्मी में

परेशानी हो रही। उन्हें पेयजल की किल्लत भी झेलनी पड़ रही। लोगों ने बताया कि एक महीने में तीन बार ट्रांसफार्मर फुंक चुका है। ऐसे में स्थाई समाधान किया जाए। इकरामनगर कॉलोनी निवासी अब्दुल रहमान, रहीसु, अल्लामहर, यामीन, असलम और अनवर आदि ने बताया कि उनकी कॉलोनी में चर्च वाली गली में 400 केवी का ट्रांसफार्मर शनिवार सुबह फुंक गया था। उन्होंने अवर अभियंता को मामले की सूचना देकर ट्रांसफार्मर बदलवाने की मांग की थी, लेकिन अवर अभियंता ने छुट्टी पर होने की बात बताकर पल्ला झाड़ लिया। लोगों ने बताया कि ओवरलोडिंग के कारण एक माह में तीन बार ट्रॉसफार्मर फुंक चुका है।

ट्रेन व्हीकल यूनिट सर्वे से जीडीए की निकलेगी लॉटरी

गाजियाबाद। मधुबन-बापूधाम रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) पर फर्राटा भरने का पांच साल से इंतजार कर रहे लोगों के लिए

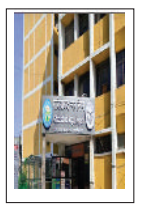

खुशखबरी है। रेलवे ने ट्रेन व्हीकल यूनिट सर्वे का मंजूरी दे दी है। इससे न सिर्फ जीडीए की लॉटरी निकलेगी, बल्कि प्रोजेक्ट तेजी से पूरा होगा और हजारों लोगों को लंबा चक्कर लगाकर जाने व जाम की समस्या से निजात मिलेगी। मुख्य अभियंता मानवेंद्र सिंह ने बताया कि किसी भी रेलवे फाटक को खत्म करने यानि उसके ऊपर आरओबी बनाने या नीचे अंडरपास बनाने के दौरान रेलवे एक सप्ताह का ट्रेन व्हीकल यूनिट सर्वे कराता है। इसमें गणना की जाती है सातों दिन कितनी ट्रेनें ट्रैक से गुजरी व कितने वाहनों ने सड़क मार्ग से रेलवे फाटक पार कर किया। ये संख्या एक लाख या उससे अधिक होती है तो रेलवे आरओबी या अंडरपास प्रोजेक्ट अंशदान देगा।

सभी मतदान केंद्रों पर लगे कैमरों से वेबकास्टिंग के जरिए रखी कड़ी नजर

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

सभी मतदान केंद्रों में सीसीटीवी कैमरों से सीधी निगरानी की गई। चुनाव आयोग और जिला प्रशासन नई तकनीक के साथ चुनाव प्रक्रिया के मतदान के दौरान काम किया।

खास बातें

- सभी मतदान केंद्रों में सीसीटीवी कैमरों से सीधी पहुंच रही थी
- चुनाव प्रक्रिया किसी परेशानी के बिना शांतिपूर्वक संपन्न
- मतदान केंद्रों के अंदर व बाहर से फील्ड पर विभिन्न स्तरों से निगरानी की गई

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्वक तथा निष्पक्षता के साथ संपन्न कराने के लिए वेबकास्टिंग से कड़ी निगरानी की गई। सभी मतदान केंद्रों में सीसीटीवी कैमरों से सीधी पहुंच रही, जिससे सरलता से निगरानी का कार्य सम्पन्न हुआ। चुनाव आयोग और जिला प्रशासन नई तकनीक के साथ चुनाव प्रक्रिया के मतदान में मदद ले रहा है।

जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने बताया कि जिला प्रशासन ने सभी मतदान केंद्रों पर लगे कैमरों के माध्यम से वेबकास्टिंग के जरिए निगरानी की। चुनाव प्रक्रिया बिना किसी परेशानी के सम्पन्न कराई गई। जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह के साथ कमिश्नर आयुक्त पुलिस राकेश कुमार भी इस मॉनिटरिंग में निरन्तर नजर जमाए शामिल रहे। आम लोकसभा चुनाव-2024 के लिए मतदान केंद्रों के अंदर एवं बाहर दोनों ओर से फील्ड पर विभिन्न स्तरों से मॉनिटरिंग की गई।

जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने आगे बताया कि जिला प्रशासनिक अधिकारी वेबकास्टिंग के लिए नियुक्त नोडल सहित अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ जिला में मतदान क्रियान्वयन संबंधित चल रही गतिविधियों की समीक्षा प्रशासनिक स्तर पर निरंतरता के साथ की गई।

6 बजे के बाद भी मतदान केंद्रों में लंबी लाइन दिखी

फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र में 60% तो बड़खल में 52.2 प्रतिशत हुआ मतदान

फरीदाबाद लोकसभा सीट पर 2354729 मतदाता प्रत्याशियों के भाग्य विधाता बने। इनमें 1279461 पुरुष मतदाता और 1075149 महिला मतदाता हैं और 119 ट्रांसजेंडर मतदाता हैं। जिले में वोटिंग प्रक्रिया सुबह 7 बजे से शुरू हुई, जो शाम को 6 बजे तक चली।

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

लोकसभा चुनाव के छठे चरण में आज फरीदाबाद संसदीय क्षेत्र में छुटपुट घटनाओं के बीच शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव सम्पन्न हो गया। मतदान प्रक्रिया सुबह सात बजे से मतदान शुरू होकर सायं छह बजे व कुछ स्थानों से इसके बाद भी जारी रही। इस सीट पर केंद्रीय भारी उद्योग एवं ऊर्जा राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर व पूर्व मंत्री महेन्द्र प्रताप सिंह का भविष्य दांव पर लगा है। इसके अलावा भाजपा, कांग्रेस, इनेलो, बसपा, जजपा सहित कुल 24 अन्य उम्मीदवारों का भाग्य ईवीएम में बंद हो गया है।

जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा प्राप्त आंकड़ों के अनुसार बड़खल विधानसभा क्षेत्र में 52.2 प्रतिशत मतदान हुआ है। बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 53.1 प्रतिशत, इसी तरह फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र में 55.3 प्रतिशत है। एनआईटी विधानसभा क्षेत्र में 58.2 प्रतिशत मत पड़े। हथीन विधानसभा क्षेत्र में 70.1 प्रतिशत है। होडल सुरक्षित विधानसभा क्षेत्र में 67.4 प्रतिशत, पलवल विधानसभा क्षेत्र में 65.4 प्रतिशत,पृथला विधानसभा क्षेत्र में 67.2 प्रतिशत,तिगांव विधानसभा क्षेत्र में 57.9 प्रतिशत मतदान हुआ है। फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र नम्बर-10 में 2430212 मतों में से कुल मत 1457161 मत पोल हुए, जोकि 60.0 प्रतिशत है।

लोकतंत्र के महापर्व में पहली बार मतदान करने वाले युवाओं में दिखी खुशी

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि लोकतंत्र के महापर्व में युवाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। मतदाता सूची में नाम शामिल होने के बाद से ही युवाओं में मतदान को लेकर उत्साह था। शनिवार को सुबह ही युवा मतदाता अपना पहचान पत्र लेकर पोलिंग बूथों पर पहुंच गए। यही नहीं युवाओं ने मतदान में सहभागिता करते हुए अपने आस पड़ोस के इलाके के लोगों को वोट करने के लिए प्रेरित भी किया।

गुरुग्राम में लू के थपेड़ों में भी कम नहीं हुआ मतदाताओं का जोश

18वीं लोकसभा के लिए गुरुग्राम लोकसभा क्षेत्र में शांतिपूर्ण मतदान हुआ। शनिवार को तेज धूप व लू के थपेड़ों के बीच मतदाताओं का जोश कम नहीं हुआ और लगातार लोग लोकतंत्र के पर्व में शामिल हुए। सुबह सात बजे ही मतदान करने के लिए लोग दूर-दराज से भी पहुंचे और मतदान किया। सुबह 9 बजे तक गुरुग्राम जिला में 9.05 फीसदी मतदान हो गया था। इसके बाद लगातार गर्मी का सितम बढ़ता गया, लेकिन मतदाता लगातार बूथों पर पहुंचते रहे। गुरुग्राम में अधिकतम तापमान 44.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 29.2 डिग्री सेल्सियस रहा। दिन में शुक्रवार के मुकाबले गुरुग्राम में अधिकतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस बढ़ा। गुरुग्राम में सुबह 9 बजे ही तापमान बढ़कर 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। वहीं हवा की रफ्तार कम रहने से मतदाता पसीने से तर बतर रहे, लेकिन लाइनों में लगकर शांतिपूर्ण तरीके से मतदान करते रहे। यही नहीं दोपहर 12 बजे तापमान 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह से लेकर शाम तक सबसे धीरे वोटिंग सोहना विधानसभा में हुई। जहां सुबह 9 बजे तक मात्र 4.8 फीसदी ही वोटिंग हुई। जबकि मेवात के तीनों विधानसभा में 9 बजे तक 10 फीसदी से अधिक वोटिंग पूरी हो गई थी। वहीं नूंह जिला की तीनों विधानसभा में शाम को भी 60 फीसदी से अधिक वोटिंग दर्ज की गई। इसी तरह गुरुग्राम के पटौदी में शाम 6 बजे तक 64.1 फीसदी, नूंह विधानसभा में 64.7 फीसदी, फिरोजपुर झिरका में 64, फीसदी, पुन्हाना में भी 61, रेवाड़ी में 63 फीसदी, सोहना में 58.1 फीसदी, बावल 55.9 फीसदी, बादशाहपुर में 54.4 व सबसे कम गुरुग्राम में 52.9 फीसदी मतदाताओं ने मत का प्रयोग किया।

ईवीएम खराब होने से कई बूथों पर रुक गया मतदान

ईवीएम खराब होने के कारण कई बूथों पर मतदान थमा रहा। बूथ नंबर 403 मुआपुर में ईवीएम में एरर आने के कारण मशीन नहीं चल पाई। इसकी सूचना बीएलओ के माध्यम से निर्वाचन अधिकारी को दी गई, लेकिन मशीन बदलने के बाद मतदान शुरू हुआ। तब तक लोग लाइनों में लगे रहे।

सिंचाई विभाग की जमीन पर बना चेंजिंग रूम तोड़ा

चेंजिंग रूम में सीसीटीवी कैमरा लगाने वाले महंत की तलाश जारी

अवैध रूप से बनाई गई दुकानों व चेंजिंग रूम को ध्वस्त कर दिया।

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

मुरादनगर में छोटा हरिद्वार के नाम से प्रसिद्ध गंगनहर के घाट पर महिलाओं के चेंजिंग रूम में सीसीटीवी कैमरा लगाने वाले महंत मुकेश गिरि की तलाश पुलिस सरगर्मी से कर रही है, लेकिन महंत अभी तक पुलिस की पकड़ से बाहर है।

दूसरी ओर सिंचाई विभाग ने विभाग की जमीन पर अवैध रूप से बनाई गई दुकानों व चेंजिंग रूम को ध्वस्त कर दिया गया।

महिला ने पुलिस से गुजार लगाई

गाजियाबाद के मुरादनगर में गंग गहर के घाट पर महिलाओं का चेंजिंग रूम बना था। जहां महिलाएं गंगनहर में नहाकर अपने कपड़े बदलती थीं। एक महिला ने चेजिंग रूम के सीसीटीवी कैमरा देखा। महिला ने इसकी शिकायत महंत से की, लेकिन महंत ने उसे तवज्जो नहीं दी, उलटे उसे धमकाया। तब महिला ने इसकी शिकायत पुलिस से की। इसके बाद जांच शुरू हुई तो महंत मुकेश गिरी वहां से भाग निकला। आरोप है कि इस सीसीटीवी कैमरे का एक्सेस महंत के मोबाइल फोन में मिला है। साथ ही दो दिन में लगभग 75 महिलाओं का डेटा रिकॉर्ड मिला है। डीसीपी ग्रामीण विवेक यादव ने बताया कि पुलिस महंत की तलाश कर रही है, लेकिन अभी तक उसका सुराग नहीं लगा सकी है।

परिजनों ने हत्या का लगाया आरोप

लिव इन में जीजा के साथ रह रही महिला की संदिग्ध मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

मोदीनगर स्थित जगतपुरी कॉलोनी में शनिवार को जीजा के पास रह रही युवती की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। युवती के परिजनों ने जीजा पर जलाकर हत्या करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में जीजा पर महिला की दो शादी तुड़वाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस ने जीजा और उसकी पत्नी को हिरासत मे ले लिया है। कस्बा पतला निवासी कृष्णपाल की बेटी पुत्री राखी की पहली शादी मुरादनगर के गांव हुसैनपुर और दूसरी शादी गाजियाबाद निवासी युवक से हुई थी। काफी समय से अपने जीजा विश्वास उर्फ गुड्डू के साथ मोदीनगर की जगतपुरी कॉलोनी में रहती थी। राखी गाजियाबाद की एक निजी कंपनी में नौकरी करती थी।

लूट व हत्या का आरोपी

हरियाणा का बदमाश मुठभेड़ में हुआ घायल, गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने शनिवार की तड़के मुठभेड़ के दौरान हत्या एवं लूट की घटना के आरोपी को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की ओर से चलाई गोली से यह बदमाश घायल हो गया। उसके कब्जे से लूट गए तीन हजार चार रुपए तथा एक अदद तमंचा नाजायज तथा घटना मे प्रयुक्त बिना नम्बर प्लेट एक्टिवा स्कूटी बरामद की गई है। एसीपी पूनम मिश्रा ने बताया कि प्रभारी निरीक्षक थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक हमराह पुलिस बल सहित थाना क्षेत्र में अपराध नियंत्रण के दृष्टिकोण से सघन चेकिंग कर रहे थे। थाना क्षेत्र में संवेदनशील स्थानों पर चेकिंग कराई जा रही थी। पुलिस को चुनौती देते हुए एक संदिग्ध व्यक्ति एक्टिवा से तिगड़ी गोल चक्कर सर्विस रोड से तिगरी कट की तरफ भागा। पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

दर्ज रिपोर्ट में शुभम की हत्या कर प्रेम कुमार फरार हो गया

रुपए के विवाद में रूमपार्टनर की गैस सिलेंडर मारकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

थाना विजयनगर पुलिस ने शनिवार को रूमपार्टनर की सिलेंडर से हत्या करने वाले शख्स को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने हत्या का कारण रुपए के लेनदेन को लेकर विवाद होने बताया है।

डीसीपी नगर कुंवर ज्ञानजंय सिंह ने बताया कि 22 मई को सौदान सिंह निवासी अंबेडकर नगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके मकान में किराए पर रहने वाले शुभम की हत्या कर प्रेम कुमार फरार हो गया है घटना के शीघ्र अनावरण के लिए टीमों का गठन किया गया । सभी टीमों के अथक प्रयास एवं आस पास के सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल सर्विलांस, मैनुअल इंटेलिजेन्स एवं लोकल इनपुट की सूचना के आधार पर आज प्रेम कुमार पुत्र नन्दलाल निवासी जगनाथपुर मोहनपुर थाना चौरी जिला भदोही को रेलवे स्टेशन बाहर टैम्पो स्टैंड विजयनगर से कहीं भागने का प्रयास करते समय गिरफ्तार किया गया । आरोपित ने पूछताछ में बताया कि मैं तथा शुभम एक ही गांव के रहने वाले हैं। हम दोनों काफी समय से आंबेडकर नगर में सौदान सिंह के मकान में किराए पर तीसरी मंजिल पर रहते थे तथा हम दोनों श्रीनाथ इस्पात फैक्ट्री में काम करते थे। 21 मई को हम दोनों ने दिन में शराब पी तथा शराब पीने के बाद मेरा शुभम से पैसे के लेने देने को लेकर झगड़ा हो गया था। जिसमें मैंने गुस्से में आकर पास में रखे सिलेंडर को शुभम के सिर में दो बार मारा था । जिससे उसका सिर फट गया था तथा वह मर गया था। मैं डरकर कमरे का ताला बंद कर फरार हो गया था।

2 हुक्का की पाइप व 2 हुक्का की प्लेट हुई बरामद

हुक्का बार चलाने वाले गिरोह का पर्दाफाश मैनेजर समेत 3 को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

थाना इंदिरापुरम पुलिस टीम ने शनिवार को अवैध रूप से हुक्का बार चलाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने वसुंधरा में बनी बिल्डिंग के प्रथम तल पर छापा मारकर मैनेजर समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 2 दो हुक्का, दो हुक्का की पाइप व 2 हुक्का की प्लेट बरामद की गई हैं।

एसीपी इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि थाना इंदिरापुरम पुलिस टीम को सूचना मिली कि मेवाड़ कॉलेज के सामने पसैक्टर 2 सी वसुंधरा में बनी बिल्डिंग के प्रथम तल पर अवैध रुप से हुक्का बार संचालित किया जा रहा है । पुलिस ने तत्काल छापा मारा और गौरव कुमार (मैनेजर) निवासी खारा कुआं अर्थला शिव मंदिर के पास अर्थला, अंश तिवारी तथा विशाल निवासी खारा कुआं अर्थला शिव मंदिर को गिरफ्तार किया गया । जिनके कब्जे से 2 हुक्का, 2 हुक्का की पाइप व 2 हुक्का की प्लेट बरामद हुए ।

अभियुक्तगण उपरोक्त के विरुध सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है । पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि विशाल यादव हुक्का बार को चलाता है । जो मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया ।

भाजपा प्रत्याशी से हर राउंड में मारी थी बाजी

हार्ट अटैक से पहले अपने परिवार के साथ किया था मतदान

बादशाहपुर से निर्दलीय विधायक राकेश दौलताबाद का मात्र 45 साल की उम्र में निधन, गुरुग्राम में शोक की लहर

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

18वीं लोकसभा के लिए मतदान के दिन गुरुग्राम में उस समय शोक की लहर दौड़ गई जब करीब 10.30 बजे बादशाहपुर से निर्दलीय विधायक राकेश दौलताबाद के निधन की खबर मिली। उन्हें तबीयत खराब होते ही पालम विहार स्थित एक निजी अस्पताल में एडमिट कराया गया, लेकिन हार्ट अटैक से उनका निधन हो गया। विधायक राकेश दौलताबाद ने इससे पहले परिवार के साथ मतदान भी किया था। सुबह करीब 10 बजे उन्हें आनन-फानन में पालम विहार स्थित मणिपाल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। जहां पर डॉक्टरों ने शुरुआती इलाज के बाद मृत घोषित किया। वे करीब 45 वर्ष के थे। राकेश दौलताबाद के निधन को लेकर उनके बेटे ने पुष्टि की थी। मौत की वजह हृदय गति रुकना बताया गया है।

भाजपा के मनीष को हराकर निर्दलीय चुने गए

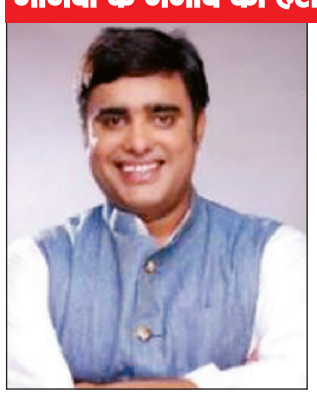

बता दें बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी राकेश दौलताबाद ने 2019 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी मनीष यादव को कांटे की टक्कर में 10,142 वोटों से हराया था। मतगणना के दौरान सबसे खास बात यह थी कि राकेश ने हर राउंड में अपने प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अपनी बढ़त लगातार बनाए रखी। किसी भी राउंड में उन्होंने भाजपा प्रत्याशी को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया था।

विधायक राकेश दौलताबाद को हजारों नम आंखों ने दी अंतिम विदाई

बादशाहपुर से विधायक राकेश दौलताबाद के निधन के बाद शनिवार शाम को उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस दौरान राजकीय सम्मान के साथ विधायक का अंतिम संस्कार किया गया। जिला प्रशासन की ओर से डीसीपी विरेंद्र विज व एसडीएम दर्शन यादव ने पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान पटौदी से विधायक सत्यप्रकाश जरावता, बलराज कुंडू व नैनपाल रावत भी अंतिम विदाई में शामिल हुए। इसके अलावा गुरुग्राम जिला के गणमान्य लोग विधायक की अंतिम यात्रा में शामिल रहे।

वाराणसी में प्रियंका-डिंपल का रोड शो

पुष्पवर्षा के साथ किया गया रोड शो का स्वागत, दोनों ने गठबंधन प्रत्याशी अजय राय के लिए जनसमर्थन भी मांगा

एजेंसी ▶▶ वाराणसी

वाराणसी में लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा और सपा नेता डिंपल यादव अपनी चुनावी रैली निकाल रही हैं।

उनके साथ कांग्रेस नेता अजय राय भी मौजूद है। रैली की शुरुआत दुर्गाकुंड स्थित मां दुर्गा के आशीर्वाद के साथ की गई। रोड शो में कांग्रेस और सपा नेताओं को जमावड़ा दिखा। वे पार्टी समर्थित नारे लगाते रहे। वाहन पर बैठे प्रियंका, डिंपल और अजय राय के ऊपर गुलाब की पंखुड़ियां उड़ाई जा रही थीं।

रोड शो में कांग्रेस और सपा नेताओं को जमावड़ा दिखा। वे पार्टी समर्थित नारे लगाते रहे। वाहन पर बैठे प्रियंका, डिंपल और अजय राय के ऊपर गुलाब की पंखुड़ियां उड़ाई जा रही थीं।

मां दुर्गा के चौथे स्वरूप माता कूष्मांडा का आशीर्वाद लिया

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी और सपा सांसद डिंपल यादव ने पहले दुर्गाकुंड स्थित मां दुर्गा के चौथे स्वरूप माता कूष्मांडा का आशीर्वाद लिया, फिर रोड शो की शुरुआत की। रोड शो के रूट पर मानस मंदिर, त्रिदेव मंदिर और संकटमोचन मंदिर समेत 21 से अधिक छोटे बड़े मंदिर हैं। कांग्रेस के कार्यकर्ता रोड शो का जगह-जगह स्वागत कर रहे थे। इस दौरान रोड शो का स्वागत पुष्पवर्षा के साथ किया जा रहा था। रोड शो के दौरान कांग्रेस नेता और डिंपल ने जगह-जगह रुककर जनता को संबोधित भी किया। इसके साथ ही इंडिया गठबंधन प्रत्याशी अजय राय के लिए जनसमर्थन भी मांगा। कांग्रेस नेता अजय राय पब्लिक का अभिवादन करते रहे। कड़ी सुरक्षा के बीच रोड शो धीरे-धीरे लंका स्थित मालवीय जी की प्रतिमा के पास बढ़ रहा था। यहां भी कार्यकर्ताओं की मौजूदगी थी।

लाखों मतदाता हुए रोड शो से रूबरू, कार्यकर्ता शामिल

प्रियंका गांधी और डिंपल यादव के रोड शो में हजारों लोग शामिल हुए थे। रास्ते में गुलाब की पंखुड़ियों से रोड शो का स्वागत किया गया। वहीं इस रोड शो से धर्मसम्राट स्वामी करपात्री महाराज की कर्मस्थली सहित 10 से अधिक मठ, दुर्गाकुंड से लेकर सीरगोवर्धन तक 14 हजार से अधिक व्यापारी, 40 हजार से अधिक छात्र-छात्राएं और डेढ़ लाख से अधिक मतदाता रूबरू हुए।

खबर संक्षेप

ऊपर से गुजर गई ट्रेन पेट के बल लेटा रहा युवक

पटना। जाको राखे साईयां मार सके ना कोय... शुक्रवार को पटना जंक्शन के एक नंबर प्लेटफॉर्म से

वास्कोडिगामा एक्सप्रेस गुजरने वाली थी और एक व्यक्ति पटरी के बीच लेट गया। देखते देखते उसके ऊपर से पूरी ट्रेन गुजर गई, लेकिन उसका बाल बांका भी नहीं हुआ। इधर पूरी घटना के दौरान परिसर में हड़कंप की स्थिति हो गई। हालांकि उस युवक को जब आरपीएफ ने प्लेटफॉर्म पर लेकर आई तो उसके मानसिक रूप से विक्षिप्त होने का पता चला। इस घटना का कुछ यात्रियों ने वीडियो बनाया, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है।

किशोर ने पकड़वाया बच्चा चोर गैंग का लीडर

मेरठ। यहां लिसाड़ी गेट के रहने वाले 12 साल के जैद ने बड़ा ही बहादुरी का काम किया। बच्चों को

अपहरण कर भीख मंगवाने और चोरी कराने वाले गिरोह के सरगना को किशोर ने पकड़वा दिया। आरोपी ने जैद का भी नौ मई को अपहरण किया था और दिल्ली में किशोर से भीख मंगवाई थी। इस दौरान बच्चे ने दो लोगों की मदद से परिजनों को फोन किया। इसके बाद बच्चे को बरामद कर लिया गया था, लेकिन उस समय आरोपी हाथ नहीं आया था। अब आरोपी से पुलिस पूछताछ कर रही है। ये भी पता किया जा रहा है कि शहर से दूसरे जो बच्चे लापता हैं, कहां हैं।

लोकसभा चुनाव: मधुपुर में सपा के एजेंट व कार्यकर्ताओं ने वोट नहीं डालने देने का आरोप लगाया

भदोही और श्रावस्ती में सड़क न बनने से रूठे ग्रामीण, प्रशासन ने मनाया तो किया मतदान

यूपी में लोकसभा चुनाव के छठे चरण की 14 सीटों पर मतदान हुआ। इस चरण के लोकसभा चुनाव में 162 प्रत्याशी मैदान में हैं। इनमें 146 पुरुष और 16 महिला हैं। सबका भाग्य ईवीएम में बंद हो गया।

अनिल के अंकुर/टीएन मिश्रा ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में छठे चरण में 14 लोकसभा सीटों के लिए 162 प्रत्याशी चुनाव मैदान में अपनी किस्मत आजमाने के लिए उतरे। शनिवार को इन सीटों पर मतदान संपन्न हो चुका है। इसके साथ ही प्रत्याशियों के किस्मत का फैसला भी ईवीएम में कैद हो गया है। छठे चरण में सुलतानपुर, प्रतापगढ़, फूलपुर, इलाहाबाद, अंबेडकरनगर, श्रावस्ती, डुमरियागंज, बस्ती, संत कबीर नगर, लालगंज, आजमगढ़, जौनपुर, मछलीशहर व भदोही सीट के लिए मतदान हुआ। इस दौरान कई स्थानों पर विवाद होने की सूचनाएं भी आईं।

आंबेडकर नगर के सपा उम्मीदवार रामजी वर्मा को नजर बंद करने की शिकायत आयोग से की गई। वहीं भदोही और श्रावस्ती में सड़क न बनने से नाराज ग्रामीणों ने रेलवे अंडर पास बनाने की मांग को लेकर चुनाव का बहिष्कार किया। बाद में प्रशासन के समझाने पर मतदान शुरू किया जा सका। शाम तक छठे चरण में करीब 56 फीसदी औसतन मतदान हुआ। जौनपुर के बूथ संख्या 326 मधुपुर गांव में सपा के एजेंट एवं कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सपा के मतदाताओं को वोट डालने नहीं दिया जा रहा है। कुछ लोगों द्वारा जबरन ऐसा किया जा रहा है। इसकी सूचना जब समाजवादी पार्टी के नेताओं को मिली तो प्रशासनिक अमले को फोन करने के साथ एक्स पर भी इसकी शिकायत की गई। सूचना मिलते ही बाहर खड़ी पुलिस भीतर पहुंची जानकारी ली।

मतदान करने गई बुजुर्ग महिला की मृत्यु: बेलहर थाना क्षेत्र के मंझरिया पठान बूथ पर मतदान करने गई एक बुजुर्ग महिला की तेज धूप के कारण चक्कर आने से मृत्यु हो गई। भीषण गर्मी की इस दोपहर लगभग 12 बजे मतदान चल रहा था। इसी बीच 70 वर्षीय जलधारी पत्नी बसंत स्वजन के साथ मतदान करने गई थी। अभी केवटलिया बूथ के गेट पर ही पहुंची कि अचानक उसे तेज धूप के कारण चक्कर आने लगा। जिससे वह गिरकर बेहोश हो गई। स्वजन ने उसे सीएचसी मेंहदावल पहुंचाया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पूर्वांचल में दबंगों के इलाकों में हुआ 56 फीसदी मतदान

आंबेडकर नगर मे सपा प्रत्याशी को किया गया नजर बंद

पांच घंटे बीत जाने पर भी नहीं पड़ा एक भी वोट

बांसी विधान सभा के जाल्हेखोर में मतदाता नाराज हैं। विगत 10 दिनों से रोड नहीं तो वोट नहीं का गांव में बैनर लगा मतदान का विरोध करते रहे। शनिवार को मतदान के दिन पांच घंटे बीत गए पर एक भी मत यहां नहीं पड़ सका था। एसडीएम कुणाल व तहसीलदार भारी पुलिस फोर्स के साथ गांव में सुबह नौ बजे से डटे रहे और ग्रामीणों को मनाने का प्रयास करते रहे। यहां के बूथ संख्या 41 पर कुल मतदाता 980 हैं। इस प्रकार की तमाम छुटपुट घटनाएं सामने आईं। पकई स्थानों पर ऑफ लाइन हुए कैमरे होने की शिकायतें भी चुनाव आयोग के सामने आईं। वहीं मेनका गांधी सुल्तानपुर के सरैयामाफी स्थित प्राथमिक विद्यालय में बने मतदान केंद्र का जायजा लेने के लिए पहुंची। उनके खिलाफ सपा के राम भुवल निषाद मैदान में हैं। इलाहाबाद में सियासी परिवारों के बीच घमासान है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष केसरीनाथ त्रिपाठी के बेटे नीरज त्रिपाठी और पूर्व सांसद रेवती रमण के बेटे पूर्व मंत्री उज्जवल रमण मैदान में हैं। श्रावस्ती से पीएम के पूर्व केबिनेट सेक्रेटरी निपेन्द्र मिश्र के बेटे साकेत मिश्र का सपा के राम सिरोमणि से सीधा मुकाबला दिखा। आजमगढ़ में भोजपुरी कलाकार दिनेश यादव और मुलयम सिंह यादव के भतीजे धर्मेन्द्र यादव से सीधी टक्कर है। डुमरियागंज से भाजपा सांसद जगदम्बिका पाल की पूर्वांचल के दबंग रहे हरिशंकर तिवारी के बेटे भीष्म शंकर तिवारी से टक्कर हो रही है।

छठे चरण में कम रहा मतदान प्रतिशत

बिहार की 8 सीटों पर 54.45% प. चंपारन 59.75% मतदान

पटना। बिहार में छठे चरण की आठ सीटों पर मतदान का समापन हो गया। पांचवे चरण की तुलना में इस बार मतदान का प्रतिशत कम रहा। इतना ही 2019 में हुए इन आठों सीटों पर हुए मतदान से तुलना करें तो इस बार करीब 3.02 प्रतिशत कम मतदान हुआ। पिछली बार 58.47 प्रतिशत मतदान हुआ था। इस बार 54.45 प्रतिशत हुआ। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी एचआर श्रीनिवास के अनुसार अब तक सबसे अधिक पश्चिमी चंपारण में 59.75 प्रतिशत मतदान हुआ। कुछ बूथों पर वोट बहिष्कार के कारण गोपालगंज में 50.70 प्रतिशत मैदान हुआ। वहीं वैशाली में 58.50 प्रतिशत, शिवहर में 56.30 प्रतिशत, पूर्वी चंपारण में 57.30 प्रतिशत, वाल्मीकिनगर 58.25 प्रतिशत, और महाराजगंज में 51.27 प्रतिशत मतदान हुआ है। आठों सीटों पर कुल 55.45 प्रतिशत मतदान हुआ है।

क्रिकेटर धोनी ने भी किया मतदान

झारखंड में 62.13%, जमशेदपुर में सर्वाधिक 66.79% मतदान

रांची। झारखंड के तीसरे चरण में 62.13 फीसदी वोटिंग हुई है। गिरिडीह लोकसभा संसदीय क्षेत्र में 65.44 प्रतिशत मतदान हुआ। धनबाद में 58.90 प्रतिशत, रांची में 58.73 एवं जमशेदपुर में 66.79 फीसदी वोटिंग हुई है। जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र के संत जॉन हाईस्कूल की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई। पूर्व की घटना को देखते हुए चुनाव समाप्ति के कुछ समय पहले अतिरिक्त पुलिस बल को मंगाया गया है। दो डीएसपी की तैनाती की गई है। इसके अलावा क्यूआरटी की तैनाती की गई है। मतदान केंद्र के अंदर मतदान करने वालों को छोड़ सभी लोगों को बाहर कर दिया गया है। वोटर कार्ड होने पर ही वोटरों को प्रवेश दिया जा रहा है। विधायक मंगल कालिंदी के पहुंचने की सूचना है। क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी ने भी मतदान केंद्र में पहुंचकर वोट डाला।

पेज एक का शेष

झुलसाती गर्मी में...

कई दशकों में सबसे अधिक रहा है। राष्ट्रीय राजधानी में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, केंद्रीय मंत्रियों एस जयशंकर और हरदीप सिंह पुरी, दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी, कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी और पूर्वी दिल्ली के निवर्तमान सांसद गौतम गंभीर उन मतदाताओं में शामिल रहे, जिन्होंने मतदान की शुरुआत में वोट डाला। इस चरण के समापन के साथ अब 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 486 सीटों पर मतदान पूरा हो गया है। 7 चरण में से आखिरी चरण का मतदान एक जून को होना है और मतगणना 4 जून को होगी। इस चरण में 11.13 करोड़ से अधिक मतदाता थे, जिनमें 5.84 करोड़ पुरुष, 5.29 करोड़ महिला और 5120 तृतीय लिंग के वोटर थे। आयोग ने 1.14 लाख मतदान केंद्रों पर लगभग 11.4 लाख अधिकारियों को तैनात किया था। दिल्ली की सभी 7 सीट के अलावा, उप्र की 14 सीट, हरियाणा की सभी 10 सीट, बिहार और पश्चिम बंगाल की 8-8 सीट, ओडिशा की 6 सीट, झारखंड की 4 सीट और जम्मू-कश्मीर की एक सीट पर मतदान हुआ। इसके अलावा ओडिशा में 42 विधानसभा सीट और हरियाणा में करनाल विधानसभा उपचुनाव के लिए भी मतदान हुआ। भारत के बड़े हिस्से में भीषण गर्मी पड़ रही है, ऐसे में कई मतदान केंद्रों पर ठंडे पानी, कूलर, पंखे और तंबू की व्यवस्था की गई थी। बुजुर्ग मतदाताओं की सहायता के लिए व्हीलचेयर भी रखी गई थीं। आयोग ने अपने अधिकारियों और राज्य मशीनरी को गर्म मौसम के प्रतिकूल प्रभाव से निपटने के लिए पर्याप्त उपाय करने का निर्देश दिया था। मतदान में देश की कई हस्तियों ने भाग लिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, सांसद गौतम गंभीर, नई दिल्ली सीट से भाजपा उम्मीदवार बांसुरी स्वराज समेत कई दिग्गजों ने सुबह-सुबह मतदान किया। इसके अलावा कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी,राहुल गांधी और प्रियंका रॉबर्ट वाड्रा ने अपने बच्चों मिराया वाड्रा और बेटे रेहान वाड्रा ने भी मतदान किया। कई जगह महिलाओं ने पारंपरिक पोशाक में मतदान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी छठे चरण के लिए लोगों से भारी संख्या में मतदान करने की अपील की है।

दस लोगों के ...

लगी उनके परिजन घटना स्थल पर पहुंच गए। कई महिलाएं अपनों को तलाशते हुए रोती बिलखती देखीं गईं। ठीक से जानकारी नहीं मिलने से परेशान कुछ महिलाएं फैक्ट्री के बाहर धरने पर बैठ गईं। ग्रामीणों ने रोकी कलेक्टर की गाड़ी: मौके पर ग्रामीण लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। लोगों ने कलेक्टर और एसपी की गाड़ी रोक दी। जिसके बाद गाड़ी से उतरकर कलेक्टर और एसपी पैदल ही फैक्ट्री के अंदर गए।पीड़ित के भतीजे ने कहा कि, 50 लाख मुआवजा और चाची को पेंशन दिया जाए। जब तक फैक्ट्री के मालिक की ओर से कोई मुआवजा राशि नहीं दी जाएगी तब तक अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। और फैक्ट्री के सामने शव ले जाकर प्रदर्शन करेंगे।

पीएम के साथ दैवीय ...

नहीं हैं कि मोदी जी के साथ कोई दैवीय शक्ति तो है, जिसका आशीर्वाद उनको मिला हुआ है। कंगना ने कहा कि मैंने हमेशा अपने दिल की सुनी है ये कभी नहीं सोचा हमें कुछ बनना है। मैं हमेशा से आगे बढ़ती रही। कंगना ने कहा कि मैं अपनी महत्वकांक्षाओं को बांधकर नहीं रखती। उन्होंने आगे कहा कि मैं ये सोचती हूं कि बहुत ज्यादा नुकसान और फायदे से बाहर निकलकर आगे बढ़ते रहना चाहिए। उसका परिणाम ये रहा कि मैं कोशिश में हूं कि अगर मुझे जनता के बीच काम करने का मौका मिलेगा तो उस काम को करने के लिए भी भगवान हौसला देगा।

एक पैटर्न के तहत चुनावी...

सभी पूर्ण चरणों के लिए संसदीय निर्वाचन क्षेत्रवार मतदाताओं और वोटर्स की कुल संख्या जारी कर रखी है। इसके चलते हर कोई आसानी से वोट प्रतिशत का पता लगा सकता है। आयोग ने कहा कि सारा डेटा पब्लिक डोमेन में है। चुनाव आयोग और ईवीएम को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई याचिकाओं पर राजीव कुमार ने कहा कि संदेह का माहौल पैदा करने की कोशिश की जा रही है। एक दिन हम इसके बारे में सबको बताएंगे। हम बताएंगे कि लोगों को किस तरह से गुमराह किया जा रहा है, जिसके चलते वोटिंग पर बुरा असर पड़ रहा है।

सभी प्रत्याशियों के एजेंट के पास होता है सारा डेटा: आयोग ने दोहराया है कि मतदान के दिन सभी उम्मीदवारों के पोलिंग एजेंटों के साथ फॉर्म 17सी के माध्यम से साझा किए गए वोटों के डेटा को कोई भी नहीं बदल सकता है। सभी उम्मीदवारों के अधिकृत एजेंटों के पास 543 मतदान केंद्रों में से प्रत्येक के लिए अलग-अलग फॉर्म 17सी होता है। आयोग ने याद दिलाया कि कुल मतदाता और मतदान के आंकड़े जारी करने में कोई भी देरी नहीं हुई है। संसदीय निर्वाचन क्षेत्रवार मतदाता, मतदान के आंकड़े हमेशा उम्मीदवारों के पास उपलब्ध रहते हैं और आम नागरिकों के लिए वोटर टर्नआउट एप पर भी सारा डेटा शुरु से ही उपलब्ध रहा है।

हर जगह मतदान शांतिपूर्ण: राजीव कुमार ने कहा कि लोगों को लगता है कि क्या ईवीएम सही भी हैं या नहीं। खुशी की बात है कि हर जगह मतदान शांतिपूर्ण चल रहा है फिर चाहे वह ओडिशा हो पश्चिम बंगाल हो या फिर बिहार।

पांच चरणों में 50.72 ...

मतदाताओं में से 11.32 करोड़ ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया और मतदान प्रतिशत 65.68 था। चौथे चरण में 13 मई को 96 सीट के लिए मतदान हुआ, जिसमें कुल 17.71 करोड़ मतदाताओं में से 12.25 करोड़ मतदाताओं ने मतदान किया और मतदान प्रतिशत 66.71 रहा। इसके अनुसार, 49 सीट के लिए 20 मई को पांचवें चरण में मतदान प्रतिशत 62.20 रहा और 8.96 करोड़ पात्र मतदाताओं में से 5.57 करोड़ ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया था। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को एक गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) की वह याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें निर्वाचन आयोग को मतदान केंद्र-वार मतदान प्रतिशत के आंकड़े अपनी वेबसाइट पर अपलोड करने के निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। इसके एक दिन बाद निर्वाचन आयोग ने यह आंकड़ा जारी किया। निर्वाचक (इलेक्टर) वे हैं, जो निर्वाचक नामावली का हिस्सा हैं। मतदाता (वोटर) वे हैं, जो वास्तव में चुनाव में मतदान करते हैं। निर्वाचन आयोग ने कहा कि उसने प्रत्येक संसदीय क्षेत्र में मतदाताओं की पूर्ण संख्या को शामिल करने के लिए मतदान आंकड़े के प्रारूप का और विस्तार करने का निर्णय लिया है।

27 को दो चुनावी जनसभा

एक रैली के बाद सीधे आखिरी चरण में बिहार आ रहे राहुल

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार में लोकसभा चुनाव एनडीए के खिलाफ महागठबंधन लड़ रहा है। जिसमें कांग्रेस, आरजेडी और वाम दल शामिल हैं। एक तरफ जहां पीएम मोदी से लेकर भाजपा के दिग्गज नेता बीते एक महीने में कई राउंड चुनाव प्रचार कर चुके हैं, वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी करीब 35 दिन बाद बिहार में अपनी दूसरी रैली करने जा रहे हैं। पहली रैली के बाद दूसरी रैली लोकसभा चुनाव के आखिरी चरण में होने जा रही है। राहुल गांधी 27 मई को बिहार में दो

चुनावी जनसभाएं करेंगें। पटना साहिब और पाटलिपुत्र लोकसभा क्षेत्र में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी के पक्ष में चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे। पटना साहिब में कांग्रेस प्रत्याशी अंशुल अभिजीत और पाटलिपुत्र में राजद प्रत्याशी मीसा भारती के लिए सभा करेंगे।

श्रद्धालुओं से भरी टेंपो ट्रैवलर की ट्रक में टक्कर

कर्नाटक के 3 श्रद्धालुओं की मौत मरने वालों में 2 पुरुष व 1 महिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अयोध्या

प्रयागराज हाईवे पर भीषण सड़क हादसा हुआ। हाईवे पर कर्नाटक के तीन श्रद्धालुओं की सड़क हादसे में मौत हो गई। मरने वालों में दो पुरुष और एक महिला शामिल हैं। वहीं 14 श्रद्धालुओं घायल हुए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

काशी से अयोध्या जा रहे थे श्रद्धालु: दरअसल कर्नाटक में गुलबर्गा के रहने वाले 22 श्रद्धालु कर्नाटक से दर्शन करने के लिए सीधे वाराणसी जिले आए थे। फिर वह सभी काशी से टेंपो ट्रैवलर से अयोध्या दर्शन पूजन करने के लिए

आ रहे थे। इस बीच बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के शेरपुर पारा के पास टेंपो ट्रैवलर एक ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में कर्नाटक के तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई। वहीं 14 श्रद्धालु घायल हो गए। 13 श्रद्धालुओं को घायलवस्था में जिला अस्पताल लाया गया। वहीं एक श्रद्धालु का दर्शन नगर मेडिकल कालेज में चल रहा इलाज।

उप्र की राजधानी लखनऊ में रिटायर्ड डीएम की पत्नी की हत्या

सुबह 7 बजे गोल्फ खेलने गए थे आईएएस पति

मोहिनी को मारने वाला कोई करीबी,फोरेंसिक टीम ने की छानबीन, पूछताछ के साथ सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शनिवार सुबह रिटायर्ड आईएएस की पत्नी की हत्या से पूरे इलाके में सनसनी मच गई। चोरों ने देवेंद्र नाथ दुबे (71) की पत्नी मोहिनी दुबे (58) की हत्या कर दी। वारदात इंदिरानगर सेक्टर-20 स्थित मकान नंबर 20/31 की है। शनिवार सुबह सात बजे करीब सेवानिवृत्त आईएएस देवेंद्र नाथ दुबे अपने ड्राइवर रवि के साथ गोल्फ खेलने गए थे और सुबह 9.40 बजे लौटे तो देखा घर का दरवाजा खुला हुआ था। ऊपर पहली मंजिल पर पहुंचे तो किचन के पास पत्नी का शव पड़ा देखा। यह देख उनके होश उड़ गए और किसी तरह खुद को संभालकर पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम और फोरेंसिक की टीम ने छानबीन की।

सीसीटीवी बताएगा कातिल

घटनास्थल पर पहुंची फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड ने काफी सबूत जमा किए हैं। फिलहाल पुलिस की टीम सीसीटीवी खंगाल रही है। माना जा रहा है कि जल्द ही हत्यारे को लेकर पुलिस के पास कोई जानकारी जरूर होगी। वहीं पुलिस की टीम देवेंद्र नाथ दुबे के पड़ोसियों से भी पूछताछ कर रही है।

पुलिस को किसी करीबी पर शक

शुरुआती जांच में इस हत्याकांड में किसी करीबी के हाथ होने का शक है। पुलिस के मुताबिक जांच में स्पष्ट हुआ कि घर में किसी तरह का कोई जबरन प्रवेश नहीं हुआ है। मतलब वारदात को अंजाम देने वाला आसानी से मुख्य गेट से लेकर पहली मंजिल तक गया और फिर घटना को अंजाम दिया। ऐसे में अंदेशा है कि घटना में कोई करीबी शख्स है जिसको मोहिनी जानती थीं। यही वजह है कि वारदात को अंजाम देने वाले आसानी से भीतर आ गए। चूंकि जिस अलमारी से गहने पार किए गए, उसका लॉक चाबी से खोला गया। ये इशारा करता है कि घटना में कोई करीबी शामिल है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
नई दिल्ली, रविवार 26 मई 2024

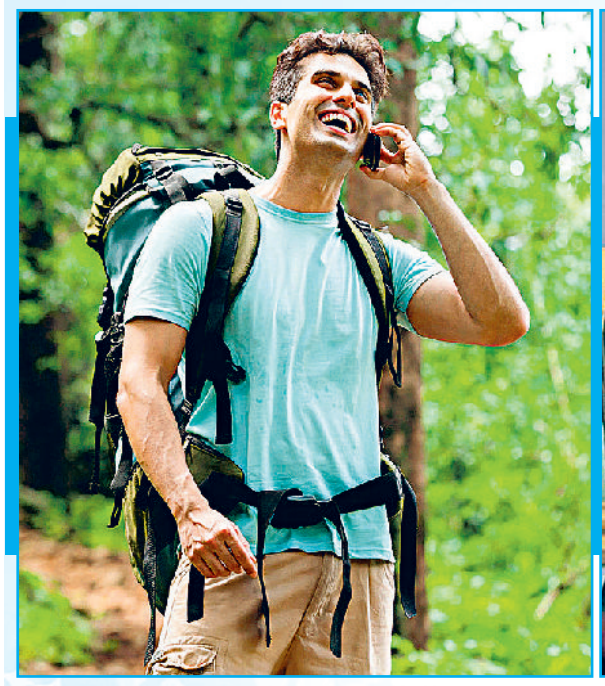

आज के दौर में करियर को नई उड़ान देने के सपने लिए बड़ी संख्या में सिंगल यंगस्टर्स अपने घरों से दूर शहरों, मेट्रो सिटीज में रह रहे हैं। इनकी लाइफस्टाल ऊपरी तौर पर देखने में कूल और बिंदास लगती है, लेकिन वास्तव में आज के युवा अपनी मैच्योर सोच और प्रैक्टिकल अप्रोच के जरिए जीवन को शानदार तरीके से जी रहे हैं।

कूल-बिंदास-शानदार सिंगल यंगस्टर्स की जिंदगी

{ कवर स्टोरी / शैलेंद्र सिंह }

वे हमेशा उत्साह से भरे होते हैं। चाहे क्लब में हों या कैफे में। वे टेनिस, बैडमिंटन या मनचाहा कोई और गेम खेलते हैं। पार्टियों में मस्ती करते हैं। उनकी शर्ट-पैंट पर कड़क क्रीज दिखती है और शूज में हमेशा चमकती हुई क्रीम पॉलिश। वे अधिकतर हंसते, मुस्कुराते और चहकते रहते हैं। जी, हां! ये युवाओं की दुनिया है। लेकिन आप सोच रहे होंगे कि ये किन घरों के युवा हैं, जहां इन्हें मौज-मस्ती करने का इतना टाइम मिलता है, क्या इन्हें ऑफिस नहीं जाना होता? जी नहीं, जनाब आपका अनुमान गलत है। ये काम-काजी युवा ही हैं, लेकिन सिंगल हैं। हैरान न होइए, सिंगल होना हमेशा परेशानियों से ऊबे रहना ही नहीं है। सिंगल रहना खुशियों से भरा होना भी हो सकता है।

पिछली पीढ़ी के युवाओं से अलग

आज के इन युवाओं ने, पुरानी पीढ़ियों से सुने उन युवाओं को टाटा, बाय-बाय कह दिया है, जो जब तक अकेले रहते थे, घर या हॉस्टल का कमरा ऐसा दिखता था, जहां हर चीज बेतरतीब पड़ी होती थी। अखबार, फर्नीचर या फर्श को झाड़ें तो धूल की परत जमी होती थी। जहां अव्वल न तो खाने-पीने के बर्तन होते थे और न ही रसोई में तुरंत कुछ बना लेने की सुविधा। पिछली सदी के अंतिम के दशकों में उनके लिए कुछ ऐसे संबोधन हुआ करते थे, जैसे-'ये एक नंबर के लापरवाह, आलसी और बेतरतीब हैं।'

स्टाइल को लेकर रहते हैं कॉन्शस

आज हम जिन युवाओं की बात कर रहे हैं, उनकी दुनिया पूरी तरह से बदल चुकी है। ये बिंदास जीने वाले सिंगल युवा हैं। इन्हें अपना घर खुद ही मैनेज करना होता है, दफ्तर भी और करियर ऑप्शंस भी, फिर भी इनमें थकान ढूंढ़े नहीं मिलती है। आज अकेले रहने वाले तमाम युवा पूरी तरह से व्यवस्थित रहते हैं। ये परफ्यूम लगाए बिना दफ्तर नहीं जाते। इनके चेहरे पर आप दो दिन की पुरानी शेव नहीं देख सकते। ये अपने बालों के लिए बाजार में जितने भी मुफीद उत्पाद हैं, उन सबके बारे में अच्छी तरह से जानते हैं। आज के युवा अपने लुक और स्टाइल को लेकर हर समय सजग रहते हैं। घर से बाहर अपने बॉडी लैंग्वेज को लेकर कॉन्शस रहते हैं, इनमें अपना एक स्टाइल होता है ताकि कहीं से यह न लगे कि उनमें चलने-बोलने, उठने-बैठने या खाने-पीने की तमीज नहीं है। व्यवस्थित रहना, सजग रहना, स्मार्ट दिखना और स्टाइल की छाप छोड़ना, आज के यंगस्टर्स की खास खूबी बन चुकी है।

जीते हैं मैनेज्ड-कंफर्टेबल लाइफ

युवाओं की जितनी व्यवस्थित जिंदगी परिवार के साथ होती है, लगभग उतनी ही व्यवस्थित जिंदगी वह अकेले में भी बिताते हैं। इसका अंदाजा उनके अकेले के समृद्ध रहन-सहन से भी लगाया जा सकता है। आज का तेजी से कमाने वाला युवा सिर्फ अच्छी ड्रेसेस भर नहीं पहनता, न ही वह पार्टियों में जाने के लिए उत्सुक रहता है। सच्चाई तो यह है कि वह अपने घर में भी पूरे सुख-सुविधाओं के साथ रहता है। बेंगलुरु में अकेले रहने वाले 70 फीसदी से ज्यादा युवा अपना किराए का फ्लैट लेकर रहते हैं, जिसमें वह या तो अकेले या अपने किसी एक दोस्त के साथ शेयर कर रहे होते हैं। इनके फ्लैटों में वो तमाम सुख-सुविधाएं मौजूद होती हैं, जो एक जमाने में एक दशक का दांपत्य जीवन गुजार चुके जोड़ों के यहां होता था। मसलन टीवी, रेफ्रिजरेटर, शानदार किचेन और किचेन में तमाम तरह के इस्तेमाल होने वाले उपकरण। खाने-पीने में भी आज के युवाओं की रुचियां विस्तृत हैं।

रिलेशन-प्रोफेशन में प्रैक्टिकल सोच

आज 81 फीसदी युवक और 76 फीसदी युवतियां, किसी से यह कहने में जरा भी नहीं हिचकते कि उन्हें वह अच्छा लगता है या अच्छी लगती है, जबकि पिछली सदी के 80 और 90 के दशक में ऐसी हिम्मत जुटा पाना बहुत कम युवाओं के ही बस में होता था। आज बड़ी तादाद में ऐसे युवा एक साथ दो पार्टनर के साथ डेटिंग कर रहे होते हैं और बिना किसी अपराधबोध में आए बड़ी सहजता से दो शख्सियतों के बीच जरूरी तुलना कर रहे होते हैं। फिर सोच-समझकर वह किसी एक के साथ बिना किसी संकोच के रिलेशन बनाए रखने का डिसीजन करते हैं। यही नहीं जिसके साथ रिलेशन बनाए रखने में इन्हें जरा भी अनकंफर्ट फील होता है, उससे ब्रेकअप करने में देर भी नहीं करते हैं।

आज के युवाओं की बातचीत में एक ठहराव और मैच्योरिटी दिखती है। साथ ही उनमें तमाम व्यावहारिक बदलावों ने अपनी जगह बनाई है, जैसे-आज के युवा 61 फीसदी से ज्यादा मौकों पर किसी से मिलने के लिए उसके वर्कप्लेस पर ही जाना पसंद करते हैं ताकि छुट्टी होने के बाद के समय को काम-काज संबंधी रूटीन मीटिंग्स में न वेस्ट किया जाए। व्हाइट कॉलर जॉब बढ़ने के कारण युवाओं में एक विशेष किस्म का आत्मविश्वास बढ़ा है। आज व्हाइट कॉलर जॉब करने वाले लगभग 90 फीसदी से ज्यादा युवाओं के पास अपना लैपटॉप होता है, जिससे वे न सिर्फ अपने विस्तृत संपर्कों की दुनिया से लगातार जुड़े रहते हैं बल्कि मनोरंजन और अपनी दूसरी भावनात्मक जरूरतों को भी इसके जरिए पूरा करते हैं।

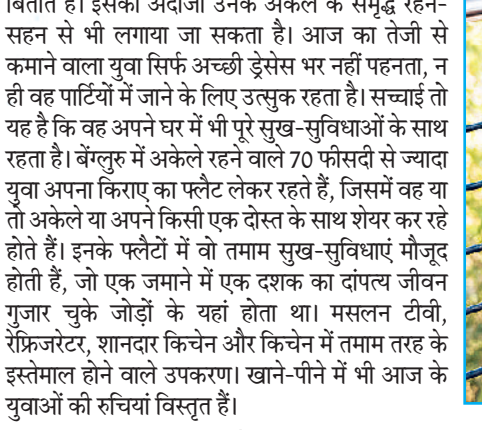

टेक्नो-ट्रेडिशन का कॉम्बिनेशन

आज का युवा कुछ दशक पहले के युवाओं से भिन्न जहां भी जाता है, अपने घर-परिवार के वैल्यूज और ट्रेडिशंस को नहीं भूलता है। आज का युवा एक तरफ जहां इंटरनेट के जरिए पूरी दुनिया से जुड़ा है, साइबर नेटवर्किंग के चलते जहां उसकी सोच, समझ और परिचय के दायरे में पूरी दुनिया आ गई है, वहीं उसमें अपनी जड़ों को जानने और परंपराओं को समझने की भी ललक बढ़ी है। यही वजह है कि आज का युवा पहले के मुकाबले घर से दूर रहने पर भी न तो विद्रोही बनता है और न घर-परिवार को भूल जाता है। सच, युवाओं के अकेले की दुनिया कभी भी इतनी शानदार नहीं थी। *

नहीं चूकते एंज्वॉयमेंट का चांस

आज के युवाओं की दुनिया, इनके काम-काज के ढंग, इनकी लाइफस्टाइल में तड़क-भड़क ने किस तरह से इंट्री की है, इसका अंदाजा जीवनशैली उजागर करने वाले कुछ सर्वेक्षणों को देखकर लगाया जा सकता है। दिल्ली और मुंबई में हुए एक सर्वे के मुताबिक इन शहरों के 77 फीसदी से ज्यादा युवा अकेले रहने को अभिशाप नहीं मानते। अकेले रहने पर भी ये अपने दोस्तों के साथ पार्टियां मिस नहीं करते। वीकेंड पर अपने कुलीग्स या फ्रेंड्स के साथ डिनर या हैंगआउट करने का मौका कभी नहीं छोड़ते। यानी आज के युवा एंज्वॉयमेंट का कोई भी चांस नहीं चूकते हैं।

तेजी से बदलती दुनिया में बदलता पीढ़ियों का नजरिया

यह सही है कि हर पीढ़ी का दुनिया देखने का अलग नजरिया होता है। इसकी वजह है, पीढ़ी के साथ दुनिया भी बदल जाती है। लेकिन आज के दौर में रहने वाली कुछ पीढ़ियां जिन अभूतपूर्व बदलावों की साक्षी रही हैं, वो अपने आप में अचरजकारी है।

{ बदलाव / लोकमित्र गौतम }

हर इंसान की यह फितरत होती है कि वह अपने दौर को किसी दूसरे दौर से अलग और बेहतर साबित करने की फिराक में रहता है। जो लोग वाई जनरेशन, जेड जनरेशन, मोबाइल जनरेशन और डिजिटल जनरेशन जैसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं करते, वो लोग भी आपको बातचीत में यह कहते मिल जाएंगे कि मौजूदा जनरेशन से हमारी जनरेशन ज्यादा समझदार, ज्यादा मेहनती और कम संसाधनों पर बड़ी-बड़ी कामयाबियां पाने वाली रही है। लब्बोलुआब यह कि इंसान बड़ी खूबसूरती से अपने आगे और पीछे की पीढ़ियों को अपने से तुलना करने के लिए कोई न कोई रास्ता निकाल ही लेता है और बिना शक कोई भी पीढ़ी यह मानने को तैयार नहीं होती कि वह अपनी पिछली पीढ़ियों या अगली पीढ़ियों से कम समझदार, कम मेहनती या कम संघर्ष झेलने वाली पीढ़ी है। हर पीढ़ी खुद को ही सबसे ज्यादा आधुनिक विचारों से भरपूर भी मानती है।

पीढ़ियों के नजरिए पर हुए अध्ययन: दशकों से अमेरिका का प्यू रिसर्च सेंटर विभिन्न किस्म के सामाजिक पहलुओं की परख अपने सर्वेक्षणों के जरिए करता रहा है और अब यह संस्थान अलग-अलग जनसांख्यिकीय समूहों को अलग-अलग उपभोग के नजरियों के आधार पर वर्गीकरण करता है। अपने इस वर्गीकरण को दस्तावेज की शक्ल प्रदान करके हर पीढ़ी को दूसरी पीढ़ी से अलग जानने, समझने का नजरिया प्रदान करता है। वास्तव में अलग-अलग पीढ़ियां दुनिया को उसके समय और परिवेश में चिन्हित करने के लिए, उनके जीवन जीने के ढंग, मान्यताओं, आपस में व्यवहार करने के तौर-तरीकों और भविष्य के प्रति साझे या बहुसंख्यक विचारों के जरिए पहचानते हैं। लगभग हर पीढ़ी का यह विश्लेषणात्मक नजरिया होता है कि दुनिया के आगे बढ़ने के क्रम में उनका दौर सबसे व्यावहारिक नजरिया रखता है। इसलिए प्यू रिसर्च सेंटर के अध्यक्ष माइकल डिमोक कहते हैं कि हर पीढ़ीगत समूह, शोधकर्ताओं को अपने समय के साथ अपने विचारों में होने वाले परिवर्तनों के जरिए भिन्नता स्थापित करने का आधार प्रदान करते हैं।

सर्वाधिक बदलावों की साक्षी वाई जनरेशन: प्यू रिसर्च सेंटर पिछले एक दशक से भी अधिक समय से मिलेनियल जनरेशन (जिसे वाई जनरेशन भी कहते हैं) का अध्ययन कर रहा था और साल 2018 तक आते-आते उसे यह स्पष्ट भान हो गया कि यह वह जगह है, जहां अगली (जेड जनरेशन) पीढ़ी और मिलेनियल पीढ़ी के बीच कट ऑफ प्वाइंट निर्धारित होता है। कहने का मतलब यह कि सन 80 से चिन्हित हो रही यह जनरेशन साल 2018 में 38 वर्ष की हो गई और इस तरह इस पीढ़ी के सबसे बुजुर्ग सदस्य मिलेनियल वयस्कता में प्रवेश कर चुके हैं। आज जो जेड जनरेशन यानी इक्कीसवीं सदी में जन्मी पीढ़ी, इसे अपनी पूर्वज पीढ़ी मान रही है, उसके सामने यह मिलेनियल जनरेशन ऐसी पीढ़ी है, जो अपने आपमें एक नहीं दो पीढ़ियों के स्वभाव को समेटे हुए है। मिलेनियल जनरेशन अब तक के इतिहास की पहली वह पीढ़ी है, जिसके पास सबसे ज्यादा विचार, विविधता और अनुभव हैं। यह पीढ़ी ऐसी पीढ़ी है, जिसके पास चमत्कारिक डिजिटल टेक्नोलॉजी के अनुभव हैं, तो विस्तृत रूप से व्यावहारिक उपभोक्तावादी पीढ़ी की प्रतिनिधि पीढ़ी भी यही है। दुनिया की यह पहली ऐसी पीढ़ी है, जिसने शारीरिक रूप से स्वस्थ और मानसिक रूप से उर्वर रहते हुए एक दौर से दूसरे दौर में प्रवेश किया है, और दोनों की ही अलग-अलग खूबियों से न केवल अच्छी तरह से परिचित है बल्कि इन दोनों की जबर्दस्त जानकार भी है। यह मिलेनियल पीढ़ी ही है, जिसने पहली बार भूमंडलीकरण को हावी होते देखा। यही वह पीढ़ी है, जिसने पहली बार समय, दूरी और स्पेस को एक-दूसरे में गड्डमड्ड होते देखा। यह मिलेनियल्स पीढ़ी बेहद बेचैन और अथाह किस्म के उमड़-घुमड़ रहे विचारों में हमेशा डूबती-उतरती रहती है। मिलेनियल जनरेशन अब तक की सबसे फ्यूजन जनरेशन है, जिसे अपने से पुरानी पीढ़ी के साथ ही जेड जनरेशन के विचारों, धारणाओं और कल्पनाओं से भी टकराना पड़ा है। साथ ही मजबूत रिश्ता भी बनाकर रखना पड़ा है।

तकनीक के संग पली-बढ़ी जेड जनरेशन: एक जमाना था, जब हवाई जहाज दूरियों को कम करने वाली सबसे बड़ी तकनीक थी। लेकिन 21वीं सदी में इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी ने एक ऐसी पलक झपकती 'क्लिक डिस्टेंस' की अवधारणा प्रस्तुत की है कि आदमी पलक झपकाकर एक झटके में एक दौर से दूसरे दौर में पहुंच जाता है। ऐसे में तकनीक की उच्चतम प्रगति के साथ पली-बढ़ी जेड जनरेशन का नजरिया वाई जनरेशन से भी अलग होना स्वाभाविक है। यह भी देखा जा रहा है कि जेड जनरेशन, अब तक के इंसानी विकास और सभ्यता को डिजिटल में तब्दील करके अर्थहीन और मशीनीकृत कर रही है।

परिवर्तन से भरी पीढ़ियों का दौर: वैसे यह मानव इतिहास का पहला ऐसा दौर है, जब एक साथ एक नहीं, कई पीढ़ियां रह रही हैं, जो एक ही दौर में अपने-अपने तरीकों और विचारों से दुनिया को देख रही हैं। फिर भी अलग-अलग पीढ़ियों के चश्मे से दुनिया को देखना न केवल हैरतअंगेज ढंग से मनोरंजक है बल्कि इंसानी सोच की खूबसूरत विविधता का गुलदस्ता भी है। *

{ कविता / देवांशु }

बर्फ का गोला

चिलचिलाती धूप में
रेलवे स्टेशन के बाहर
पेड़ के नीचे
बेचता है जकलाराम
ठेले पर बर्फ का गोला
जब आती है टेरेन स्टेशन पर
लगाता है ऊंची आवाज
लोग चले आते हैं
उसके ठेले के पास
वह घिसता है बर्फ
लकड़ी के औजार पर
पसीने से भीगता है
उसका बनियान
भरता है वह कांच के गिलास में
बर्फ और डालता है मीठा रंग
लाल, पीला, हरा
बर्फ की खुरचन पर
फिर लकड़ी की काठी में सहेज कर
देता वह प्यार से लोगों को।
इस भीषण गर्मी में
मीठे बर्फ का गोला
देता है थोड़ी सी राहत
सिर्फ पांच रुपए में
और जकलाराम को दो वक्त की रोटी।

{ लघुकथाएं }

अपशकुनी

सब्जी मंडी में अधिकांश सब्जी वालों ने अपनी दुकानें सब्जी मंडी के बाहर सड़क पर लगा रखी थीं। इन दुकानदारों से दूर हटकर एक महिला सब्जी की दुकान लगाकर बैठी थी। उसके पास कोई ग्राहक सब्जी खरीदने नहीं जा रहा था। दीनानाथ जी सब्जी मंडी की सभी दुकानों को पार कर उस महिला के पास सब्जी खरीदने पहुंचे। महिला ने दो-तीन तरह की सब्जी तोल कर उनकी थैली में डाल दीं, ऊपर से कुछ धनिया भी डाल दी। दीनानाथ जी उसके कहे अनुसार पैसे देकर जैसे ही चलने को हुए तो महिला ने उन्हें रोका, वह अपनी जगह से नीचे उतर कर आई, भरी आंखों से उसने दीनानाथ जी के चरण छू लिए। वह कुछ समझ नहीं पाए, हकबका कर बोले, 'अरे! पैर क्यों छू रही हैं...?'

'कुछ नहीं साहब, सुबह से बैठी हूं। दोपहर होने को है, कोई सब्जी खरीदने नहीं आया, आप पहले ग्राहक हैं। आपने मोल-भाव भी नहीं किया। तोल के बारे में भी कुछ नहीं कहा, सब्जी खरीद ली पैसे भी पूरे दे दिए।' महिला बहुत भावुक होकर बोली। 'तो क्या हुआ, लेकिन तुम अकेली ही ऐसी दुकानदार हो, जो सब्जी मंडी में सबके साथ नहीं बैठकर अलग बैठी हो। अगर सभी सब्जी वालों के बीच बैठतीं तो ग्राहक की पहुंच आसान होती।' दीनानाथ जी बोले। 'नहीं साहब, ये लोग अपने साथ बैठने नहीं देते। मेरे पति की लंबी बीमारी से मृत्यु होने के बाद मेरा लड़का सब्जी बेचता था। जिंदगी से परेशान होकर उसने भी एक दिन फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जैसे-तैसे दोनों की मृत्यु के दुख से निकली और खर्चा चलाने के लिए सब्जी की दुकान संभाली तो इन सब सब्जी वालों ने मुझे अपशकुनी कह वहां अपने साथ बैठने नहीं दिया। इसलिए यहां अलग बैठना पड़ता है। शाम तक कुछ औरतें सब्जी खरीदने यहां तक आ जाती हैं, उससे अपना काम निकल जाता है।' दीनानाथ जी को यह सुनकर बहुत दुःख हुआ। वह अंधविश्वासी सब्जी बेचने वालों को समझा कर कोई बखेड़ा खड़ा करना नहीं चाहते थे। दीनानाथ जी उस महिला से बोले, 'हिम्मत रखो, धीरे-धीरे सब ठीक हो जाएगा।' दूसरे दिन दीनानाथ ने उस महिला के सब्जी के मुनासिब दाम लेने और ईमानदारी से तोल करने की प्रशंसा कर अपने सभी साथियों, पड़ोसियों से उसके यहां से सब्जी खरीदने के लिए प्रेरित किया। देखते-देखते उस सब्जी बेचने वाली महिला की दुकान अच्छी चलने लगी। अन्य दुकानदार, जो उसे अपशकुनी कह उसे अपमानित करते थे, अब उसको सम्मान देने लगे। *

-भगवती प्रसाद गेहलोत

दिहाड़ी

रोजाना की तरह पुरानी चुंगी पर मजदूरों की भीड़ जमा थी। एक साहब दो-चार मजदूरों को दिहाड़ी पर लेने आए थे। उन्होंने भीड़ देखकर अपनी गाड़ी साइड में लगा ली। गाड़ी के पास कुछ मजदूर आकर बोलने लगे, 'बाबूजी... हमें ले चलिए.. बाबूजी... हमें ले चलिए...!' लेकिन साहब थे कि किसी की कुछ सुन ही नहीं रहे थे।

बगल वाली सीट पर बैठी साहब की पत्नी ने पूछा, 'इतने मजदूर हैं, इनमें से ले क्यों नहीं चलते, काम में देरी हो रही है।'

'आधे घंटे और रुक जाओ फिर ले चलेंगे, तीन की दिहाड़ी पर चार मजदूर मिल जाएंगे...।' साहब हल्की-सी मुस्कान मारते हुए बोले।

'तीन की दिहाड़ी में...चार...! मैं कुछ समझी नहीं?' पत्नी ने पूछा।

साहब पहले 'ही-ही' करके हंसे फिर बोले, 'आधे घंटे में जिनको काम मिलना होगा मिल जाएगा, इसके बाद बाकी के मजदूर निराश होकर घर लौटने की तैयारी में लग जाएंगे, तब मैं चार सौ रुपए की दिहाड़ी लेने वाले मजदूरों को तीन-तीन सौ में ले जाऊंगा। बेचारों के लिए घर लौटने से तो अच्छा है, तीन सौ रुपए की कमाई हो जाए।'

उसी समय साहब का मोबाइल फोन बज उठा, 'सुमेश जी... आप अगले महीने से कंपनी में मत आइएगा। मालिक ने कहा है कि आप जितनी सैलरी अकेले ले रहे हैं, उतनी ही सैलरी में तीन इंजीनियर आने को तैयार हैं, वे सभी आपसे ज्यादा पढ़े-लिखे हैं, अनुभवी हैं...।' साहब कुछ बोलते उससे पहले फोन कट गया। *

-गोविंद भारद्वाज

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

दक्खिन टोला की कविताएं

करीब बाइस वर्षों बाद दोबारा छपकर आए अंशु मालवीय के चर्चित कविता संग्रह 'दक्खिन टोला' की कविताओं को पढ़ना, भावनाओं और संवेदनाओं से भरी गलियों में फिर से गुजरने जैसा है। इतना समय गुजरने के बाद भी ये कविताएं कहीं से भी अप्रासंगिक नहीं लगतीं। 'तुलसी चीखे/एक मर्मांतक चीख/जैसे पेड़ चीखते हैं/लकड़ियों से सलीब बनता देखकर।'(चीख) जैसी पंक्तियां किसी भी संवेदनशील पाठक को विचलित कर सकती हैं। तो वहीं 'हमें अपनी उम्मीदों के लिए/बहुत सारी उम्मीदों के खिलाफ लड़ना होगा।' (उम्मीदों के खिलाफ) जैसी कविता, एक बेहतर दुनिया के निर्माण का आह्वान करती भी मिलती है। *

पुस्तक: दक्खिन टोला (कविता संग्रह), **लेखक:** अंशु मालवीय, **मूल्य:** 299 रुपए, **प्रकाशक:** लोकभारती पेपरबैक्स, प्रयागराज

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से।
हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-

- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com
हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

खबर संक्षेप

महिला टॉयलेट छह महीने से बंद, नोटिस

भोपाल। मप्र मानव अधिकार आयोग ने कोलार क्षेत्र में स्थित सामुदायिक स्वाास्थ्य केंद्र में महिला टॉयलेट के छह महीने से बंद पड़े होने के मामले में संज्ञान लिया है। मामले में आयोग ने मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि तत्काल जांच कराकर कोलार सीएचसी में महिला शौचालय की स्वच्छ एवं सुरक्षित उपलब्धता की व्यवस्था सुनिश्चित कराए जाने के सम्बन्ध में एक सप्ताह के भीतर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। तब तक वैकल्पिक मोबाइल शौचालय की व्यवस्था की जाए।

पंचायतों के लिए बनाई जाएगी विकास योजना

भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, मनरेगा, प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, सहित विभिन्न योजनाओं के तहत आवंटित बजट एवं बजट प्रावधानों में की गई वृद्धि के संबंध में विस्तृत चर्चा की। मंत्री पटेल ने मंत्रालय में ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों के साथ विभागीय बजट पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि नगरीय क्षेत्रों से जुड़ी पंचायतों के समग्र विकास के लिए व्यापक विकास योजना तैयार की जाना महत्वपूर्ण है। पंचायतों में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिले, इसके लिए भी नए सिरे से कार्य शुरू करना होगा। हमें विकास के साथ साथ पर्यावरण संरक्षण को अपनी योजनाओं में केंद्रित करना होगा।

मतगणना: पीसीसी में बनेगा कंट्रोल रूम

भोपाल। लोकसभा चुनाव के चुनाव परिणाम के लिए चार जून को मतगणना होगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मप्र के लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशियों, जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों से पत्र लिखकर कहा है कि कहीं न कहीं मतदान के बाद मतों की संख्या में बढ़ोत्तरी जरूर कुछ न कुछ अनियमितताओं की आशंका जाहिर करती है।

सुमित कुमार आंगरा (पश्चिमी दिल्ली) इलाके में मतदान करके अंगुली पर प्रतीक चिन्ह दिखाकर ख़ुशी जाहिर करते हुए

'एससी-एसटी और ओबीसी का आरक्षण मुस्लिमों को देना चाहती है कांग्रेस'

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तेलंगाना के हनमकोंडा-वारंगल में प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव कांग्रेस और बीआरएस पर जमकर हमलावर हुए। उन्होंने कहा कि बीआरएस के चन्द्रशेखर राव की पुत्री दिल्ली शराब घोटाले में जेल में हैं। ताज्जुब तो यह है कि तेलंगाना को लूटने से मन नहीं भरा था तो दिल्ली जाकर दूसरी भ्रष्ट पार्टी आप के साथ शराब घोटाले में बीआरएस शामिल हो गई।

झारखंड के मुख्यमंत्री जेल में हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री जेल हो आए हैं और जमानत पर हैं। दिल्ली शराब घोटाले की आरोपी बीआरएस की कविता भी जेल में हैं। कांग्रेस का राज परिवार तो जमानत पर है ही।

खास बातें

- डॉ. यादव ने कहा-झारखंड के मुख्यमंत्री जेल में हैं, बीआरएस की कविता भी जेल में है
- सीएम ने कहा कांग्रेस और बीआरएस के नेता भ्रष्टाचार के दल-दल में आकंठ तक डूबे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने तेलंगाना के हनमकोंडा-वारंगल में प्रबुद्धजन सम्मेलन में कांग्रेस और बीआरएस पर बोला हमला

पीएम मोदी ने भारत को दुनिया में महाशक्ति बनाया

पूरी दुनिया में भारत को महाशक्ति के रूप में स्थापित करने का काम प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने किया है। भारत की शक्ति, सामर्थ्य और सांस्कृतिक वैभव आज पूरी दुनिया देख रही है। मोदी सरकार नेशन फर्स्ट के सिद्धांत से चलती है, जबकि कांग्रेस और बीआरएस, फ़ैमिली फ़र्स्ट के सिद्धांत को सर्वोपरि रखते हैं। आज हालत ये है कि दशकों तक देश की संपदा को लूटने वाले और आपका हक मारने वाले भ्रष्टाचारी नेता दिन-रात ईडी-सीबीआई का रोना रोते रहते हैं।

बीआरएस ने दो दशक से तेलंगाना को ठगा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस ने 50-60 साल तक पूरे देश को ठगा और बीआरएस ने पिछले दो दशक में तेलंगाना को। कांग्रेस और बीआरएस के नेता और उनकी सरकारें भ्रष्टाचार के दल-दल में आकंठ तक डूबी हैं। कांग्रेस का नया शिगूफा धर्म आधारित वोट जिहाद है। वोट के लिए कांग्रेस की ऐसी कुत्सित मानसिकता को आपको सिरे से उखाड़ फेंकना है। कांग्रेस दलित-पिछड़ों का आरक्षण कम करके मुस्लिमों को देना चाहती है। कांग्रेस के नेतृत्व में इंडी गठबंधन की सरकार बनी तो वो देश भर में कर्नाटक जैसा ही आरक्षण मॉडल लागू करेंगे, लेकिन मोदी जी गारंटी देते हैं कि दलित-पिछड़ों का आरक्षण न कभी खत्म होगा और न ही धर्म के नाम पर बंटेगा। सीएम डॉ. यादव ने कहा कि मैं बताना चाहूंगा कि केन्द्र में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने पर हम न केवल एसटी-एसी] ओबीसी का आरक्षण बरकरार रखेंगे, बल्कि इन वर्गों के आरक्षण में से कुछ राज्यों में मुस्लिमों को दिए गए आरक्षण को भी ख़त्म कर देंगे।

मध्यप्रदेश में किया नक्सलवाद का खात्मा

मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार ने नक्सलवाद का खात्मा कर दिया है। पीएम मोदी की सरकार अगले 5 साल में पूरे देश से नक्सलवाद के खात्मे के लिए प्रतिबद्ध है। पूंछ में आतंकियों ने हरकत की। हमने पहले भी देश के दुश्मनों को उनके घर में घुस कर मारा है और अब भी मारेंगे। दूसरी ओर इंडी गठबंधन को धिक्कार है जो जवानों के शौर्य और शहादत पर सवाल उठा कर उनका अपमान करते हैं।

अयोध्या में बना प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर

बहुमत का उपयोग हमने कश्मीर से धारा 370 हटाने, तीन तलाक हटाने, आतंकवाद मिटाने और सीएए लाने में किया है। राम मंदिर के निर्माण की आकांक्षा 500 साल से करोड़ों रामभक्त देख रहे थे। वो प्रतीक्षा पूरी हुई और पूरी दुनिया ने अयोध्या में रामलला के भव्य मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा देखी। दूसरी ओर पहले राम के अस्तित्व को ही नकारने वाले इन कांग्रेसियों ने प्राण प्रतिष्ठा के आमन्त्रण को ही ठुकरा दिया, जो राम के न हुए वे हमारे आपके क्या होंगें।

सीएम ने कृषि आदान की समीक्षा कर दिए निर्देश- कहीं भी कालाबाजारी की संभावना नहीं हो

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा- खरीफ के लिए सभी स्थानों पर पर्याप्त मात्रा में मिलना चाहिए उर्वरक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि खरीफ के लिए सभी स्थानों पर पर्याप्त मात्रा में उर्वरक मिलना चाहिए। कहीं भी कालाबाजारी की संभावना नहीं हो। पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र सरकार से निरंतर सम्पर्क किया जाए। उन्होंने कहा कि कृषकों को संतुलित उर्वरक एनपीके के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मंत्रालय में कृषि आदान की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने प्रदेश में यूरिया, डीएपी, एनपीक, एसएसपी और एमओपी उर्वरक की मांग, अब तक प्राप्त मात्रा तथा वितरण व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। बैठक में धान, कोदो, कुटकी, मक्का, ज्वार, बाजरा, उड़द, मूंगफली, सोयाबीन, कपास आदि के बीज की उपलब्धता की भी जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि फसल उपार्जन में अच्छी गुणवत्ता की पैदावार लाने वाले किसानों को सम्मानित व पुरस्कृत करने की प्रक्रिया भी शुरू की जाए। बैठक में मुख्य सचिव वीरा राणा, कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक बर्णवाल, प्रमुख सचिव सहकारिता दीपाली रस्तोगी तथा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

उर्वरता बनाए रखने के लिए प्राकृतिक खाद के उपयोग को पोत्साहन जरूरी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में प्राकृतिक खाद के उपयोग को बढ़ाने के लिए किसानों को प्रेरित किया जाए। बॉयो फर्टिलाइजर का उपयोग करने वाले किसानों की मदद के लिए व्यवस्था विकसित की जाए, जिससे कृषक ऑर्गेनिक उत्पाद लेने के लिए आगे आएं। पशुपालन-कम्पोस्टिंग को समन्वित करते हुए श्रीअन्न की उपज लेने के लिए भी किसानों को प्रेरित करने की आवश्यकता है। इससे फसल चक्र को संतुलित बनाए रखने में मदद मिलेगी और भूमि की उर्वरकता भी लंबे समय तक बनी रहेगी।

1. फसल उपार्जन में गुणवत्तापूर्ण पैदावार लाने वाले किसानों को सम्मानित व पुरस्कृत किया जाए
2. पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र सरकार से निरंतर सम्पर्क किया जाए
3. कृषकों को संतुलित उर्वरक एनपीके के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शैक्षणिक संस्थाओं में सकल नामांकन अनुपात में वृद्धि के लिए ली बैठक

शैक्षणिक संस्थाओं में कौशल उन्नयन और रोजगारमूलक पाठ्यक्रम शुरू हों

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी स्तर पर स्कूलों से छात्रों को जोड़े रखने और सकल नामांकन अनुपात का उच्च स्तर बनाए रखने के लिए कौशल आधारित पाठ्यक्रम शुरू करना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति की व्यवस्था अनुसार इस स्तर के विद्यार्थियों को क्षेत्र की जरूरत के अनुसार रेडीमेड गारमेंट, हॉर्टिकल्चर, कृषि आधारित कौशल और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों से जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को शैक्षणिक संस्थानों में सकल नामांकन अनुपात बढ़ाने के लिए प्रस्तावित कार्ययोजना की समीक्षा बैठक में बोल रहे थे। मंत्रालय में आयोजित बैठक में मुख्य सचिव वीरा राणा, प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा रश्मि अरूण शमी, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा संजय गोयल, प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य विभाग डॉ. ई. रमेश कुमार तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

छात्रवृत्ति वितरण में विलंब न हो: डॉ. मोहन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पढ़ाई में विद्यार्थियों की रूचि बढ़ाने के लिए शाला स्तर पर संवाद कार्यक्रम, विज्ञान मेले, विज्ञान यात्राएं और आओ-सीखो-जानो जैसी गतिविधियां संचालित करना आवश्यक है। स्कूल शिक्षा विभाग, मैपकॉस्ट, संस्कृति, पुरातत्व, पर्यटन विभागों के साथ मिलकर यह गतिविधियां संचालित करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सकल नामांकन अनुपात में वृद्धि के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों तथा शिक्षकों के साथ मिलकर कार्ययोजना बनाकर कार्रवाई की जाए। जनजातीय जिलों के छात्रावासों के वार्डन को पढ़ाने के कार्य में लगाया जाए और हॉस्टल व्यवस्था के संचालन के लिए प्रशासक संवर्ग विकसित किया जाए। उन्होंने कहा कि भविष्य में एक ही छात्रावास में सभी वर्ग के विद्यार्थियों के एक साथ रहने की व्यवस्था करने पर भी विचार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को मिलने वाली छात्रवृत्ति में किसी भी स्थिति में विलंब न हो।

पॉलिटेक्निक और इंजीनियरिंग कॉलेजों का आंकलन करें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की पॉलिटेक्निक संस्थाओं की ग्रेडिंग कर उनकी वास्तविक स्थिति का आंकलन करें। उनके उन्नयन की दिशा में सार्थक प्रयास हों। परम्परागत पाठ्यक्रमों के साथ-साथ वर्तमान की आवश्यकता के अनुसार पाठ्यक्रम शुरू किए जाएं। प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेजों में भविष्य की मांग और चुनौतियों के अनुसार अध्ययन, शोध व प्रशिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इंजीनियरिंग महाविद्यालयों को समन्वित रूप से डीम्ड विश्वविद्यालय बनाने की दिशा में भी प्रयास किए जाएं, स्वशासी स्वरूप होने से यह महाविद्यालय आत्मनिर्भर भी बनेंगे।

फॉरेंसिक साइंस-पायलट ट्रेनिंग जैसे पाठ्यक्रम शुरू करें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कॉलेज स्तर पर कृषि और फॉरेंसिक साइंस जैसे विषय प्रदेश की अधिक से अधिक संस्थाओं में शुरू किए जाएं। स्नातक स्तर पर कृषि विज्ञान के अध्ययन से क्षेत्रीय कृषकों और उनके खेतों को भी व्यवहारिक अनुभव के लिए जोड़ा जाए। जिन जिलों में हवाई पट्टियां हैं, वहां विश्वविद्यालयों और पॉयलेट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के समन्वय से पॉयलेट ट्रेनिंग का प्रशिक्षण भी शुरू किया जा सकता है। पैरामेडिकल से संबंधित रोजगारमूलक पाठ्यक्रम भी विश्वविद्यालय संचालित करें।

5 से 15 जून तक चलेगा पेयजल संवर्धन अभियान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 5 से 15 जून तक पेयजल संवर्धन अभियान चलाया जाएगा, जिसके तहत पेयजल स्त्रोतों की स्वच्छता, साफ-सफाई के लिए गतिविधियाँ संचालित की जाएंगी। सामाजिक उत्तरदायित्व का बोध विकसित करने के उद्देश्य से प्रदेश के समस्त शैक्षणिक संस्थाओं के विद्यार्थियों को इन गतिविधियों से जोड़ा जाए।

आरटीआई के आवेदनों की जानकारी भेजने में आनाकानी कर रहे जिले

भोपाल। सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत स्कूल शिक्षा विभाग के जिला स्तर पर जिला शिक्षा केंद्रो में पहुंचने वाले आवेदनों का ब्यौरा देने में जिले के अधिकारी आनाकानी कर रहे हैं। प्रदेश के 29 जिलों को आदेश जारी करने के बाद भी अब तक सिर्फ 20 जिलों द्वारा जानकारी राज्य शिक्षा केंद्र भेजी गई है। बाकी 9 जिलों से जानकारी नहीं आने पर आरएसके ने इन्हे फटकार लगाई है। जानकारी नहीं भेजने वाले जिलों में भिंड, आगर मालवा, इंदौर, झाबुआ, अलीराजपुर, होशंगाबाद, नरसिंहपुर, सिवनी और रीवा शामिल हैं। आरएसके लोक सूचना अधिकारी एवं सहायक संचालक रमाकांत तिवारी ने अब इन जिलों को अल्टीमेटम जारी करते हुए कहा है कि 27 मई तक अनिवार्य रूप से निर्धारित प्रपत्रों पर जानकारी मुख्यालय भेजे।

होशंगाबाद रोड पर खंभे लगाने का कार्य शीघ्र करने के निर्देश

भोपाल। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने बीआरटीएस कॉरिडोर को हटाने के बाद अब डिवाइडर निर्माण व विद्युत खंभों को लगाने के साथ ही सड़क को ठीक करने का निर्देश दिया है।

आयुक्त ने शहर के उन हिस्सों का निरीक्षण किया, जहां से बीआरटीएस कॉरिडोर हटाया गया है। निगम आयुक्त ने सेंट्रल वर्ज में मिट्टी एवं आकर्षक पौधे लगाने विद्युत पोल पर लाइट चालू कराने, ट्रैफिक सिग्नल्स शिफ्ट कराने प्रत्येक चौराहे पर हाईमास्ट लाइट लगाने, बस स्टॉप की सामग्री उठवाने, बैरीकेट्स को व्यवस्थित ढंग से रखने एवं रेडियम लगाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त पवन सिंह, अधीक्षण यंत्रीद्वय आरके सक्सेना व सुबोध जैन सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

बेलपोच्चा के जंगल व पहाड़ियों में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, एक नक्सली ढेर

सर्चिंग में बड़ी मात्रा में विस्फोटक व अन्य सामग्री बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ पुलिस फोर्स का ऑपरेशन जारी है। शनिवार को सुकमा जिले के ग्राम बेलपोच्चा के जंगल और पहाड़ियों में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में जवानों ने एक नक्सली को मार गिराया। सर्चिंग करने पर एक अज्ञात नक्सली का शव, शव के पास एक नग हथियार, बड़ी मात्रा में विस्फोटक और अन्य नक्सली सामग्री बरामद की गई है। फिलहाल मारे गये नक्सली की शिनाख्तगी नहीं हो पाई है।

रुक-रुककर अभी भी मुठभेड़ जारी

सुकमा एसपी किरण चौहान ने बताया कि रुक-रुककर अभी भी इलाके में मुठभेड़ जारी है। मुठभेड़ पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी लगातार नजर बनाए हुए हैं। 26 मई को नक्सलियों ने बंद का आह्वान किया है, जिसको देखते हुए सुरक्षा बलों ने इलाके में ऑपरेशन तेज कर दिया है। घने जंगलों में माओवादियों के जमावड़े की सूचना मिली थी।

डिज्नीलैंड मेले में व्यापार करने आए तीन लोगों की संदिग्ध हालत में मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

उत्तर प्रदेश से छत्तीसगढ़ के कोरबा आए व्यापारियों में से तीन लोगों की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। उन्होंने कोरबा में चल रहे डिज्नीलैंड मेले में दुकान लगाई हुई थी। वे रात में खाना खाकर सोए थे।

बताया जा रहा है कि उन्होंने खुद भोजन तैयार किया था, जिसके बाद वे सो गए। आधी रात को उन्हें उल्टी और दस्त होने लगे। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां तीन लोगों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, 12 वर्षीय सोहेल खान 28 वर्षी अनिल कुमार पांडे और 21 वर्षीय समीर खान की मौत हो गई। मौत का कारण फूड प्वाइजनिंग को बताया जा रहा है। सहकर्मी रियाज खान ने बताया कि रात लगभग 12 बजे मेला खत्म होने के बाद सभी अपने-अपने कमरे में खाना खाने चले गए। सुबह उठने पर जानकारी मिली कि 28 वर्षीय अनिल कुमार पांडे, 21 वर्षीय समीर खान और 12 वर्षीय सोहेल खान की तबीयत बिगड़ गई है अचानक पेट दर्द और उल्टी से परेशान हैं।

बेरला के बारूद फैक्ट्री में धमाका 8 लोगों की मौत, कई मलबे में दबे

दर्जनों लोग घायल, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बेमतरा

छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में शनिवार को बड़ा घटना हुई। यहां बेरला के बारूद फैक्ट्री में धमाका हुआ है। धमाके में आठ लोगों की मौत की पुष्टि हो गई है। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। प्रशासन की टीम रेक्स्यू कर रही है। दर्जनों लोग घायल हुए हैं, जिनको अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, बेमेतरा जिले के बेरला ब्लॉक अंतर्गत ग्राम बोरसी स्थित बारूद फैक्ट्री में धमाका हुआ है। घटना शनिवार सुबह की है। बारूद फैक्ट्री में ब्लास्ट की आवाज कई किलोमीटर तक सुनाई दी। जहां पर विस्फोट हुआ, वहां पर बहुत बड़ा गड्ढा बन गया। इससे आस-पास के गांव के लोग हड़कंप मच गया है। वहीं देखने वालों की भीड़ भी लग गई है।

जहां पर विस्फोट हुआ, वहां पर बहुत बड़ा गड्ढा बन गया

तीन घंटे के बाद रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची

घटना के तीन घंटे के बाद रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। घायलों को रायपुर के मेकाहारा अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं रायपुर के अलग-अलग निजी अस्पतालों में भी मरीजों को भर्ती कराया गया है। बेमेतरा कलेक्टर ने बताया कि मौके पर एसडीएम पहुंचे हैं कुल कितने लोग घायल हुए हैं अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। कई लोग मलबे में दबे हुए हैं। उन्हें निकालने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि जहां पर ब्लास्ट हुआ है वहां पर 15 से 20 लोग काम करते हैं। कंपनी में बारूद का काम होता था। ब्लॉस्ट के बाद कर्मचारी बाहर की तरफ भागे। वहीं फैक्ट्री का मलबा यानी सीमेंट के टुकड़े दूर तक गिरे हैं। कुछ लोग मलबा में दबे होने की आशंका है।

सीएम साय ने दिए घटना की जांच के आदेश

सीएम साय ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि बारूद फैक्ट्री में हुए विस्फोट मामले के दंडाधिकारी को जांच के आदेश दे दिए गए हैं। दुर्घटना में हुई मौत पर मृतक के परिजनों को पांच लाख रुपये और घायलों को पचास हजार रुपए आर्थिक सहायता देने के आदेश भी दिया गया है। घायलों को समुचित इलाज के लिए रायपुर लाया जा रहा है। मौके पर राहत एवं बचाव कार्य की उच्चस्तरीय निगरानी की जा रही है।

प्रशासन की बड़ी लापरवाही का समितियों को उठना पड़ रहा खामियाजा

विजयनगर धान उपार्जन केंद्र में चार महीने बाद भी 1 करोड़ 54 लाख रुपए का धान खुले आसमान के नीचे रखा, हो रहा खराब

हरिभूमि न्यूज ⏭ बलरामपुर

बलरामपुर रामानुजगंज धान खरीदी के समय जिस प्रकार से प्रशासन ने सक्रियता दिखाई वहीं धान खरीदी के बाद उठाव में बड़ी लापरवाही के कारण महावीरगंज समिति के नए बने धान उपार्जन केंद्र विजयनगर में अभी भी 8500 बोरा धान जिसकी कीमत 1 करोड़ 54 लाख रुपए है खुले आसमान के नीचे है 4 महीने से लगातार धान के खुले आसमान के नीचे रहने का धान अब अंकुरित होने लगे हैं, जिसका खामियाजा समिति को उठाना पड़ेगा। वहीं सूखती जाने प्रत्येक बोरा 2 से 5 किलो की सूखती गया। लंबे समय तक खुले आसमान के नीचे लाखों क्विंटल धान के रहने से करीब करीब सभी समितियां में सूखती जा रही है, जिसे समितियां चिंतित है।

गौरतलब है कि 1 नवंबर से छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा धान खरीदी शुरू हुई वहीं 31 जनवरी तक धान खरीदी होना था परंतु शासन के द्वारा इसे बढ़ाकर 4 फरवरी तक किया गया। महावीरगंज समिति में 28 जनवरी तक धान का उठाव हुआ उसके बाद 63147 बोरी धान खुले आसमान के नीचे 5 मई तक रहा। लंबे समय तक खुले आसमान के नीचे रहने कारण करीब सभी बोरा में सूखती गया। इन तीन महीने से अधिक समय में कई बार बारिश हुई आंधी तूफान चला तेज धूप हुआ जिसका असर धान पर पड़ा। धान के बचाव के लिए तमाम तरीके समिति के लिए नाकाफी साबित हुए।

बफर लिमिट के बाद 72 घंटे में उठाव का होता है अनुबंध

सभी समितियां के द्वारा जिला विपणन अधिकारी बफर लिमिट के बाद 72 घंटे में धान उठाव का अनुबंध होता है, परंतु इसका भी पालन डीएमओ के द्वारा किसी भी समिति में नहीं किया गया। जिले 49 धान खरीदी केंद्रों के माध्यम से धान की खरीदी हुई थी।

कुछ ही दूरी में संग्रहण केंद्र था, जिसका नहीं किया उपयोग

विजयनगर धान खरीदी केंद्र से महज 1 किलोमीटर से भी कम दूरी में संग्रहण केंद्र 4 वर्ष पूर्व बनाया गया था, जहां पर्याप्त व्यवस्थाएं थी, यहां पर धान को सुरक्षित तरीके से रखा जा सकता था, परंतु यहां संग्रहण नहीं किया गया एवं विजयनगर धान खरीदी केंद्र में ही छोड़ दिया गया।

कांग्रेस जिनके साथ चुनाव लड़ रही वह उसके लिए भष्मासुर

हरिभूमि न्यूज ⏭रायपुर

इस चुनाव में नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और अन्य चुनावी मुद्दों पर वरिष्ठ पत्रकार राम बहादुर राय ने कहा कि 2024 का चुनाव इन्हीं के इर्दगिर्द ही है। देश की राजनीति में कांग्रेस को और मजबूती के साथ आगे आना चाहिए, लेकिन वो जिन दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है, वह उसके लिए भष्मासुर साबित होंगे। श्री राय ने कहा कि विपक्ष अभी भी कमजोर है। विपक्ष के पास तालमेल और मुद्दों की कमी है। तो समझिए कि भाजपा को 2024 के चुनाव में 2019 से ज्यादा सीटें मिल सकती हैं। उनसे ***हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी*** की हुई बातचीत के कुछ अंश प्रस्तुत हैं।

प्रश्न. तीन दशक के बाद भाजपा को 2014 में स्पष्ट जनादेश मिला। 2024 के चुनाव को कैसे देखते हैं।

उत्तर : 2014 के चुनाव को जनता ने लड़ा था, राजनीतिक पार्टियां पीछे रहीं। जब इसका चुनाव परिणाम आया तो यह संभावनाओं और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने वाला रहा। 2024 को चुनाव अब तक हुए 17 चुनावों में से अलग चुनाव है। 2019 के चुनाव में मोदी को की लोकप्रियता के के आधार पर लड़ा गया था। यह उसी प्रकार है जैसे 1957 के चुनाव को जवाहर लाल नेहरू की लोकप्रियता के आधार पर लड़ा गया। उनकी लोकप्रियता 1952 के चुनाव की आपेक्षा अधिक थी। 1962 में उनकी लोकप्रियता में कमी आई। वैसे ही 2024 के चुनाव में मोदी की लोकप्रियता की अपेक्षा उनकी उपलब्धियों के आधार पर लड़ा जा रहा है। उन्होंने कई क्षेत्रों में काम किया। उसे इस चुनाव में भुनाने का प्रयास किया जा रहा है। चुनाव में विपक्ष कमजोर है। पहले इसमें 24 पार्टियां थीं, अब 22 ही रह गई हैं। विपक्ष के पास मुद्दों और तालमेल की कमी दिखती है। 1977 को चुनाव लोकतंत्र की बहाली के लिए लड़ा गया था। विपक्ष के महागठबंधन में केजरीवाल और ममता ने नीतिश कुमार को कन्वेनर नहीं बनने दिया। उन्होंने खड़गे को कन्वेनर बना दिया। एक-दूसरे के प्रति अविश्वास के चलते विपक्ष का गठबंधन कमजोर हो गया। इस चुनाव में मोदी की इमेज ही काफी है।

भाजपा को मिलेंगी 2019 से ज्यादा सीटें

विपक्ष अभी कमजोर है। विपक्ष के पास तालमेल और मुद्दों की कमी है। तो समझिए कि भाजपा को 2019 से ज्यादा सीटें मिल सकती हैं। कांग्रेस अभी 44 सीटों पर है, उसे और मजबूत होना चाहिए।

प्रश्न. नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लड़े जा रहे, फिर चुनाव में दागियों के लिए कालिन क्यों बिछाए जा रहे, अशोक चौहान जैसे लोगों को टिकट देकर?

उत्तर : ऐस निर्णयों से भाजपा वाले परेशान होंगे। जो सवाल आप उठा रहे हैं, उसका संबंध धर्म से है। राजनीति में विजय सत्य होता है। धर्म में सत्य विजय होता है। यह अति आत्मविश्वास की राजनीति है। कांग्रेस 1 लाख गांवों तक नहीं पहुंची और भाजपा 6.50 लाख गावों तक नहीं पहुंची, लेकिन मोदी के विचार वहां तक पहुंचे हैं। 2004 में जो पार्टी 182 सीट लेकर आई थी तब भाजपा सोच नहीं सकती थी पूर्ण बहुमत आएगा। 2019 में भाजपा कार्यकर्ताओं में जो उत्साह था वैसा अभी नहीं दिखा, इसका दूसरा पक्ष है कि लोगों ने मन बना लिया है।

प्रश्न. जो कहा से किया का नारा देने वाली भाजपा ने विदेशों से कालाधन लाने, नोटबंदी से भ्रष्टाचार रोकने, किसानों की आय दोगुनी करने, सीमाओं की सुरक्षा रखने की बात कहीं, क्या यह हो पाया?

उत्तर : भाजपा का वादों के प्रति कमिटमेंट है। विश्वनाथ प्रताप सिंह जब पीएम बने थे तो उन्होंने बोफोर्स की जांच और भ्रष्टाचार से मुक्ति दिलाने का वादा किया था। 11 माह उनकी सरकार रही।

भ्रष्टाचार का राजनीतिकरण उनके समय में ही हुआ। मनमोहन सिंह के समय में ईडी और सीबीआई पीएमओ से नहीं 10 जनपथ से संचालित होते थे। कार्रवाई राजनीतिक रूप से तय होती थी। इस समय ईडी और सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियां स्वतंत्र होकर कार्रवाई कर रही हैं।

प्रश्न. चुनाव में हिन्दू-मुसलमान को लेकर कौन से राजनीतिक दल अधिक कर रहा है।

उत्तर : मेरा अनुमान है था कि इस चुनाव में संविधान ही प्रमुख मुद्दा होगा। जो व्यक्ति संविधान को संगित मानता है। संविधान बनाने के बाद सब भूल गए। मोदी के आने के बाद संविधान दिवस मनाना शुरू किया गया। मोदी ने तो जवाब दिया कि आप लोगों ने ही हिंदू-मुसलमान शुरू किया। मनमोहन सिंह की सरकार थी तब सच्चर कमेटी बनाई। यह 1940 में विभाजन के समय बनी कमेटी की तरह धार्मिक आरक्षण का समर्थन किया। रंगनाथन कमेटी बनी तो उसने भी इसका समर्थन किया। यह कांग्रेस के छलावे को बताती हैं। आज सपा की ताकत ही कांग्रेस की ताकत हो गई है। यह उनके लिए भस्मासुर साबित होंगी।

प्रश्न : राहुल गांधी जातीय आधारित जनगणना को लेकर आने की पुरजोर वकालत कर रहे हैं, आप इसे कैसे देखते हैं?

उत्तर : जातीय आधारित जनगणना के बारे में जो लोग जानते हैं कि मनमोहन सरकार के समय जातीय आधारित सर्वे कराया गया। सर्वे में पांच हजार करोड़ रुपये बरबाद किए गए। राहुल, राजीव गांधी के पुत्र हैं। जिस तरह से राजीव अपने सलाहकारों से चलते थे। उनके कारण ही वे कई जगह फंसे। उनकी हत्या भी उनके सलाहकारों के द्वारा गलत सलाह के चलते हुई। तमिलनाडु के गर्वनर ने उनको यहां न आने की सलाह दी थी। 56 की उम्र में आज राहुल से शादी कब करेंगे पूछ रहे हैं, तो जल्द शादी करने की बात कहते हैं। उनकी बातों की कोई प्रामाणिकता नहीं है।

प्रश्न : मोदी देश में अपने कार्यकाल में काम करने के लिए जाते हैं। केजरीवाल को दिल्ली के संदर्भ में कैसे देखते हैं?

उत्तर : आम आदमी पार्टी की चर्चा होती है, तो मैं सोचता हूं कि आम का जो गुण होता है उसे देखना चाहिए। आम जब कच्चा होता है तो लोग उसका चटनी पीसते हैं, आचार डालते हैं। जब पक जाता है तो उसे चूस कर खाते हैं। आज आम आदमी पार्टी की स्थिति वैसी ही है। आम अब जब पक गया है, तो ईडी उसे चूस रही है। पार्टी ने मोहल्ल सभा और जो बड़े वादे किए थे उनके खिलाफ जो सबूत हैं, वो अब सामने आ रहे हैं। स्वाति मालीवाल की उसकी एक शुरूआत है। केजरीवाल पार्टी के प्रयोग को पूरे देश में करना चाहते थे, उसके पहले ही फंस गए।

प्रश्नः यह चुनाव मोदी के कंधों पर लड़ा जा रहा है। 417 सीटों पर नारा लेकर लड़ रहे हैं। क्या मोदी का मजबूत होना देश के लिए फायदेमंद है?

उत्तर : इस चुनाव का नेतृत्व मोदी कर रहे हैं, भाजपा एक मजबूत संगठन है। पहले चुनाव में व्यक्तित्व का राजनीति में महत्व दिया जाता था। 2024 के चुनाव के पहले पीएम प्रोजेक्ट कर चुनाव लड़ा जाता था। भाजपा ने व्यक्ति केंद्रीय राजनीति नहीं की है।

प्रश्न : अब की बार 400 पार को लेकर क्या कहेंगे? कितनी सीटें भाजपा को मिल रही हैं? कांग्रेस कितनी मजबूत होगी?

उत्तर : 2019 से ज्यादा सीटें भाजपा को इस बार आएंगी। कांग्रेस अभी 44 सीटों पर है, उसे और मजबूत होना चाहिए। कांग्रेस को केरल से 14 सीटें मिली थी। बाकि सीटें पूरे देश से आई थी। कांग्रेस का मजबूत होना संसदीय लोकतंत्र के दो पहियों को चलने में अच्छी भूमिका निभा सकता है।

कांग्रेस ने खड़गे को नेतृत्व देकर अच्छा किया, लेकिन उन्हें विजूफा बना कर रख दिया। आज सपा की ताकत ही कांग्रेस की ताकत है। भाजपा में जेपी नड्डा ने अनेक बार निर्णय लेकर साबित किया कि वे स्वतंत्र रूप से काम करते हैं। अमित शाह ने भी उतनी ही स्वतंत्रता से अध्यक्ष रहते हुए काम किया।

देश किसी एक जाति, संप्रदाय, नस्ल, वर्ग, भाषा और जमात का नहीं है। यह देश हिन्दू-मुसलमान या जैन-बौद्ध अथवा सिख-जट या पारसी-ईसाई आदि का भी नहीं है। यह देश हर भारतवासी का है। यह देश दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों का भी है तथा अल्पसंख्यक, सवर्ण गरीबों का भी है। यह देश समस्त भारतीयों का है, लिहाजा सभी के दुख-सुख और हित में सोचना और नीतियां बनाना अनिवार्य है। विडंबना है कि इस बार के आम चुनाव में इस विविधता और व्यापकता पर कोई बहस नहीं की गई। सिर्फ मुस्लिम आरक्षण का मुद्दा सबसे अधिक गूंजता रहा है। बंगाल में कलकत्ता उच्च न्यायालय ने 77 जातियों के ओबीसी प्रमाण-पत्र और उनकी मान्यता खारिज की है। इस फैसले से 5 लाख से अधिक ओबीसी प्रमाण-पत्र रद हुए हैं। हमारे संवैधानिक पुरखों ने एक व्यवस्था 10 साल के लिए तय की थी, ताकि सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक विषमताएं समाप्त की जा सकें, लेकिन आज़ादी के 77 साल बाद भी वह 'संवैधानिक कृपा' बरकरार है। संविधान के मुताबिक धर्म के आधार पर आरक्षण संभव ही नहीं है, ऐसे में वोटबैंक के लिए अगर कोई दल मुस्लिमों के लिए आरक्षण की संरचना में छेड़छाड़ करता है तो यह संविधान की भावना के खिलाफ है। सीएम ममता बनर्जी ने सरेआम मंच से कहा है कि मुस्लिम आरक्षण जारी रहेगा। जो योजनाएं चल रही हैं, उनका फायदा ओबीसी आरक्षण के तहत मिलता रहेगा। वह अदालत का फैसला नहीं मानतीं। क्या यह अवमानना का अपराध नहीं है? वोट बैंक की यह राजनीति इसलिए भी की जाती रही है, क्योंकि मुसलमान मानसिकता के स्तर पर 'हिन्दू-विरोधी' हैं। धर्म के आधार पर आरक्षण का अवलोकन करता आजकल का यह अंक...

तुष्टिकरण के लिए आरक्षण असंवैधानिक

विश्लेषण

सुशील राजेश

वरिष्ठ पत्रकार

यह देश समस्त भारतीयों का है, लिहाजा सभी के दुख-सुख और हित में सोचना और नीतियां बनाना अनिवार्य है। विडंबना है कि इस बार के आम चुनाव में इस विविधता और व्यापकता पर कोई बहस नहीं की गई। सिर्फ मुस्लिम आरक्षण का मुद्दा सबसे अधिक गूंजता रहा है। विपक्ष का समवेत स्वर रहा कि मुसलमानों को आरक्षण जरूर देंगे। मुस्लिम आरक्षण की व्यवस्था कोई संवैधानिक न्याय नहीं है। मदद उसकी की जानी चाहिए, जो विपन्न, वंचित और निरक्षर हैं, चाहे उनकी जाति और समुदाय कुछ भी हो। मेरा ही नहीं, यह अधिकांश देश का विनम्र आग्रह हो सकता है कि तुष्टिकरण के खिलाफ कोई संवैधानिक व्यवस्था बनाई जानी चाहिए, लेकिन मौलिक अधिकार भी खंडित नहीं होने चाहिए।

यह देश किसी एक जाति, संप्रदाय, नस्ल, वर्ग, भाषा और जमात का नहीं है। यह देश हिन्दू-मुसलमान या जैन-बौद्ध अथवा सिख-जट या पारसी-ईसाई आदि का भी नहीं है। यह देश दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों का भी है तथा अल्पसंख्यक सवर्ण गरीबों का भी है। यह देश समस्त भारतीयों का है, लिहाजा सभी के दुख-सुख और हित में सोचना और नीतियां बनाना अनिवार्य है। विडंबना है कि इस बार के आम चुनाव में इस विविधता और व्यापकता पर कोई बहस नहीं की गई। सिर्फ मुस्लिम आरक्षण का मुद्दा सबसे अधिक गूंजता रहा है। विपक्ष के खेमे का लगभग समवेत स्वर रहा है कि मुसलमानों को आरक्षण जरूर देंगे। लालू यादव लालू यादव तो 100 फीसदी आरक्षण मुसलमानों को ही देने के पैरोकार हैं। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उच्च न्यायालय के फैसले के बाद सार्वजनिक ऐलान किया है कि मुस्लिम आरक्षण जारी रहेगा। प्रधानमंत्री मोदी लगातार पलटवार करते रहे हैं कि वह मुस्लिम आरक्षण लागू नहीं होने देंगे। जब तक वह जिंदा हैं, तब तक दलितों, आदिवासियों और ओबीसी का आरक्षण छिनने नहीं देंगे। प्रधानमंत्री चुनाव-प्रचार के दौरान यह मुद्दा शिद्दत से उठाते रहे हैं कि कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन के घटक दल वोट बैंक और मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करते आए हैं। उच्च न्यायालय का फैसला उनके गाल पर करारा तमाचा है।

धर्म पर आधारित आरक्षण 'संवैधानिक' नहीं

कलकत्ता उच्च न्यायालय की स्पष्ट व्याख्या है कि पश्चिम बंगाल में मुसलमानों या घुसपैठियों को ओबीसी बनाकर सूची में डाला गया और फिर आरक्षण सुनिश्चित कर 'वोट बैंक' तैयार कर लिया गया। न्यायमूर्ति तपब्रत चक्रवर्ती और न्यायमूर्ति राजशेखर मंथा की खंडपीठ के सामने यह मामला आया था, जिसमें ओबीसी की 77 जातियों या समूहों की पहचान और उनके वर्गीकरण को चुनौती दी गई थी। खंडपीठ ने कहा कि उन समुदायों का डाटा नहीं दिया गया है, जिनके आधार पर बंगाल सरकार मानती है कि राज्य सरकार की सेवाओं में उनका पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है। एक समुदाय को सिर्फ पिछड़ेपन के आधार पर ओबीसी घोषित नहीं किया गया है, वे वैज्ञानिक और पहचान योग्य डाटा के आधार पर ओबीसी में हैं। समुदायों के अपर्याप्त प्रतिनिधित्व, जनसंख्या तथा अन्य अनारक्षित जमातों को भी शामिल करते हुए आकलन करना जरूरी है। दरअसल आरक्षण किसी का संवैधानिक मौलिक अधिकार नहीं है। हमारे संवैधानिक पुरखों ने एक व्यवस्था 10 साल के लिए तय की थी, ताकि सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक विषमताएं समाप्त की जा सकें, लेकिन आज़ादी के 77 साल बाद भी वह 'संवैधानिक कृपा' बरकरार है, विषमताएं भी मौजूद हैं, क्योंकि आरक्षण आज भी लागू है। बल्कि आरक्षण आज राजनीतिक हथियार बन चुका है। संविधान पीठ भी फैसला दे चुकी है कि धर्म पर आधारित आरक्षण 'संवैधानिक' नहीं है। कुछ राज्य सरकारों ने मुसलमानों को धार्मिक कोटा देने की जुर्रत की थी, लेकिन सर्वोच्च अदालत ने उन्हें खारिज कर दिया। सिर्फ बिहार और बंगाल ही नहीं, मध्यप्रदेश, गुजरात, उप्र, केरल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्यों में भी कई-कई जातियों की आड़ में मुसलमानों को आरक्षण देने की व्यवस्था है। अदालत की आंख में धूल झोंकी गई है। कई राज्यों में तो भाजपा की सरकारें हैं। कुछ भी संवैधानिक नहीं है, फिर भी आरक्षण का चुग्गा फेंक कर मुस्लिम तुष्टिकरण और बंधक वोट बैंक की राजनीति खेली जा रही है। मुसलमानों की आड़ में बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्या सरीखी देश-विरोधी गतिविधियां भी जारी हैं। यह कड़ा आदेश मुख्यमंत्रियों को भी दिया जाना चाहिए कि ऐसे वोट बैंक असंवैधानिक हैं, लिहाजा देश में एनआरसी भी अनिवार्य की जानी चाहिए।

अदालत ने रद किया आरक्षण

बंगाल में कलकत्ता उच्च न्यायालय ने 77 जातियों के ओबीसी प्रमाण-पत्र और उनकी मान्यता खारिज की है। इस फैसले से 5 लाख से अधिक ओबीसी प्रमाण-पत्र रद हुए हैं। अधिकतर जातियां मुस्लिम थीं, जिन्हें ओबीसी सूची में डालकर आरक्षण दिया जा रहा था। यह सिर्फ ममता बनर्जी ने ही नहीं किया, बल्कि पूर्ववर्ती वाममोर्चा सरकार ने 2010 में ओबीसी-ए और ओबीसी-बी के तहत अतिपिछड़ों और पिछड़ों की नई श्रेणियां बनाई थीं और 53 जातियों को ओबीसी सूची में डाला था। अधिकांश जातियां मुस्लिम थीं। चूंकि 2011 में वाममोर्चा सरकार चली गई, लेकिन नई मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन श्रेणियों को कमोबेश बरकरार रखा। इस संबंध में 2012 में कानून भी बना दिया गया। अदालत ने 42 जातियों को ओबीसी बनाने के सरकारी फैसले को रद किया। उनमें 41 मुस्लिम जातियां थीं। 2022 में ममता बनर्जी ने 35 नई जातियां जोड़ी, जिनमें 33 मुस्लिम थीं। ममता सरकार द्वारा कानून बनाने से 92 फीसदी मुस्लिम आबादी को ओबीसी आरक्षण का लाभ मिला है। आरक्षण 7 फीसदी से बढ़ाकर 17 फीसदी तक कर दिया गया। उच्च न्यायालय ने 5 मार्च, 2010 से 11 मई, 2012 तक जारी किए गए ओबीसी प्रमाण-पत्रों को रद किया है। इससे कुल 77 जातियां प्रभावित होंगी, जिनमें से 71 जातियां मुस्लिम हैं। हालांकि जो पहले ही ऐसे आरक्षण का लाभ ले चुके हैं अथवा भर्तियों में चयन हो चुका है, वे फैसले से अप्रभावी रहेंगे। सवाल है कि क्या देश की सरकारों का सिर्फ मुसलमानों ही चिन्ता है? अन्य जातियों के लोग भी नागरिक हैं और करों के भुगतान करते हैं, उनकी चिन्ता कौन करेगा?

अभियान चलाए सरकार

अब तो कुछ दिनों के बाद नई सरकार भारत में बनेगी, लिहाजा वोट बैंक की चिन्ताएं कम होंगी, लिहाजा भारत सरकार ऐसा अभियान चलाए, ताकि अवैध घुसपैठियों को देश से बाहर किया जा सके। हम पूरा दोष घुसपैठियों को या वोटबैंक के तुष्टिकरण को ही नहीं दे सकते, क्योंकि देश में ही कांग्रेस पूरी तरह 'मुस्लिमवादी' रही है। वाम और तृणमूल भी कांग्रेस की ही तरह 'मुस्लिमवादी' हैं। मुस्लिमवादियों के अपने कुतर्क हैं। कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार ने ही 2004 में जस्टिस रंगनाथ मिश्र आयोग गठित किया था। उसने 2007 में मुसलमानों को ओबीसी आरक्षण देने की सिफारिश की थी। जस्टिस रंगनाथ मिश्र देश के प्रधान न्यायाधीश रह चुके थे। फिर उन्होंने मुसलमानों को आरक्षण देने की अनुशंसा कैसे की? यह तो पूरी तरह 'असंवैधानिक' है। ओबीसी आरक्षण का रास्ता रंगनाथ मिश्र आयोग ने ही दिखाया था। मुसलमानों के लिए ही सच्चर कमेटी का गठन किया गया। यूपीए सरकार के तहत अलग से 'अल्पसंख्यक मंत्रालय' भी बनाया गया, जिसका फोकस मुसलमानों पर ही रहा है। उस दौर में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का विवादास्पद् बयान भी सामने आया कि देश के संसाधनों पर पहला दावा और अधिकार खासकर अल्पसंख्यक मुसलमानों का है। 2024 के आम चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी ने राहुल गांधी का 2012 का एक वीडियो बेनकाब किया है, जिसमें राहुल मुस्लिम आरक्षण का दावा ठोंकते देखे और सुने जा सकते हैं। सवाल है कि इन सरकारों को महज मुसलमानों के ही दुखड़े और अभाव क्यों दिखाई देते हैं? देश में ऐसे असंख्य चेहरे हैं, जो सवर्ण हैं, लेकिन बेहद गरीब और पिछड़े हैं। उनके लिए आयोगों के गठन नहीं किए गए। यह तो संविधान के मौलिक अधिकारों का ही हनन है। तमाम सरोकार और कार्यक्रम मुस्लिम सम्मत क्यों रहे हैं? क्या भारत सिर्फ उन्हीं का देश है?

अब अल्पसंख्यक नहीं

मुस्लिमों की करीब 15 फीसदी आबादी है। हकीकत में वे अब अल्पसंख्यक नहीं हैं बंगाल, तमिलनाडु, केरल, बिहार आदि राज्यों में कई जिले और इलाके आज ऐसे हैं, जहां मुसलमान बहुसंख्यक हैं और हिन्दू समुदाय अल्पसंख्यक होते जा रहे हैं। देश में जैन, बौद्ध, ईसाई की आबादी 1 फीसदी से कम है। पारसी देशभर में 57,000 बताए जाते हैं। यह 85 फीसदी आबादी क्या हाथ मलती रहे? चूंकि वे एक सशक्त, मजबूत और लामबंद वोट बैंक नहीं है, लिहाजा उनकी परवाह क्यों की जाए? मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सरेआम मंच से कहा है कि मुस्लिम आरक्षण जारी रहेगा। जो योजनाएं चल रही हैं, उनका फायदा ओबीसी आरक्षण के तहत मिलता रहेगा। वह अदालत का फैसला नहीं मानतीं। क्या यह अवमानना का अपराध नहीं है? क्या मुख्यमंत्री इतना निरंकुश और मुस्लिमवादी हो सकताहै? वोट बैंक की यह राजनीति इसलिए भी की जाती रही है, क्योंकि मुसलमान बुनियादी, वैचारिक और मानसिकता के स्तर पर 'हिन्दू-विरोधी' हैं, लिहाजा भाजपा-संघ के विरोधी भी हैं, नतीजतन वे उसे ही वोट देना तय करते हैं, जो भाजपा प्रत्याशी को पराजित कर सके या कमोबेश मुकाबला कर सके। हालांकि अब मुसलमानों में भी अपवाद उभर रहे हैं। कुल मिलाकर मुस्लिम आरक्षण की व्यवस्था कोई संवैधानिक न्याय नहीं है। मदद उसकी की जानी चाहिए, जो विपन्न, वंचित और निरक्षर हैं, चाहे उनकी जाति और समुदाय कुछ भी हो। मेरा ही नहीं, यह अधिकांश देश का विनम्र आग्रह हो सकता है कि बंधक वोट बैंक और तुष्टिकरण के खिलाफ कोई संवैधानिक व्यवस्था बनाई जानी चाहिए, लेकिन मौलिक अधिकार भी खंडित नहीं होने चाहिए।

खतरे में विपक्षी दल हैं या संविधान?

सवाल

डॉ. भारत

राजनीतिक विश्लेषक

भारतीय संविधान राष्ट्र के मौलिक कानून के रूप में हमारे मूल्यों, सिद्धांतों और शासन के ढांचे का प्रतीक है। भारतीय संविधान अपने ऐतिहासिक संघर्षों, दार्शनिक आदर्शों और सामाजिक आकांक्षाओं की जड़ों के साथ लोकतंत्र, न्याय और समानता की ओर राष्ट्र की सामूहिक यात्रा को प्रदर्शित करता है। राजनीतिक रंगमंच के दिलचस्प दौर में अक्सर ऐसा देखा गया है कि कुछ विपक्षी राजनीतिक दल चुनाव के समय सामूहिक रूप से आवाज उठाते है कि संविधान ख़तरे में हैं। बिखरे हुए विपक्षी दलों की प्राथमिकताएँ और रणनीतियाँ अलग-अलग हैं, लेकिन लक्ष्य एक ही है, सत्ता। संविधान को समर्पित और लोकतंत्र के प्रति आस्था रखने वाले भारतीय नागरिकों के लिए यह चिंता का विषय है। प्रश्न उठता है कि क्या इन दलों को अपना अस्तित्व खतरे में दिख रहा है? या इन दलों को अपना सियासी भविष्य तो अंधकार में नहीं दिख रहा है? जो वे देश के संविधान के खतरे में होने के नैरेटिव गढ़ते हैं। जागरूक जनता की राजनीतिक बुद्धिमत्ता को तो कोई भी दल कटघरे में खड़ा नहीं कर सकता।

दल लोगों का एक संगठित समूह होता है, जिसके सदस्य एक समान विचारधारा में विश्वास करते हैं या समान राजनीतिक दृष्टिकोण रखते हैं। एक तरफ व्यक्ति से बड़ा दल, दल से बड़ा देश, जैसी विचारधारा है तो दूसरी ओर सेवा से बड़ी सत्ता, सत्ता से बड़ा स्वार्थ जैसी विचारधारा है। "सत्ता का खेल तो चलेगा, सरकारें आएंगी-जाएंगी, पार्टियां बनेंगी बिगड़ेंगी मगर ये देश रहना चाहिए, इस देश का लोकतंत्र अमर रहना चाहिए"। सिद्धांतों के लिए अपनी सरकार की कुर्बानी देने वाले पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की यह बात लोकतंत्र में हमेशा गूंजती है और एक प्रतिबद्ध नागरिक को इस पर विचार करने के लिए बाध्य करती है।

लोकतंत्र के कामकाज की रक्षा के लिए और नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए संविधान और कानूनों द्वारा विभिन्न संस्थाएं बनाई गई हैं। इनमें एक स्वतंत्र न्यायपालिका शामिल है, जिसे मौलिक अधिकारों की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया है कि कार्यपालिका और विधायिका बनी रहें। संविधान द्वारा उनके लिए निर्धारित शक्तियों की सीमा के भीतर कार्य करने की स्वतंत्रता है। भारत में संसदीय संप्रभुता और न्यायिक सर्वोच्चता के मध्य भी समन्वय स्थापित किया गया है, अर्थात भारतीय संविधान में विधि के निर्माण के लिए विधायिका के अधिकार और संवैधानिक सिद्धांतों के आलोक में इन विधियों की समीक्षा और व्याख्या करने के लिए न्यायपालिका की शक्ति के मध्य एक संतुलन बनाया गया है। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव और उसके लिए आवश्यक सभी चीजें सुनिश्चित करने के लिए एक चुनाव आयोग बनाया गया है। सार्वजनिक धन का उपयोग करने वाली सरकार के हर हिस्से की वित्तीय और प्रदर्शन लेखा परीक्षा करने के लिए एक नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की स्थापना की गई है। एक स्वतंत्र केंद्रीय सतर्कता आयोग की स्थापना के लिए विशेष कानून बनाया गया है, जिसका काम न केवल लोक सेवकों को सतर्कता मंजूरी देना है, बल्कि केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सी.बी.आई) के कामकाज की निगरानी करना और मुखबिर (व्हिसलब्लोअर) से शिकायतें प्राप्त करने के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करना है। आज खतरा किस-किस को है, किस-किस से है और क्यों है? यह एक खुला रहस्य प्रतीत होता है और शोर मचाने वालों के बारे में बहुत कुछ बताता है।

कहते हैं कि अपनी लड़ाई का अखाड़ा चुनने में बड़ी सतर्कता बरतनी चाहिए और बड़ा युद्ध जीतने के लिए छिटपुट लड़ाइयां हारनी भी पड़ती हैं। समझना कठिन है कि प्रवर्तन निदेशालय की पूछताछ को राजनीतिक रंग देने से विपक्ष को क्या लाभ मिलने वाला है?

अपने प्रतिष्ठित गेटीसबर्ग संबोधन में, अब्राहम लिंकन ने प्रसिद्ध वाक्य कहा था, लोगों की सरकार, लोगों द्वारा सरकार, लोगों के लिए सरकार आज के संदर्भ में परिवर्तित होकर विपक्ष के लिए "परिवार का दल, परिवार द्वारा दल, परिवार के लिए दल" के रूप में प्रचलित हो गया है। लोकतांत्रिक चरित्र खो चुके दल लोकतंत्र की रक्षा कैसे कर सकते हैं?

संविधान की नींव रखने वाले अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ, समाज सुधारक और आज़ाद भारत के पहले विधि एवं न्याय मंत्री रहे बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर भारतीय संविधान की सामर्थ्य एवं सीमाओं से भी बखूबी अवगत थे। इस संदर्भ में उन्होंने कहा था संविधान का सफल या असफल होना उन लोगों पर निर्भर करेगा, जिन पर शासन चलाने का दायित्व है। वे इस बात से भी बखूबी परिचित थे कि संविधान ने राजनीतिक समानता तो स्थापित कर दी है, लेकिन सामाजिक और आर्थिक समानता हासिल करना बाकी है, जो राजनीतिक समानता को बनाए रखने लिए भी जरूरी है। इससे यह स्पष्ट है कि कौन ख़तरे में है।

भारतीय संविधान हमारे राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है। भारत की जनता संविधान की रक्षा के लिए समर्थ है। 1975 की राष्ट्रीय आपातकाल का जवलंत उदाहरण हम सबके सामने है। संविधान कालजयी, भारतीय संस्कृति पर आधारित है अतः उस पर न तो कोई खतरा है और न ही कोई खतरा में डाल सकता है। संविधान ख़तरे में हैं कि आवाज़ उठाने वालों को "शेर आया - शेर आया" कहानी से से सबक लेते हुए कभी भी झूठ नहीं बोलना चाहिए। झूठ बोलने वालों पर कोई विश्वास नहीं करता है।

पश्चिम बंगाल में मतदान के दौरान फिर बवाल और मारपीट

बंगाल में भारी मतदान के बीच झारग्राम में भाजपा प्रत्याशी पर हमला आगजनी, 'खूनी हिंसा' में सुरक्षाकर्मी का फोड़ा सिर, गाड़ी भी तोड़ी

पश्चिम बंगाल में झारग्राम लोकसभा सीट पर मतदान के दौरान भाजपा प्रत्याशी प्राणनाथ टुडू की गाड़ी पर हमला किया गया। ईंट बरसाई गई। केंद्रीय बलों के साथ भी मारपीट की गई। इस बीच भाजपा और टीएमसी ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए। सुरक्षा बलों ने तुरंत मामले को संवेदनशील मानते हुए कार्रवाई की,तब किसी तरह से हालात नियंत्रण में आ सके।

एजेंसी ▶▶ झारग्राम

पश्चिम बंगाल में झारग्राम लोकसभा सीट पर मतदान के दौरान भाजपा प्रत्याशी प्राणनाथ टुडू की गाड़ी पर हमला किया गया। ईंट बरसाई गई। केंद्रीय बलों के साथ भी मारपीट की गई। गड़बेता में प्राणनाथ की कार पर हुए हमले में दो सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। उनके सिर पर चोट लगी है। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, तृणमूल का आरोप है कि भाजपा इलाके में अशांति फैला रही है। टुडू ने शनिवार को दावा किया कि पश्चिम मिदनापुर जिले के गड़बेता इलाके में उनके काफिले पर हमला किया गया, जिसके बाद उनके साथ चल रहे सुरक्षाकर्मी घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

आरोप प्रत्यारोप का दौर शुरू

भाजपा प्रत्याशी के काफिले को रोका और लौटने को कहा

भाजपा के खिलाफ लगे 'गो बैक' के नारे

प्राणनाथ जैसे ही टुडू इलाके में पहुंचे। करीब एक से डेढ़ सौ ग्रामीणों ने उन्हें घेरकर गो बैक के नारे लगाने शुरू कर दियए। फिर अचानक बड़े-बड़े ईंट-पत्थर बरसाने लगे। इसे सुरक्षा गार्ड भी इसे संभाल नहीं पाए।

भाजपा उम्मीदवार पर बरसाई ईंटें

टुडू कुछ मतदान केंद्रों के अंदर भाजपा एजेंटों को प्रवेश की अनुमति नहीं दिए जाने की शिकायतों के मद्देनजर गड़बेता जा रहे थे। उन्होंने दावा किया कि अचानक कुछ लोगों ने सड़क पर जाम लगा दी। उसके बाद टीएमसी के गुंडों ने उनकी कार पर ईंटें फेंकना शुरू कर दिया। जब उनके सुरक्षाकर्मियों ने हस्तक्षेप करने की कोशिश की, तो वे घायल हो गए। उनके साथ आए सीआईएसएफ के दो जवानों को सिर में चोटें आईं। स्थानीय टीएमसी नेतृत्व ने आरोपों से इनकार किया और टुडू पर "शांतिपूर्ण मतदान प्रक्रिया को खराब करने" की कोशिश करने का आरोप लगाया। इसके बाद ग्रामीण क्रोधित हो गए और विरोध प्रदर्शन किया।

दिग्गजों ने डाले वोट

जमशेदपुर। टाटा स्टील के सीईओ ने डाला वोट।

जम्मू। वोट डालने अपनी बारी का इंतजार करती महिलाएं।

राजोरी। कश्मीरी विस्थापित वोट की कतार में लगे हुए।

नई दिल्ली। गृहसचिव अजय भल्ला ने वोट का महत्व बताया।

नई दिल्ली। भाजपा महासचिव बीएल संतोष ने डाला वोट।

गतदान के बीच बड़ा सड़क हादसा

कुलगाम से श्रीनगर जा रही गाड़ी फिसली, 4 लोगों की मौत

श्रीनगर। कुलगाम जिले के निपोरा इलाके में शनिवार दोपहर एक सड़क दुर्घटना में पंजाब के 4 निवासियों की मौत हो गई, जबकि 3 गंभीर रूप से घायल हो गए। काजीगुंड से श्रीनगर जा रहा एक वाहन निपोरा इलाके में ग्रिड स्टेशन के पास सड़क से फिसल गया। उन्होंने कहा कि घटना के समय वाहन में 7 पर्यटक सवार थे। सभी पंजाब के मोगा जिले से थे।

राजनीति में महिलाओं की भूमिका अहम: स्वाति

मतदान के बाद उन्होंने महिलाओं पर बड़ा बयान दिया।स्वाति ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि मैं सभी लोगों से खासकर महिलाओं से अपील करती हूं कि वो अपने घरों से निकलकर मतदान केंद्रों पर वोट करने पहुंचें। भारतीय राजनीति में महिलाओं की भूमिका अहम है।

अब लालच पर वोट कर रही दिल्ली: संदीप

कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा, दिल्ली की राजनीतिक दशा और दिशा बदल गई है। पहले विकास का मुद्दा मुख्य होता था, लेकिन अब मतदान के लिए लालच भी एक कारण है। उन्होंने कहा कि स्वभाव हमेशा बदलता रहता है। दिल्ली में तीसरे दल के लिए आज गुंजाइश है।

केंद्र में फिर बनेगी मोदी सरकार: योगेंद्र

चुनाव विश्लेषक और किसान नेता योगेंद्र यादव ने भाजपा की सरकार बनने की भविष्यवाणी कर विपक्ष को चौंका दिया। भाजपा 240 से लेकर 260 सीट तक जीत सकती है। सहयोगी दल 35 से 45 सीट जीत सकते हैं। हालांकि, विपक्षी दलों ने इंडी सरकार बनने की बात कही है।

तो हम खोल देंगे वाघा बॉर्डर: चन्नी

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और जालंधर सीट से चुनाव लड़ रहे चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि अगर कांग्रेस सरकार में आती है तो वाघा बॉर्डर खोल दिया जाएगा। इससे पाकिस्तान के लोग इलाज के लिए भारत आएंगे और इससे पंजाब के मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा।

एक सेकंड में देंगे 30 लाख नौकरियां: तेजस्वी

बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने दावा किया है कि इंडी गठबंधन की सरकार बनी तो वो एक सेकंड में 30 लाख नौकरियां बांटेंगे। इसके पीछे का प्लान भी बताया है। उन्होंने भाजपापर निशाना साधा और दावा कर दिया कि नीतीश कुमार की पार्टी खत्म हो जाएगी।

बक्सर में पीएम मोदी का इंडी गठबंधन पर बड़ा हमला

आरजेडी-कांग्रेस ने बिहार की पीढ़ियां बर्बाद की

काराकट। बिहार में काराकाट के बाद पीएम नरेंद्र मोदी बक्सर में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने इंडी गठबंधन के दलों के चुनावी घोषणापत्रों पर एक बार फिर बड़ा हमला किया। कांग्रेस देश को अपनी जागीर समझती है। कांग्रेस देश की संपत्ति पर पहला हक मुसलमानों को देना चाहती है।पीएम मोदी ने कहा कि ये एससी-एसटी-ओबीसी का आरक्षण खत्म करना चाहते हैं। विपक्षी तुष्टीकरण के लिए और अपने वोटबैंक के लिए कुछ भी कर सकते हैं।

भ्रष्टाचारियों ने बिहार के उद्योग धंधे बर्बाद किए

मोदी ने कहा कि कांग्रेस-आरजेडी के भ्रष्टाचार को देश ने देखा है। ये लोग देश को भी नोटों की गड्डी के रूप देखते हैं। बिहार ने सालों तक जंगलराज को झेला है। आरजेडी-कांग्रेस ने बिहार की पीढ़ियां बर्बाद कर दी। कितने लोग बिहार से पलायन कर गए, यहां उद्योग-धंधे चौपट हो गए।

सारे शहजादों का शटर गिर रहा

मोदी ने कहा, अखिलेश यादव ने 80 की 80 सीटें जीतने का दावा भी कर दिया है। अब सारे शहजादों का शटर गिरने वाला है।

वोट बैंक' के लिए 'मुजरा' कर रहा इंडिया ब्लॉक

मोदी ने विपक्ष पर उन्होंने मुस्लिम वोट बैंक के लिए 'गुलामी' और 'मुजरा' करने का आरोप लगाया। वे वोट बैंक के लिए 'मुजरा' कर सकते हैं।

5 साल म्यूजिकल चेयर खेलेंगे परिवारवादी

इंडीकी योजना 5 साल में 5 पीएम देने की है। गांधी परिवार का बेटा, सपा परिवार का बेटा, नेकां परिवार का बेटा आदि म्यूजिकल चेयर खेलेंगे।

हमीरपुर में गृहमंत्री शाह का ऐलान

पीओके हमारा है और हम इसे लेकर रहेंगे

हमीरपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि पीओके भारत का अभिन्न अंग है। लेकिन मैं देवभूमि-वीरभूमि से बोल रहा हूं कि हम भाजपा वाले हैं और हम एटम बम से नहीं डरते। पीओके हमारा है और हम इसे लेकर रहेंगे।

ओवैसी में जिन्ना का जिन्न समाया:गिरिराज

पटना। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एआईएमएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी पर कहा कि उनके अंदर जिन्ना का जिन्न समाया है।

अग्निवीर लाकर सब खत्म कर दिया: खरगे

शिमला। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रोहड़ू के रामलीला मैदान में जनसभा की। खरगे ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले सेना में स्थायी नौकरी के साथ पेंशन और अन्य सुविधाएं मिलती थी। 'अग्निवीर' लाकर सब खत्म कर दिया।

मोदी को रोकेंगे: ओवैसी

एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने पटना में कहा कि इस बार हमें प्रधानमंत्री को तीसरी बार प्रधानमंत्री नहीं बनने देना है।

खबर संक्षेप

ब्रह्मपुत्र एक्स. के एसी कोच में चढ़े हजारों लोग

पटना। गर्मी में ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों को असुविधा और परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिन्होंने सीट बुक की थी, वे भी परेशान हैं। ब्रह्मपुत्र एक्सप्रेस के एसी कोच में बिना टिकट लिए हजारों की भड़ी चढ़ गई। ये वाकया पटना का है।

जज साहब को साजिशन लगा 50,000 का चूना

मुंबई। महाराष्ट्र के सोलापुर के एक जिला न्यायाधीश साइबर फ्रॉड के शिकार बन गए। एक अज्ञात व्यक्ति ने कथित तौर पर उनसे 50,000 रुपए ठग लिए। धोखेबाज ने पैसे मांगने बॉम्बे हाई कोर्ट के न्यायाधीश की तस्वीर को व्हाट्सएप डिस्प्ले पिक्चर के रूप में इस्तेमाल किया।

केदारनाथ में रील्स 84 का कटा चालान

केदारनाथ। परिसर में सोशल मीडिया पर रील्स बनाने और नशा कर हुड़दंग मचाने वालों पर पुलिस ने सख्ती करनी शुरू कर दी है। धाम के प्रतिबंधित क्षेत्र में रील्स बनाने वाले 84 व्यक्तियों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की।

मणिपुर हिंसा मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

भावनाओं के आधार पर नहीं कर सकते फैसला, हमें कानूनन काम करना होगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस पंकज मित्तल की पीठ ने की सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह भावनाओं के आधार पर नहीं चल सकता और उसे कानून के अनुसार काम करना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर के अधिकारियों के खिलाफ अवमानना कार्रवाई की मांग करने वाली याचिका को खारिज कर दिया, क्योंकि उन पर मणिपुर में हाल ही में हुई हिंसा के दौरान विस्थापित हुए लोगों की संपत्तियों की सुरक्षा करने में कथित रूप से विफल रहने का आरोप है। इस दौरान जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस पंकज मित्तल की पीठ ने इस मामले पर सुनवाई की। पीठ ने कहा कि वह इस तर्क से संतुष्ट नहीं हैं कि मणिपुर के मुख्य सचिव समेत प्रतिवादियों के खिलाफ अवमानना का मामला बनाया गया है। कोर्ट ने सुझाव दिया कि याचिकाकर्ता अपने पास उपलब्ध अन्य कानूनी उपायों का सहारा ले सकते हैं।

खास बातें

- अवमानना कार्रवाई की मांग करने वाली याचिका खारिज
- याचिकाकर्ताओं की दलील को नकारा

मणिपुर में हालात तनावपूर्ण बने रहें, जो कि दुर्भाग्यपूर्ण: ऐश्वर्या

मणिपुर की ओर से पेश हुईं एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने तर्क दिया कि कोई अवमानना नहीं हुई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य और केंद्र सरकार दोनों ही जनता की चिंताओं को सक्रिय रूप से संबोधित कर रही हैं।भाटी ने कुछ दलों की ओर से की जा रही कोशिश को चिंताजनक बताया है।

सरकार सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध

भाटी ने कहा कि राज्य ने स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करके उसका अनुपालन किया है और वह अपडेट रिपोर्ट देने के लिए तैयार है। सरकार नागरिकों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

सीएस के खिलाफ अवमानना नोटिस उचित नहीं

याचिकाकर्ताओं ने पिछले साल 25 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था, जिसमें जातीय संघर्षों के कारण विस्थापित लोगों की संपत्तियों की सुरक्षा का आदेश दिया गया था। मुख्य सचिव और अन्य अधिकारियों की संलिप्तता पर कहा कि यह उचित नहीं है।

चुनाव आयोग बोला

हमारे पास एक एक वोट का हिसाब मौजूद

लोकसभा चुनाव 2024 के लिए अबतक कुल पांच चरणों के चुनाव संपन्न हो चुके हैं और चुनाव आयोग ने पांचों चरणों के मतदान का आंकड़ा जारी किया है। आयोग ने कहा कि कोई भी वोटों की संख्या मेंगड़बड़ी नहीं कर सकता। एक-एक वोट का हिसाब है।

कर्नाटक: हिरासत में शख्स की मौत

लोगों का विरोध प्रदर्शन, 11 पुलिसकर्मी घायल, हुड़दंग

एजेंसी ▶▶ दावणगेरे

जिले के चन्नागिरी में शुक्रवार देर रात पुलिस हिरासत में एक शख्स की बीमारी से मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने थाने के सामने पुलिस के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि शख्स की मौत के लिए पुलिस जिम्मेदार है। इससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। मृतक चन्नागिरी के टीपू नगर का रहने वाला आदिल है। लोगों ने थाने में घुसकर वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया और संपत्तियों को नष्ट कर दिया। जुआ खेलने के आरोप में पुलिस ने आदिल को हिरासत में लिया था।

लोगों ने किया पथराव

कुछ लोगों ने पथराव कर पुलिस वाहनों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। इस दौरान 11 पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस की करीब 5 गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। आरोपी को पुलिस ने शुक्रवार को हिरासत में लिया था। शाम को जब आदिल को थाने लाया गया तो बीपी लो होने से बेहोश हो गया था। उसे हॉस्पिटल ले जाया गया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है।

एसपी ने कहा- हम जांच कर रहे हैं

दावणगेरे की एसपी उमा प्रशांत ने कहा कि पुलिस ने आदिल को हिरासत में लिया था। उसे लाने के तुरंत बाद वह बेहोश हो गया और बीमार पड़ गया। बाद में उसे अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने से पहले उसकी मौत हो चुकी थी। वह कुछ समय के लिए ही थाने में रहा। मृतक के परिजन इसे हवालात में हुई मौत का आरोप लगा रहे हैं। इसकी तत्परता से जांच की जा रही है।

सुकमा में कार्रवाई

सुरक्षा बलों ने 1 नक्सली को फिर कर दिया ढेर

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा से एक बड़ी खबर है। यहां सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच एनकाउंटर की खबर है। एनकाउंटर में सुरक्षाबलों ने एक नक्सली को ढेर कर दिया है। घटनास्थल से बड़ी तादाद में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया है। एसपी ने बताया कि गश्त के दौरान यह दल जब इलाके में था तो नक्सलियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी जिसके बाद सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच देर तक मुठभेड़ जारी रही। इस एनकाउंटर सात नक्सली मारे गए। घटनास्थल हथियार भी बरामद किए गए। इस साल राज्य में सुरक्षाबलों के साथ अलग-अलग मुठभेड़ों में अब तक 113 नक्सली मारे जा चुके हैं।

बंगाल में 'रेमल' को लेकर मौसम विभाग ने किया आगाह

अत्यधिक भारी बारिश से जान-माल के नुकसान की आशंका

विभाग ने 135 किमी तक चक्रवात की गति की संभावना जताई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बंगाल की खाड़ी में बन रहा चक्रवाती तूफान 'रेमल' 135 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार पकड़ सकता है। मौसम विभाग ने बताया कि 26-27 मई को पश्चिम बंगाल और उत्तरी ओडिशा के तटीय जिलों में अत्यधिक भारी बारिश होगी। पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में 27-28 मई को अत्यधिक भारी बारिश की संभावना है।

समुद्र में 1.5 मीटर ऊंची लहरें उठेंगी

तूफान के दस्तक देने के समय समुद्र में 1.5 मीटर ऊंची लहरें उठने की भी आशंका है, जिससे तटीय पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के निचले इलाके डूब सकते हैं। लोगों को आगाह किया है।

मछुआरों को दी चेतावनी

मछुआरों को 27 मई की सुबह तक बंगाल की खाड़ी के उत्तरी भाग में समुद्र में न जाने की चेतावनी दी है। रविवार-सोमवार के लिए रेड अलर्ट जारी किया है।

नौतपा का पहला दिन, 6 राज्यों में लू का रेड अलर्ट

नौतपा शुरू हो गया है। देश के कुछ हिस्सों में पारा 49 तक जा सकता है। दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, पंजाब- हरियाणा में लू चलेगी।

ऐसे खोजें बेस्ट म्यूचुअल फंड, होगी मोटी कमाई

कुछ टिप्स आपको दिलवा सकते हैं अच्छा मुनाफा ■ पहले जानें कि म्यूचुअल फंड में क्यों निवेश कर रहे ■ उसी से तय होता है कि कौन सी स्कीम आपके लिए बेहतर ■ म्यूचुअल फंड में ऑनलाइन निवेश के लिए डीमैट अकाउंट खुलवाएं

निवेश मंत्रा | बिजनेस डेस्क

अगर आप भी म्यूचुअल फंड में निवेश शुरू करने की प्लानिंग कर रहे हैं तो पहले एक अच्छा सा म्यूचुअल फंड तलाश लें, ताकि आपको अच्छा मुनाफा मिल सके और आप आसानी से अपनी निवेश यात्रा शुरू कर सकें। इस समय म्यूचुअल फंड निवेश के लिए पसंदीदा एसेट्स बनकर उभर रहे हैं, देश के हर कौने-कौने से लोग इनमें निवेश कर अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं। हालांकि अक्सर देखने में आता है कि लाख कोशिशों के बाद भी कुछ निवेशक अच्छा म्यूचुअल फंड नहीं चुन पाते हैं। इसके पीछे एक बड़ी वजह है-आधी अधूरी जानकारी। अक्सर लोग अच्छे म्यूचुअल फंड स्कीम की तलाश में इंटनेरट का सहारा लेते, लेकिन बड़े-बड़े टेक्निकल टर्म देखकर हाथ खड़े कर देते हैं। अगर आप भी इसी कैटेगरी में आते हैं तो कोई बात नहीं। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसे ही कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं जो आपको अच्छा मुनाफा दिला सकते हैं और निवेश की यात्रा में आपके काफी काम आ सकते हैं। हम आपको म्यूचुअल फंड में निवेश की एबीसीडी से लेकर बड़े-बड़े टर्म भी आसान भाषा में समझाएंगे।

पहले यह जानिये

बाजार के जानकारों का कहना है कि निवेशकों को सबसे पहले यह मालूम होना चाहिए कि वे म्यूचुअल फंड (एमएफ) में निवेश क्यों करना चाहते हैं। क्योंकि इसी आधार पर तय होता है कि आपके लिए कौन सी स्कीम बेहतर रहेगी। कई लोग फिक्स्ड डिपॉजिट का विकल्प ढूंढ़ते हुए म्यूचुअल फंड पर पहुंचते हैं। कुछ लोग शेयर बाजार में निवेश करना चाहते हैं, लेकिन उनके पास समय नहीं होता कि रोज शेयरों में उतार चढ़ाव पर नजर रख सकें, ऐसे लोग भी एफएफ में निवेश करते हैं। कुछ लोग टैक्स बचाने के साथ बेहतर रिटर्न भी चाहते हैं उनके लिए म्यूचुअल फंड अच्छा निवेश साधन हो सकते हैं।

ऐसे काम करता है म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड में आपके पैसे को इनवेस्ट करने और उससे रिटर्न कमाकर देने की जिम्मेदारी म्यूचुअल फंड हाउस की होती है। ये वह कंपनी है जो आपका निवेश मैनेज करती है। इसे असेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) कहते हैं। एमएफ में निवेश का सबसे बड़ा फायदा यह है कि आपका निवेश का काम अनुभवी फंड मैनेजर संभालते हैं। दूसरा फायदा ये कि यह सेबी के नियम और कानून के दायरे में आते हैं, इसलिए सुरक्षित भी माने जाते हैं। म्यूचुअल फंड अन्य निवेश के इंस्ट्रूमेंट्स के मुकाबले कम रिस्की माना जाता है। क्योंकि इनमें निवेशकों का पैसा किसी एक जगह न लगाने जाने की बजाय कई किस्मों के इंस्ट्रूमेंट में लगाया जाता है।

निवेशक को अलॉट होती हैं यूनिट

जैसे कंपनी के शेयर होते हैं वैसे ही म्यूचुअल फंड हाउस की यूनिट होती है। एमएफ में पैसा लगाने वाले निवेशकों को मूलतः फंड हाउस में हिस्सेदारी मिलती है। यूनिट के जरिए निवेशक को उन सभी सिक्योरिटीज का फायदा मिलता है, जिनमें एमएफ हाउस ने पैसे लगाए हैं। इसे ऐसे समझते हैं। एक्स नाम के म्यूचुअल फंड हाउस ने एक कंपनी ए में 20%, कंपनी बी में 15%, कंपनी सी में 10%, कंपनी डी में 25% और डेट इंस्ट्रूमेंट में 30% निवेश किया हुआ है। मान लेते हैं आपने इस फंड हाउस की एक यूनिट खरीदी। तो आपके पास भी इन सभी सिक्योरिटीज में उसी अनुपात में हिस्सेदारी होगी। एक यूनिट की कीमत नेट असेट वैल्यू (एनएवी) कहलाती है। एनएवी की कीमत हर रोज तय होती है। उदाहरण के तौर पर अगर किसी फंड की एनएवी 100 रुपये है तो इस फंड में 1,000 रुपये लगाने पर निवेशक के हिस्से में 10 यूनिट आएंगे।

सहूलियत वाली ये स्कीम

म्यूचुअल फंड में पैसे जब चाहें तब लगाने और निकालने की सुविधा चाहते हैं तो ओपन एंडेड स्कीम में निवेश करें। वहीं, क्लोज्ड एंडेड स्कीम में निवेशक सिर्फ एक बार ही निवेश कर सकते हैं। साथ ही पैसे भी तभी निकाल सकते हैं जब स्कीम की मैच्योरिटी पीरियड पूरा होगा।

कौन सा एसेट पसंद

इक्विटी म्यूचुअल फंड : इस फंड में निवेशकों का पैसा शेयरों में लगाया जाता है। इक्विटी एमएफ स्कीम के तहत छोटी कंपनियां, मझली कंपनियां, बड़ी कंपनियां, मल्टी कैप, इंटरनेशनल फंड, इंडेक्स फंड का ऑप्शन मिलता है।

डेट म्यूचुअल फंड: इस तरह के फंड में निवेशकों का पैसा अलग-अलग किस्म के बॉन्ड में लगाया जाता है। इसमें कॉरपोरेट से लेकर सरकारी बॉन्ड शामिल होते हैं।

हाइब्रिड म्यूचुअल फंड: अगर शेयर और बॉन्ड दोनों में निवेश करना चाहते हैं तो हाइब्रिड म्यूचुअल फंड में पैसे लगा सकते हैं।

गोल्ड फंड: अगर सोना में पैसा लगाना पसंद है तो गोल्ड फंड में चुन सकते हैं। ये फंड गोल्ड से जुड़ी सभी तरह के वित्तीय साधनों में निवेश करते हैं।

एकमुश्त या टुकड़ों में करें निवेश

जो निवेशक एकमुश्त पैसे लगाना चाहते हैं वो लंपसम तरीका चुन सकते हैं। उदाहरण के तौर पर अगर आपके पास एक लाख रुपये हैं तो अपनी पसंद की स्कीम चुनें और उसमें 1 लाख रुपये लगा सकते हैं। अगर टुकड़ों-टुकड़ों में पैसे लगाना चाहते हैं तो एसआईपी यानी सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान भी चुन सकते हैं।

वित्तीय सलाहकार की मदद क्यों जरूरी

वैसे तो निवेश की प्रक्रिया शुरू करने के लिए एडवाइजर की सलाह लेनी चाहिए। ये रजिस्टर्ड इनवेस्टमेंट एडवाइजर (आरआईए) से जाने जाते हैं, लेकिन आजकल लोग फाइनेंस इंफ्लुएंसर पर भरोसा करते हैं। उनके विडियो सुनते हैं। गौर करने वाली बात यह है कि इनका खुद उस स्कीम में खुद कोई निवेश नहीं होता। इसलिए इन्फ्लुएंसर की बजाय एडवाइजर्स या म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर पर भरोसा कर सकते हैं। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) की वेबसाइट पर आपके इलाके में मौजूद आरआईए की लिस्ट मिल जाएगी।

ऑनलाइन इनवेस्टमेंट का तरीका

म्यूचुअल फंड में ऑनलाइन निवेश करने के लिए डीमैट अकाउंट खुलवाना होगा। सीधे असेट मैनेजमेंट कंपनी के स्कीम में निवेश करना चाहते हैं, उसकी वेबसाइट या ऐप में खाता खुलवाकर निवेश शुरू कर सकते हैं। दूसरा तरीका है- म्यूचुअल फंड इनवेस्टमेंट सर्विस देने वाले ऐप्स के जरिए। यहां आपको एक नहीं लगभग सभी म्यूचुअल फंड हाउस की स्कीमें एक ही जगह मिल जाएंगी।

ये तय करें कि कितने वक्त के लिए निवेश करना चाहते हैं जैसे कि लॉन्ग टर्म या शॉर्ट टर्म 3 साल तक के लिए निवेश करना चाह रहे हैं तो शार्ट टर्म स्कीम चुनें जबकि 3-5 साल तक के लिए पैसे लगा सकते हैं तो मिडियम टर्म स्कीम में निवेश बेहतर माना जाता है। इसी तरह से 5 साल या उससे अधिक समय के लिए पैसे लगा सकते हैं तो लॉन्ग टर्म स्कीम का चुनाव करें।

दो तरह की स्कीमें

एक ही प्लान में आपको डायरेक्ट और रेग्युलेर म्यूचुअल फंड दो विकल्प मिलेंगे। जब आप सीधे फंड हाउस से उसकी एनएवी यूनिट खरीदते हैं तो यह डायरेक्ट म्यूचुअल फंड कहलाएगा। अगर आप किसी ब्रोकर या एजेंट के जरिए वही स्कीम खरीदेंगे तो यह रेगुलर म्यूचुअल फंड की कैटेगरी में आएगा। डायरेक्ट म्यूचुअल फंड स्कीम का रिटर्न रेगुलर के मुकाबले ज्यादा होता है, क्योंकि इसमें किसी तरह की कमीशन फीस नहीं चुकानी पड़ती है। हर असेट मैनेजमेंट कंपनी और ब्रोकरेज फर्म का कमीशन एक्सपेंस अलग-अलग होता है। यह 1-1.25 फीसदी के आसपास होता है।

कैसे चुनें बेस्ट स्कीम

अपना रिस्क प्रोफाइल तय कीजिए। मतलब कितना रिस्क ले सकते हैं। हर म्यूचुअल फंड के आगे उसका रिस्क मीटर मिल जाएगा। जैसे- हाईब्रिड फंड, मल्टी कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप फंड ज्यादा रिस्की माने जाते हैं। औसत जोखिम लेना चाहते हैं तो मल्टी कैप फंड और बैलेंस्ड एडवांटेज फंड देख सकते हैं। बिल्कुल रिस्क नहीं लेना चाहते तो लार्ज कैप फंड, गिल्ट फंड, लिक्विट फंड में पैसे लगा सकते हैं। अब यह तय करिए कि किस तरह के असेट का फायदा लेना चाहते हैं। जैसे कि गोल्ड, बॉन्ड या शेयर या सभी में थोड़ा-थोड़ा। जो स्कीम आपकी पसंद के असेट में निवेश करती हो उन कुछ स्कीमों को शॉर्ट लिस्ट कर लें।

कब पड़ेगी पैसे की जरूरत

आपको इस बात का अंदाजा होना चाहिए कि आपको इन पैसों की जरूरत कब पड़ सकती है। जैसे कि अगर हाल फिलहाल में पैसों की जरूरत पड़ सकती है तो इक्विटी फंड स्कीमों से दूर रहें, क्योंकि इक्विटी वाली स्कीमें कम समय से अच्छी रिटर्न नहीं देती। इक्विटी स्कीम एक या उससे ज्यादा साल टिके रहने पर ही अच्छा रिटर्न देती हैं। अगर कम समय के लिए पैसे लगाना चाहते हैं तो लिक्विड फंड पर विचार कर सकते हैं।

परफॉर्मेंस का रिकॉर्ड देख लें

बीते सालों में फंड का परफॉर्मेंस कैसा रहा है यह जरूर देख लें। परफॉर्मेंस देखने के लिए एक लंबा टाइम रेंज तय करें। इससे यह तय हो जाता है कि किस फंड ने अच्छा मार्केट वाला समय देखा है और बुरा समय भी। इस तरह आपको जो रिटर्न दिखेगा वो औसत रिटर्न होगा। अगर फंड ने तीन या पांच या सात या 10 सालों में अपना रिटर्न का रिकॉर्ड नहीं तोड़ा है तो बेहतर है कि किसी स्कीम पर विचार करें। फंड की परफॉर्मेंस देखते हुए स्कीम के अलावा उसके फंड मैनेजर और फंड मैनेजर टीम की परफॉर्मेंस भी जरूर देखें। ये सभी जानकारी एप पर ही मिल जाएंगी। ये जरूर सुनिश्चित कर लें कि मैनेजर और टीम दोनों के पास एक लंबे समय तक काम करने का अनुभव है।

एक्सपेंस रेशियो जितना कम उतना बेहतर

आपके निवेश का कामकाज देखने के बदले म्यूचुअल फंड हाउस कुछ फीस भी लेते हैं। इसे एक्सपेंस रेशियो कहते हैं। आमतौर पर ये फंड मैनेजर की फीस होती है, जिसकी जिम्मेदारी निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिलाने की होती है। बतौर निवेशक आपकी प्राथमिकता ये होनी चाहिए कि कम एक्सपेंस रेशियो वाले स्कीम को चुनें। जिस फंड हाउस के पास मैनेज करने के लिए ज्यादा पैसे होंगे उनका एक्सपेंस रेशियो आपको अक्सर कम दिखेगा।

एंट्री और एक्जिट लोड भी देना होगा

स्कीम में पैसे लगाने पर फंड हाउस निवेशकों से एक फीस वसूलते हैं, जिसे एंट्री फीस कहा जाता है। हालांकि, ज्यादातर फंड हाउस एंट्री चार्ज बंद चुके हैं। स्कीम बंद करने पर भी निवेशक को एक फीस देनी होती है, जिसे एक्जिट लोड कहते हैं। एक्जिट लोड उसे ही देना पड़ता है जो निवेशक मैच्योरिटी पीरियड से पहले या कुछ ही महीने पैसे लगाकर निवेश बंद कर देते हैं। निवेशकों को म्यूचुअल फंड बंद करने से रोकना ही इस एक्जिट लोड का मकसद होता है। कोशिश करनी चाहिए कि उन्हीं स्कीम को चुनें, जिसमें जीरो या कम से कम एंट्री और एक्जिट लोड हो।

निवेश पर हुए मुनाफे के बदले निवेशकों को कैपिटल गेन टैक्स देना होता है। इक्विटी फंड के मामले में जितने समय तक आपने स्कीम में निवेश किया है उसी के हिसाब से टैक्स लगता है। अगर एक साल या उससे ज्यादा समय के लिए पैसे लगाए हैं और उससे एक लाख या उससे ज्यादा का फायदा कमाया है तो आयकर कानून के तहत 10 फीसदी टैक्स देना होगा। 12 महीने से कम समय के निवेश पर कमाया गया प्रॉफिट शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन कहलाता है। इस पर 15 फीसदी टैक्स देना पड़ता है। डेट फंड के मामले में टैक्स महंगाई को देखते हुए गिना जाता है। डेट फंड के लिए 36 महीने या उससे अधिक के निवेश को लॉन्ग टर्म और 36 महीने से कम समय के लिए किए गए निवेश को शॉर्ट टर्म गिना जाता है।

जरूरत पड़ने पर एफडी और गोल्ड पर लें लोन

सुझाव | बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल-फंड पर कर्ज जैसे विकल्पों पर भी कर सकते हैं गौर, पर्सनल लोन भी तुरंत काम करने के लिए होगा विकल्प

अगर आपको अचानक पैसे की जरूरत पड़ती है या बच्चों के दाखिले, गाड़ी शादी या बीमारी जैसी स्थिति में लोन लेने की जरूरत पड़ती है तो आपके सामने लोन लेकर काम करने के कई तरीके मौजूद हैं। मसलन आप जरूरत पड़ने पर एफडी पर लोन, गोल्ड लोन, म्यूचुअल फंड पर कर्ज ले सकते हैं। पर्सनल लोन भी एक विकल्प है। सभी की अपनी खूबियां और खामियां हैं। ब्याज दर, कर्ज तत्काल मिलने की सहूलियत और कम दस्तावेज की जरूरत इसके पैमाने हैं। इस आधार पर शॉर्ट-टर्म लोन का कौन सा विकल्प बेहतर हो सकता है? इस रिपोर्ट में हम ऐसे ही सवालों जवाब देंगे जो आपको जरूरत पड़ने पर कम समय में और कम दस्तावेजों में सही समय पर सही ब्याज दर पर लोन लेने के लिए काम आ सकते हैं।

म्यूचुअल फंड लोन

म्यूचुअल फंड लोन लेने से पहले आपको बाजार से जुड़े जोखिम का भी ध्यान रखना होगा। कई बैंक लोन के लिए सिक्युरिटी के तौर पर म्यूचुअल फंड का इस्तेमाल कर आपको लोन दे सकते हैं। इसकी ब्याज दर अभी 12-14% है। इसमें लंबी अवधि का निवेश भी बना रहता है और जरूरी कैश भी मिल जाता है। हालांकि, शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। अगर लोन चुकाने से पहले म्यूचुअल फंड यूनिट्स की कीमत गिर जाती है, तो आपको लोन का अनुपात बनाए रखने के लिए अतिरिक्त यूनिट्स बेचने पड़ सकते हैं। इससे नुकसान हो सकता है। इस पहलू का हमेशा ध्यान रखना चाहिए। इसके बाद ही म्यूचुअल फंड लोन के बारे में सोचना चाहिए। वरना लंबी अवधि में आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है।

पर्सनल लोन

आपके लिए जरूरत के समय में सबसे सुगम पर्सनल लोन भी हो सकता है, लेकिन इस पर ब्याज दर थोड़ी ज्यादा होती है। इसलिए ज्यादा जरूरी होने पर ही पर्सनल लोन की ओर रुख करें और जितना जल्दी हो इसे चुकाने का प्रयास करें। पर्सनल लोन पर इस साल 17-18% तक ब्याज चुकाना पड़ रहा है। ये पैसे की तत्काल जरूरत पूरी करने के सबसे अच्छे विकल्पों में से एक हैं, पर इन्हें जल्द चुका देना चाहिए। लेकिन क्रेडिट कार्ड पर कर्ज लेने से बचें। इन पर सालाना 30% या इससे भी ज्यादा ब्याज देना पड़ता है। वैसे ब्याज दर के मामले में अन्य विकल्प बेहतर हैं।

गोल्ड लोन

लोन के विकल्पों में गोल्ड लोन सबसे अच्छा हो सकता है। इसमें ब्याज दरें भी काफी कम होती हैं और आपका एसेट्स भी बैंक के पास सुरक्षित रहता है। ऐसे में आप गोल्ड लोन लेकर अपाना काम चला सकते हैं। इस समय सोने की कीमतें 75,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंचने के चलते इन दिनों गोल्ड लोन काफी आकर्षक बनकर उभर रहे हैं। गहने गिरवी रखने पर अब पहले से ज्यादा लोन मिलेगा। पर्सनल लोन की तुलना में इस पर कम दर (10-12%) से ब्याज लगता है। हालांकि यदि आप लोन चुकाने में चूक जाते हैं (डिफॉल्ट), तो आपका सोना जब्त किया जा सकता है। अतिरिक्त शुल्क भी लग सकते हैं।

एफडी पर लोन एफडी पर लोन लेने से कर्ज के साथ आपकी बचत भी बरकरार रहती है। इस पर ब्याज दर भी दूसरे लोन से काफी सस्ती होती है। आप बैंक एफडी को तोड़े बिना उस पर लोन ले सकते हैं। इस तरह बैंक में जमा बचत बरकरार रखने के फायदे के साथ ही जरूरी नकदी भी मिल जाती है। एफडी लोन पर लागू ब्याज दरें (12-15%) भी पर्सनल लोन की तुलना में कम हैं।

गिरते बाजार में भी आपको कौन फंड दे सकता है आकर्षक रिटर्न

बिजनेस डेस्क

- भारतीय शेयर बाजारों पर आम चुनाव का दिख रहा असर
- एक महीने के दौरान बेंचमार्क सूचकांक करीब दो फीसदी गिरे
- ऐसे में निवेश कहां निवेश करें, यह सबसे बड़ा सवाल है

शेयर बाजार में आम चुनाव का असर दिख रहा है। शेयर बजार में उतार चढ़ाव जारी है। बीएसई और एनएसई के सूचकांक कभी बढ़कर तो कभी घटकर बंद हो रहे हैं। लेकिन, पिछले एक महीने के दौरान बेंचमार्क सूचकांकों में करीब दो फीसदी की गिरावट आई है। बाजार विशेषज्ञ आने वाले महीनों में और गिरावट की भविष्यवाणी कर रहे हैं। दूसरी ओर, म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने वाले निवेशक असमंजस में हैं, क्योंकि उनको घाटा हुआ है और उनका भविष्य अस्पष्ट दिख रहा है। गिरते बाजार में मल्टी एसेट फंड ने पिछले एक साल में शानदार रिटर्न दिया है। निप्पॉन इंडिया मल्टी एसेट फंड और एसबीआई मल्टी एसेट फंड ने 32.26% और 28.24% का रिटर्न दिया है।

जानकारों का कहना है कि एक सच्चा मल्टी एसेट फंड वह है, जिसमें डायवर्सिफाइड एसेट एलोकेशन पोर्टफोलियो होता है। निवेशकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे एक मल्टी एसेट फंड चुनें जो उनके परिसंपत्ति आवंटन में बदलाव न करें। तभी किसी को मल्टी एसेट फंड का सच्चा लाभ मिलेगा।

क्या कहता है बाजार का नियम : बाजार का नियम कहता है कि एसेट क्लास अपने स्वयं के साइकल का पालन करते हैं। ऐसे में भविष्यवाणी करना कभी आसान नहीं होता है। इसलिए झुंड की मानसिकता का पालन करना और अपने पोर्टफोलियो में विविधता न लाना भी निवेश में घाटे का कारण हो सकता है। म्यूचुअल फंड विश्लेषकों का मानना है कि एक अच्छी तरह से विविधीकृत पोर्टफोलियो वाले निवेशक कहीं अधिक सुरक्षित होते हैं। यहीं पर मल्टी एसेट फंड में निवेश करना महत्वपूर्ण है।

क्या है मल्टी एसेट फंड : मल्टी एसेट फंड हाइब्रिड फंड हैं, जो विभिन्न एसेट क्लास जैसे इक्विटी, डेट, कमोडिटी और अन्य में निवेश करते हैं। सेबी के नियमों के मुताबिक मल्टी एसेट फंडों को अपने एसेट आवंटन में विविधता लाने के लिए तीन या अधिक अलग-अलग एसेट क्लास में से प्रत्येक में अपने कुल एयूएम का न्यूनतम 10% निवेश करना होगा।

अब छोटे शहरों में भी म्यूचुअल फंड का क्रेज, बढ़ रहे निवेशक

- कुल फिक्स्ड डिपॉजिट का 27% पहुंचा म्यूचुअल फंड एयूएम, दिल्ली और मुंबई को पीछे छोड़ रहे छोटे शहरों के निवेशक
- लोग पारंपरिक निवेश के विकल्पों से निकलकर एमएफ तरफ बढ़े

जानकारी | बिजनेस डेस्क

देश के निवेशकों में अब म्यूचुअल फंड का क्रेज बढ़ने लगा है। देखने में आ रहा है कि अब मुंबई, दिल्ली जैसे शहरों में ही नहीं, बल्की छोटे शहरों में भी म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का क्रेज बढ़ता जा रहा है। कुछ समय से छोटे शहरों के निवेश बड़े शहरों के निवेशकों को पछाड़ रहे हैं। म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों की संख्या दिनों दिन बढ़ रही है। लोग पारंपरिक निवेश के विकल्पों से निकलकर अब म्यूचुअल फंड का रुख कर रहे हैं। इसका अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि भारत में म्यूचुअल फंड का ओवरआल एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) देश में फिक्स्ड डिपॉजिट में कुल जमा का एक चौथाई से ज्यादा हो गया है। इसमें भी इक्विटी म्यूचुअल फंड का सबसे बड़ा योगदान है। इस बारे में एक एजेंसी ने बड़े विस्तार से अपनी रिपोर्ट में समझाया है कि म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री कैसे बढ़ रही है।

24 वर्ष में 57 गुना से ज्यादा बढ़ा एयूएम

म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री के कुल एयूएम में 24 साल में 57 गुना से ज्यादा तेजी आई है। जनवरी 2000 में म्यूचुअल फंड का एसेट अंडर मैनेजमेंट 1.02 लाख करोड़ था। यह अक्टूबर 2007 में बढ़कर 5.57 लाख करोड़, मई 2014 में 10.11 लाख करोड़, मई 2019 में 25.94 लाख करोड़ और अप्रैल 2024 में 57.26 लाख करोड़ हो गया।

फिक्स्ड डिपॉजिट का 27.6 फीसदी

देश में फिक्स्ड डिपॉजिट निवेश का पॉपुलर विकल्प है, लेकिन अभी म्यूचुअल फंड एसेट अंडर मैनेजमेंट कुल एफडी का 27.6 फीसदी हो गया है। यह मार्च 2014 में 10.7 फीसदी, मार्च 2019 में 19.5 फीसदी था, जबकि अप्रैल 2024 में बढ़कर 27.6 फीसदी हो गया।

इक्विटी क्लास का सबसे अधिक योगदान

सबसे ज्यादा निवेशक म्यूचुअल फंड की इक्विटी क्लास को पसंद कर रहे हैं। एक साल में इक्विटी एयूएम 23 लाख करोड़ से बढ़कर 34 लाख करोड़ हो गया है। अप्रैल 2024 में कुल एसेट्स में इक्विटी की हिस्सेदारी 60 फीसदी हो गई, जो अप्रैल 2023 में 55 फीसदी थी। अन्य कैटेगरी डेट फंड, हाइब्रिड फंड और लिक्विड फंड हैं।

4.53 करोड़ हुए निवेशक

म्यूचुअल फंड निवेशकों की संख्या अप्रैल 2024 में बढ़कर 4.53 करोड़ हो गई है। पिछले 12 महीने में 74 लाख नए निवेशक जुड़े हैं। एक साल पहले यानी अप्रैल 2023 की बात करें तो तब एक साल में कुल 36 लाख नए निवेशक जुड़े थे।

एसआईपी से बढ़ रहा है निवेश

निवेशक सिस्टमैटिकल इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) पर भरोसा जता रहे हैं। दिसंबर 2017 में एसआईपी के जरिए कुल निवेश 6222 करोड़ रुपये था। यह अप्रैल 2024 में बढ़कर 20371 करोड़ हो गया. अप्रैल 2024 तक इक्विटी म्यूचुअल फंड के कुल एयूएम में एसआईपी एयूएम की हिस्सेदारी 27 फीसदी हो गई, जो एक साल पहले 26 फीसदी थी।

टॉप शहरों के बाहर भी बढ़े निवेशक

म्यूचुअल फंड का क्रेज सिर्फ देश के टॉप शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अब दूसरे शहरों में भी फैल रहा है। मार्च 2029 में दिल्ली और मुंबई से इसमें 47 फीसदी निवेश आ रहा था, जबकि नेक्स्ट टॉप 13 शहरों से 28 फीसदी व अन्य शहरों से 25 फीसदी। अप्रैल 2024 की बात करें तो दिल्ली और मुंबई से इसमें 39 फीसदी निवेश आ रहा है, जबकि नेक्स्ट टॉप 13 शहरों से 26 फीसदी व अन्य शहरों से 35 फीसदी निवेश। महाराष्ट्र अभी भरी टॉप स्टेट है, जिसके बाद दिल्ली, कर्नाटक, गुजरात, पश्चिम बंगाम और उत्तर प्रदेश का नंबर है।

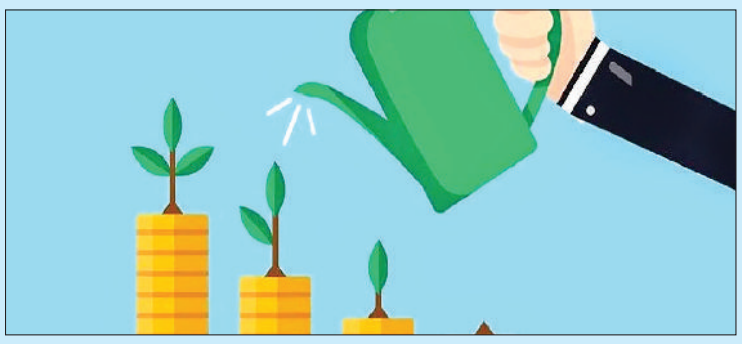

कैसे काम करता है म्यूचुअल फंड?

म्यूचुअल फंड में आपके पैसे को इनवेस्ट करने और उससे रिटर्न कमाकर देने की जिम्मेदारी म्यूचुअल फंड हाउस की होती है। ये वो कंपनी होती है जो आपका निवेश मैनेज करती हैं। इसे असेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) कहते हैं। म्यूचुअल फंड में निवेश का सबसे बड़ा फायदा यह है कि आपका निवेश का काम अनुभवी फंड मैनेजर संभालते हैं। दूसरा फायदा ये कि एफएफ सेबी के नियम और कानून के दायरे में आते हैं, इसलिए सुरक्षित भी माने जाते हैं। म्यूचुअल फंड अन्य निवेश के इंस्ट्रूमेंट्स के मुकाबले कम रिस्की माना जाता है। क्योंकि एमएफ में निवेशकों का पैसा किसी एक जगह न लगाए जाने की बजाय कई किस्मों के इंस्ट्रूमेंट में लगाया जाता है। जैसे-शेयर, सरकारी बॉन्ड, कॉरपोरेट बॉन्ड, गोल्ड वगैरह। इसका सबसे बड़ा फायदा ये है कि अगर किसी एक जगह निवेश से अच्छा रिटर्न न मिल पाया तो अन्य इंस्ट्रूमेंट से इसकी भरपाई हो जाती है। इस तरह औसतन रिटर्न अच्छा रहता है। ये फायदा किसी अन्य निवेश साधन में नहीं मिलता।

आईपीएल

ऑरेंज कैप | **पर्पल कैप**

विराट कोहली — **741 रन** — बेंगलोर

हर्षल पटेल — **24 विकेट** — पंजाब

बाउंड्री मीटर

2156 चौके

1251 छक्के

स्कोर बोर्ड

सेंथिलकुमार, अभय क्वार्टर फाइनल में हारे

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्क्वाश चैंपियन वेलावान सेंथिल कुमार ने दोहा में पीएसए विश्व टूर ब्रांज टूर्नामेंट क्यूएसएफ 3 में शीर्ष वरीयता प्राप्त दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी मिस्र के तारिक मोमिन के खिलाफ काफी संघर्ष किया लेकिन जीत नहीं सके। दुनिया के 55वें नंबर के खिलाड़ी सेंथिल कुमार को मोमिन ने 11-9, 8-11, 11-4, 11-8 से हराया। एशियाई खेलों के पदक विजेता भारत के अभय सिंह को मलेशिया के इयेन योउ एंग ने 11-6, 11-9, 11-4 से हराया।

भारत ने बेल्जियम को शूटआउट में हराया

एंटवर्प। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने बेल्जियम को शूटआउट में 4-2 से हरा दिया जबकि निर्धारित समय तक स्कोर 2-2 से बराबर था। कनिका सिवाच ने भारत के लिये दो गोल किए। भारत ने पहले ही क्वार्टर में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके 2-0 की बढ़त बना ली। दूसरे क्वार्टर में कोई गोल नहीं हो सका और हाफटाइम तक भारत की बढ़त कायम रही। तीसरे क्वार्टर में बेल्जियम को पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन गोल नहीं हो सका। आखिरी क्वार्टर में बेल्जियम ने लगातार दो गोल करके मुकाबले को शूटआउट में खींचा जिसमें भारत ने बाजी मारी।

'गुरु' गंभीर की नाइट राइडर्स के सामने कप्तान कमिंस के जांबाज सनराइजर्स की कठिन चुनौती

चेन्नई। एक तरफ क्रिकेट के कुशल रणनीतिकार गौतम गंभीर के कोलकाता नाइट राइडर्स और दूसरी तरफ आक्रामक बल्लेबाजी की नई परिभाषा गढ़ने वाले पैट कमिंस के सनराइजर्स हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग में इस सत्र का सरताज बनने के लिए आखिरी तिलिस्म पर दोनों बेहतरीन टीमों के बीच रविवार को खिताबी मुकाबले में दर्शकों के लिए रोमांचक क्रिकेट की गारंटी रहेगी। आम तौर पर खेल में मुकाबले कप्तानों और उनकी टीमों के बीच होते हैं लेकिन यह आईपीएल फाइनल दीगर है। इसमें एक तरफ 'कोरबो, लोड़बो, जीतबो' की सोच रखने वाले गंभीर का दिमाग है तो दूसरी तरफ एक ऐसा आस्ट्रेलियाई कप्तान है जिसने टीम को विजेताओं वाले तेवर दिए हैं। केकेआर के कप्तान के रूप में दूसरा आईपीएल फाइनल खेलने जा रहे श्रेयस अय्यर इस महामुकाबले में सहायक भूमिका में नजर आ रहे हैं।

छह महीने में जीती 3 ट्रॉफी

एक दशक पहले किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि कमिंस छह महीने के भीतर वनडे विश्व कप, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और एशेज जीतने वाले कप्तान बनेंगे। अब अगर वह सनराइजर्स को आईपीएल खिताब भी दिला देते हैं तो यह सोने पे सुहागा होगा। दोनों टीमों की टक्कर पहले क्वालीफायर में हुई थी जिसमें केकेआर ने सनराजइर्स को उम्दा गेंदबाजी के दम पर हराया था।

आईपीएल : फाइनल आज

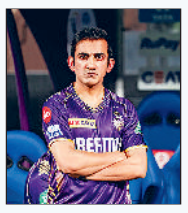

दो बार खिताब जीत चुके गंभीर

केकेआर ने पिछली बार चेन्नई में 2012 में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल फाइनल खेला था जिसमें बतौर कप्तान गंभीर ने खिताबी जीत दर्ज की थी। गंभीर की कप्तानी में केकेआर ने फिर 2014 में खिताब जीता और अब वह बतौर मेंटोर भी इसी टीम को खिताब दिलाने की दहलीज पर हैं। वह भारतीय टीम के मुख्य कोच बनने के सबसे प्रबल दावेदार भी है और आईपीएल खिताब से उनका दावा और पुख्ता होगा।

पावर हिटर को चुनौती देंगे तूफानी गेंदबाज

टीमों की तुलना करें तो केकेआर के पास सुनील नारायण, आंद्रे रसेल, रिंकू सिंह, श्रेयस और वेंकटेश अय्यर जैसे मैच विनर के साथ नीतिश और हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती जैसा स्पिनर है। दूसरी तरफ सनराइजर्स के लिए घरेलू क्रिकेटर अभिषेक शर्मा और नीतिश रेड्डी के अलावा भुवनेश्वर कुमार, टी नटराजन और जयदेव उनादकट ने अच्छा प्रदर्शन किया है।

फार्म में सनराइजर्स

रॉयल्स को कठिन पिच पर 36 रन से हराने के बाद सनराइजर्स का मनोबल बढ़ा है लेकिन चेपॉक का विकेट वरूण (20 विकेट) और नारायण (16 विकेट) के अनुकूल होगा जो इस सत्र में शानदार फॉर्म में हैं। सनराइजर्स के स्पिनरों अभिषेक और शाहबाज अहमद ने पिछले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया। बल्लेबाजी में ट्रेविस हेड और हेनरिच क्लासेन के अलावा अभिषेक, राहुल त्रिपाठी और रेड्डी को रन बनाने होंगे।

केकेआर के पास विजेताओं वाले तेवर

केकेआर के युवा तेज गेंदबाज हर्षित और वैभव अरोड़ा को हेड के बल्ले को खामोश रखना होगा जो अभी तक 567 रन बना चुके हैं। इस आईपीएल फाइनल में टी20 विश्व कप की भारतीय टीम का कोई भी खिलाड़ी नहीं है। केकेआर के रिंकू सिंह रिजर्व खिलाड़ी हैं। इससे साबित होता है कि आईपीएल वे ही टीमें जीतती हैं जिनके खिलाड़ियों के पास कोई 'आरेंज' या 'परपल' कैप नहीं होती बल्कि गंभीर और कमिंस जैसे मार्गदर्शकों से उन्हें विजेताओं वाले तेवर मिलते हैं।

कोलकाता नाइट राइडर्स

श्रेयस अय्यर (कप्तान), केएस भरत, रहमानुल्लाह गुरबाज, रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, शेरफेन रदरफोर्ड, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, नीतिश राणा, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नारायण, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, हर्षित राणा, सुयश शर्मा, मिशेल स्टार्क, दुष्मंथा चमीरा, साकिब हुसैन, मुजीब उर रहमान, गट एटिकिंसन, अल्लाह गजांफर।

सनराइजर्स हैदराबाद

पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, हेनरिक क्लासेन , एडेन मार्कराम, अब्दुल समद, नितीश रेड्डी, शाहबाज अहमद, भुवनेश्वर कुमार, जयदेव उनादकट, टी नटराजन, मयंक मार्कंडेय, उमरान मलिक, अनमोलप्रीत सिंह, ग्लेन फिलिप्स , राहुल त्रिपाठी, वाशिंगटन सुंदर, उपेंद्र यादव, जे सुब्रमण्यन, सनवीर सिंह, विजयकांत व्यासकांत, फजलहक फारूकी, मार्को यानसेन, आकाश महाराज सिंह, मयंक अग्रवाल।

भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने जीता स्वर्ण पदक, मिश्रित टीम को रजत

एजेंसी ▶▶| येचियोन

तीरंदाजी विश्व कप

ज्योति सुरेखा वेन्नम, परनीत कौर और अदिति स्वामी की भारतीय तिकड़ी ने तीरंदाजी विश्व कप में महिला कंपाउंड वर्ग में लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीता जबकि मिश्रित टीम को रजत पदक मिला। दुनिया की नंबर एक भारतीय टीम ने तुर्की की हेजल बुरुन, एइसे बेरा सुजेर और बेगम युवा की टीम को 232-226 से हराकर एक भी सेट गंवाए बिना पहला स्थान हासिल किया।

एशियाई खेल चैंपियन ज्योति हालांकि दूसरा स्वर्ण नहीं जीत सकी और प्रियांश के साथ कंपाउंड मिश्रित टीम फाइनल में अमेरिका की ओलिविया डीन और सायेर सुलिवान की जोड़ी से 155-153 से हार गई।ज्योति, परनीत और विश्व चैंपियन अदिति ने विश्व कप स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाई। उन्होंने पिछले महीने शंघाई में विश्व कप के पहले चरण में इटली को हराकर स्वर्ण जीता था। वहीं पिछले साल पेरिस में चौथे चरण में भी स्वर्ण हासिल किया था।

महिला टीम का शानदार प्रदर्शन

कंपाउंड महिला टीम फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय टीम ने पहले दौर में सेंटर के पास तीन एक्स के साथ आगाज किया और अगले तीन तीरों पर एक एक अंक ही गंवाया। छह तीर के दूसरे दौर में भारत ने पांच परफेक्ट 10 और दो एक्स तथा एक 9 के स्कोर के साथ बढ़त चार अंक की कर ली। तीसरे दौर में तुर्की ने चार 10, एक एक्स लगातार वापसी की पूरी कोशिश की लेकिन भारत के पाच चार अंक की बढ़त थी। भारत ने एक बार फिर तीन 10 और एक एक्स के साथ 58 स्कोर करके जीत दर्ज की।

अभिमन्यु ने दूसरे दौर में प्रवेश किया

बैंकॉक। राष्ट्रीय चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता अभिमन्यु लौरा ने शानदार जज्बा दिखाते हुए शनिवार को यहां पेरिस ओलंपिक के लिए मुक्केबाजी विश्व क्वालीफायर के 80 किग्रा वर्ग के पहले दौर में बुल्गारिया के क्रिस्टियन निकोलोव पर जीत दर्ज की। अभिमन्यु ने धीमी शुरुआत की जिससे बुल्गारिया के 10 बार के राष्ट्रीय चैंपियन निकोलोव ने पहले राउंड में दबदबा बना लिया। पर 21 साल के भारतीय मुक्केबाज ने तेजी से रणनीति बदली और दूसरे राउंड में आक्रामक हो गए जिससे पांच में से चार जजों ने उनके हक में अंक दिए। इस भारतीय ने तीसरे और अंतिम राउंड में तेजी से मुक्के जड़ना जारी रखते हुए 3-0 से मुकाबला जीत लिया।

बैडमिंटन

पीवी सिंधु मलेशिया मास्टर्स खिताब से एक कदम दूर

एजेंसी ▶▶| कुआलालंपुर

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू ने शनिवार को यहां थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान के खिलाफ पिछड़ने के बाद शानदार जीत दर्ज करते हुए 4,20,000 डॉलर (लगभग 3.49 करोड़ रुपए) पुरस्कार राशि वाले मलेशिया मास्टर्स बैडमिंटन के फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

पिछले दो साल से एक भी खिताब जीतने में नाकाम रही पांचवीं वरीयता प्राप्त सिंधू ने बीडब्लूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में 88 मिनट तक चले मैराथन मुकाबले में दुनिया की 20वें नंबर की बुसानन के खिलाफ 13-21, 21-16, 21-12 से जीत हासिल की। सिंधू ने इससे पहले 2022 सिंगापुर ओपन को अपने नाम करने में सफल रही थी और पिछले साल मैड्रिड स्पेन मास्टर्स में उपविजेता रही थी। यह बुसानन पर 19 मैचों में उनकी 18वीं जीत थी।

बुसानन ने सिंधू को सिर्फ एक बार 2019 हांगकांग ओपन में शिकस्त दी है। विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सिंधू के सामने फाइनल में चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त वांग झांग यी की चुनौती होगी। विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर काबिज झांग के खिलाफ तीन मैचों में सिंधू ने दो जीत दर्ज की है।

टीम में नहीं चुने गए, फाइनल में पहुंचकर दिया मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली। आईपीएल 2024 सीजन के समापन का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। रविवार को चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम पर होने वाले फाइनल मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स की भिड़ंत सनराइजर्स हैदराबाद से होगी। ये दोनों टीमें इस सीजन शानदार फॉर्म में रही और ग्रुप चरण में तालिका में शीर्ष दो पर रही थी। आईपीएल के मौजूदा सीजन के बाद अमेरिका और वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप का आयोजन होना है जिसके लिए भारतीय टीम की घोषणा हो चुकी है। दिलचस्प बात यह है कि आईपीएल 2024 की शीर्ष दो टीमों में से कोई भी खिलाड़ी इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं बना पाया।

हरिभूमि क्लासीफाइड विज्ञापन

ज्योतिष

सबको आजमाया बार-बार
हमें आजमाये सिर्फ एक बार
तंत्र-मंत्र के सम्राट
जिसे होगा ज्ञान वही करेगा काम
सभी समस्याओं का समाधान
बाबा अकबर खान
स्पे. प्रेम विवाह, किया कराया, कारोबार, शादी में रूकावट
गृहक्लेश, विदेश यात्रा, मुठकरनी, सौतन व दुश्मन से छुटकारा,
A to Z सभी समस्याओं का तुरंत समाधान पायें।
9810842229
बी-5, बलराम हाऊस, मिलने सिनेमा के सामने, करमपुरा, नई दिल्ली-110015

जॉब

(फ्रॉड कॉल से सावधान)
RELIANCE JIO 5G कंपनी (SMS SENDING JOB) करके लड़के- लडकियां, गृहणियां, घरबैठे कमाएं (21500- 48500) महीना (लैपटॉप + मोबाइल मुफ़्त) NAME, पता QUALIFICATION, CALL /SMS / WHATSAPP करें :- 07827428113, 07679699330

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम शूटआउट में बेल्जियम से 1-3 से हारी

एंटवर्प (बेल्जियम)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पिछले मैच की तुलना में शनिवार को यहां एफआईएच प्रो लीग मैच में बेहतर प्रदर्शन दिखाया लेकिन नियमित समय में 2-2 की बराबरी के बाद शूटआउट में मौजूदा ओलंपिक चैम्पियन बेल्जियम से 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज भारत को इस मैच से एक अंक मिला जबकि शूटआउट जीतकर बोनस अंक से बेल्जियम को दो अंक मिले।

अराईजीत सिंह हुंडाल ने भारत को 11वें मिनट में मैदानी गोल से बढ़त दिला दी लेकिन विश्व रैंकिंग की तीसरे नंबर की टीम बेल्जियम के लिए फेलिक्स डेनायर ने 30वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर हाफ टाइम से महज कुछ सेकेंड पहले स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। फ्लोरेंट वान ऑबेल ने 50वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से गोल कर बेल्जियम को बढ़त दिलायी लेकिन सुखजीत सिंह ने 57वें मिनट में अपनी टीम को 2-2 की बराबरी पर ला दिया। शूटआउट में केवल सुखजीत सिंह ही भारत के लिए गोल कर सके जबकि विवेक सागर प्रसाद, अभिषेक और अराईजीत सिंह हुंडाल चूक गये। बेल्जियम के लिए विलियम घिस्लेन, फ्लोरेंट वान ऑबेल और गौथियर बोकार्ड ने गोल किये जबकि आर्थर डि स्लूवर चूक गये। भारत को शुक्रवार को हुए मैच में इसी प्रतिद्वंद्वी से 1-4 से हार मिली थी। इससे पहले हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली भारतीय टीम ने बुधवार को अर्जेंटीना को शूटआउट में 5-4 से मात दी थी। भारतीय टीम अब रविवार को फिर अर्जेंटीना से खेलेगी।

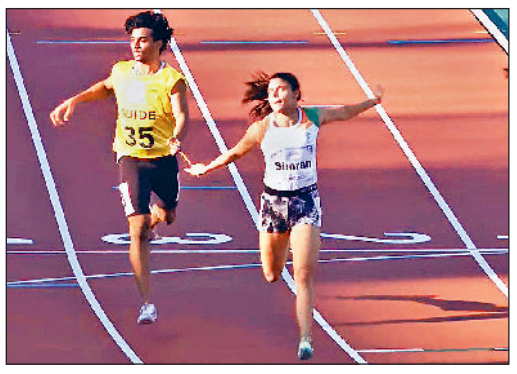

विश्व पैरा चैंपियनशिप में सिमरन ने जीता स्वर्ण

एजेंसी ▶▶| कोबे

सिमरन शर्मा ने महिलाओं की 200 मीटर टी12 स्पर्धा में 24.95 सेकंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकालकर भारत को विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शनिवार को छठा स्वर्ण पदक दिलाया।

सिमरन का इससे पहले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 25.16 सेकंड था। डोमिनिका की डारलेनिस डि ला सेवेरिनो को रजत और लोरेन गोम्स डि एगुइयार को कांस्य पदक मिला। टी12 वर्ग में दृष्टिबाधित खिलाड़ी भाग लेते हैं। भारत के अब छह स्वर्ण, पांच रजत और छह कांस्य समेत 17 पदक हो गए हैं। यह भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले पेरिस में 2023 में भारत ने तीन स्वर्ण, चार रजत और तीन कांस्य पदक जीते थे। इससे पहले भारत को पुरुषों की एफ46 भालाफेंक स्पर्धा में दूसरे स्थान पर रहे श्रीलंका के दिनेश प्रियंथा हेराथ के खिलाफ शिकायत सही साबित होने पर रजत और कांस्य पदक दिया गया है। पुरुषों के एफ46 भालाफेंक में भारत के रिंकू हुड्डा और अजीत सिंह तीसरे और चौथे स्थान पर रहे थे।

बेदब्रत भराली ने विश्व युवा भारोत्तोलन में जीता स्वर्ण

नई दिल्ली। असम के युवा भारोत्तोलक बेदब्रत भराली ने पेरू के लीमा में चल रही आईडब्लूएफ विश्व युवा चैंपियनशिप में पुरुषों के 73 किलो वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। सत्रह बरस के भराली ने 296 किलो (स्नैच में 136 और क्लीन एंड जर्क में 160 किलो) वजन उठाया। अमेरिका के रियान मैकडोनाल्ड 284 किलो वजन उठाकर दूसरे और यूक्रेन के सेरही कोतेलेवस्की 283 किलो वजन उठाकर तीसरे स्थान पर रहे। भराली ने पिछले साल 67 किलोवर्ग में तीसरा स्थान हासिल किया था। साइराज परदेशी ने पुरुषों के 81 किलो वर्ग में स्नैच में 135 किलो वजन उठाकर कांस्य पदक जीता। वह समग्र श्रेणी में एक किलो से पदक से चूककर चौथे स्थान पर रहे।

60 या उससे ज्यादा शतक जड़ने वाले बने चौथे भारतीय खिलाड़ी

पुजारा ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में जड़ा 65वां शतक

एजेंसी ▶▶| लाइर्स

इंग्लैंड में इस समय विटैलिटी काउंटी चैम्पियनशिप खेली जा रही है। सक्सेस के लिए खेलते हुए भारत के अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने सीजन का दूसरा शतक जड़ दिया है। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में यह पुजारा की 65वीं सेंचुरी है। इस शतक के जरिए पुजारा का नाम सचिन और गावस्कर की सूची में शामिल हो गया।

मिडलसेक्स काउंटी क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। सक्सेस ने ठोस शुरुआत की। सलामी बल्लेबाजों के बीच 66 रन की साझेदारी हुई। दूसरे विकेट के लिए 80 रन की। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए चेतेश्वर पुजारा ने एक छोर संभाला। संभलकर खेलते हुए पहले अपना अर्धशतक पूरा किया, फिर शानदार शतक जड़ा।

सक्सेस के लिए जड़ा 10वां शतक

चेतेश्वर पुजारा ने लॉर्ड्स में सक्सेस की तरफ से खेलते हुए इस सीजन का दूसरा शतक जड़ा। अनुभवी बल्लेबाज ने 258 गेंद में 12 चौकों की मदद से अपना शतक पूरा किया। पुजारा ने कुछ सप्ताह पहले 113 रन बनाए थे, जिसकी बदौलत ससेक्स ने डर्बीशायर को 124 रन से हराया था। यह इस काउंटी सत्र का उनका पहला शतक भी था। इससे अलावा पुजारा सक्सेस के लिए 10 शतक जड़ चुके हैं।

द्रविड़ के रिकॉर्ड पर नजर

इन दोनों शतकों की मदद से पुजारा के नाम प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 65 शतक हो चुके हैं। वह चौथे ऐसे भारतीय खिलाड़ी बने जिन्होंने 60 या उससे ज्यादा प्रथम श्रेणी शतक बनाए हैं। पुजारा से आगे सचिन तेंदुलकर, सुनील गावस्कर और राहुल द्रविड़ हैं। सचिन और गावस्कर ने 81-81 प्रथम श्रेणी शतक जड़े हैं। वहीं, राहुल द्रविड़ के नाम 68 शतक दर्ज हैं।

कनाडा इमीग्रेशन नियमों में बदलाव से आया बड़ा संकट

कनाडा के वीजा नियमों में बदलाव भारतीय छात्रों पर भी पड़ेगा असर

एजेंसी ▶▶| कनाडा

कनाडा की ट्रूडो सरकार ने पढ़ाई करने के लिए विदेश से आने वाले छात्रों के लिए नियमों में बदलाव किए हैं। ट्रूडो सरकार का कहना है कि देश में खाने-पीने की चीजों की बढ़ती कीमतों और हाउसिंग की समस्याओं के चलते ये बदलाव किए गए हैं।

कनाडा ने विदेश से आने वाले छात्रों के लिए स्टूडेंट वीजा की संख्या को घटाकर 3,60,000 कर दिया है। पिछले साल के मुकाबले ये 35 प्रतिशत कम है। कनाडा के इमिग्रेशन डिपार्टमेंट ने कहा कि नीति अस्थायी है और महज 2 साल के लिए हैं।

ओटावा स्थित हाई कमीशन के मुताबिक, कनाडा में विदेश से आकर पढ़ने वालों में भारतीयों की संख्या सबसे ज्यादा में है। फिलहाल 2.3 लाख भारतीय छात्र कनाडा में पढ़ाई कर रहे हैं।

कनाडा ने विदेश से आने वाले छात्रों के लिए स्टूडेंट वीजा की संख्या को घटाकर 3,60,000 कर दिया है। पिछले साल के मुकाबले ये 35 प्रतिशत कम है

फिलहाल 2.3 लाख भारतीय छात्र कनाडा में पढ़ाई कर रहे

3 साल के वर्क परमिट की मंजूरी दी

कनाडा सरकार की ओर से नीतियों में किया गया ये बदलाव भारतीय छात्रों को अमेरिका, युनाइटेड किंगडम और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में पढ़ाई के लिए जाने के लिए बाध्य करेगा । नए प्रस्ताव के मुताबिक, पोस्ट ग्रैजुएट कर्मियों के लिए भी नई सीमा तय की गई है। इसका उद्देश्य उन्हें अपने देशों की ओर वापस लौटने में प्रेरित करना है। कभी ये परमिट कनाडा में हमेशा के लिए ठहरने का आसान तरीका माने जाते थे। नियमों में बदलाव करते हुए मास्टर्स या पोस्ट डॉक्टरेट प्रोग्राम करने वालों को 3 साल के वर्क परमिट की मंजूरी दी गई है। विदेशी छात्रों के उन ही स्पाउस यानी जीवनसाथी को ओपन वर्क परमिट दिया गया है, जो मास्टर्स या डॉक्टरेट प्रोग्राम कर रहे हैं। ग्रैजुएट या कॉलेज के छात्रों के स्पाउस के लिए ओपन वर्क परमिट नहीं होगा।

कनाडा में भारतीय छात्रों की संख्या 2 लाख से ज्यादा

विदेश में पढ़ाई करने की इच्छा रखने वाले भारतीय छात्रों के लिए कनाडा हॉट स्पॉट रहा है। विदेश मंत्रालय के डेटा के मुताबिक, 2 लाख से ज्यादा छात्र कनाडा गए। इसके बाद अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात जाने वालों की छात्रों की तादाद रही। यूके और ऑस्ट्रेलिया जाने वालों की संख्या क्रमशः 50,000 और 90,000 के करीब रही। कितना पड़ेगा प्रभाव? विदेशों से आने वाले छात्र ही इन नए नियमों से प्रभावित नहीं होंगे. रॉयटर्स के मुताबिक, विश्वविद्यालयों को नए नियमों के चलते सालाना बिलियन का नुकसान होगा। कई संस्थान, जो अच्छे इनफ्लो की उम्मीद जता रहे थे, उन्हें निराशा हाथ लग सकती है।देते हैं। हालांकि, कनाडा के बैंक्स को इन नए नियमों से फायदा हुआ है. विदेश से आने वाले सभी छात्रों को 20,000 से ज्यादा कनाडाई डॉलर रखना अनिवार्य कर दिया गया है।

भारतीय छात्र कर रहे विरोध

अप्रवासियों के स्वागत में कनाडा हमेशा उदार रहा है। अब इसका सबसे छोटा प्रांत, प्रिंस एडवर्ड आइलैंड्स (पीईआई) अपने आव्रजन परमिट में कटौती कर रहा है और निर्वासन का सामना कर रहे भारतीय छात्र इसका विरोध कर रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार भारतीय अप्रवासियों के खिलाफ हैं। कनाडा के एक प्रांत, प्रिंस एडवर्ड आइलैंड्स (पीईआई) ने कुछ नियम बदल दिए हैं। नियमों में बदलाव का असर अंतरराष्ट्रीय छात्रों पर पड़ा है। सैकड़ों भारतीय छात्र निर्वासन का सामना कर रहे हैं और आव्रजन नियमों में बदलाव के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। नियम क्यों बदले गए और वे अभी और अप्रवासी क्यों नहीं चाहते। कनाडा में प्रिंस एडवर्ड आइलैंड्स (पीईआई) में आव्रजन नीति में बदलाव के केंद्र में आवास, स्वास्थ्य देखभाल और नौकरियों के मुद्दे थे। इमिग्रेशन परमिट में 25 फीसदी की कटौती की गई। स्थानीय लोगों को लगता है कि उनके प्रांत में रहने वाले अप्रवासी उनके अवसर छीन रहे हैं। पीईआई प्रीमियर ने खुलासा किया कि वह प्रांतीय नामांकित कार्यक्रम के माध्यम से स्थायी निवास के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रवासियों की संख्या को कैसे कम करना चाहता है। नई नीति सेवा क्षेत्रों, खाद्य और खुदरा क्षेत्र के बजाय स्वास्थ्य देखभाल, बाल देखभाल और निर्माण पर केंद्रित है।

प्रशासन की तरफ से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है

केन्या में सोने की खदान ढहने से 5 लोगों की मौत, कई लापता

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

उत्तरी केन्या में एक हादसा हुआ जिसमें खदान के ढहने से कम से कम पांच लोगों की मोत हो गई है। अधिकारियों और स्थानीय मीडिया ने कहा कि कई लोग लापता हो गए हैं। हिलो आर्टिसानल खदान में पांच लोगों के शव मिले हैं।

अभी तीन और लोग लापता हैं। उनका पता लगाने की कोशिश की जा रही है। एक अधिकारी पॉल रोटिच ने कहा कि बचाव आर्टिसनल खदान में कई सारे लोग काम कर रहे थे। अचानक से खदान ढह गई और सारे लोग जिंदा ही दफन हो गए। पांच शवों को बरामद कर लिया गया है। वहीं, तीन अन्य लोगों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस और प्रशासन की तरफ से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। सभी लापता लोगों की तलाश तेज कर दी गई है।

अफ्रीका के कई देशों में सोने के भंडार

अफ्रीका के कई देशों में सोने के भंडार हैं। यहां पर बड़ी मात्रा में सोने का खनन किया जाता है। इतना ही नहीं, गोल्ड सिटी ऑफ वर्ल्ड भी दक्षिण अफ्रीका में ही है। विटवासरसैंड नाम की यह खदान साउथ अफ्रीका के गौटेंग में मौजूद है। यहां का सबसे बड़ा शहर जोहान्सबर्ग है। यहां के विशाल गोल्ड भंडार ने दुनिया के कुल सोने के उत्पादन का 40 फीसदी से ज्यादा उत्पादन किया है।

खनन के काम में लगे कई लोग

केन्या की खदानों में करीब 25000 से ज्यादा लोग काम करते हैं। इनमें से 40 फीसदी महिलाएं हैं। खनन काम की वजह से कम से कम 800000 लोगों की आजीविका चल रही है। इथियोपिया के एक व्यक्ति ने बताया कि खनन का काम सबकुछ किस्मत का खेल है। कई लोग महीनों तक खुदाई करते हैं और कुछ ग्राम सोना हासिल कर पाते हैं।

चीन ने युद्धाभ्यास में की कब्जे की तैयारी

चीन की धमकी, कहा- जब तक ताइवान हमारा हिस्सा नहीं बनता, सैन्य कार्रवाई करते रहेंगे

एजेंसी ▶▶| बीजिंग

ताइवान में नए राष्ट्रपति के शपथ लेने के 4 दिन बाद चीन ने ताइवान को जंग की धमकी दी है।

चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता वू कियान ने कहा है कि जब तक ताइवान चीन का हिस्सा नहीं बन जाता, इलाके में मिलिट्री एक्शन जारी रहेगा। दरअसल, चीन ने ताइवान के घेरकर चल रही अपनी 2 दिवसीय मिलिट्री ड्रिल पूरी की।

अमेरिका-चीन के रिश्तों में ताइवान सबसे बड़ा फ्लैश पॉइंट

अमेरिका ने 1979 में चीन के साथ रिश्ते बहाल किए और ताइवान के साथ अपने डिप्लोमैटिक रिश्ते तोड़ लिए। हालांकि चीन के ऐतराज के बावजूद अमेरिका ताइवान को हथियारों की सप्लाई करता रहा।

ताइवान में नए राष्ट्रपति के चुनाव से गुस्से में चीन

ताइवान में इसी साल राष्ट्रपति पद के चुनाव हुए। इसमें चीन विरोधी नेता विलियम लाई चिंग ते को जीत हासिल हुई। चीन ने ताइवान को चेतावनी दी थी कि जनता ने सही विकल्प नहीं चुना तो उन्हें इसकी सजा दी जाएगी।

'नासा' बेंगलुरु में बोले यूएस के राजदूत

आईएसएस के लिए जल्द भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को उन्नत प्रशिक्षण

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नासा जल्द ही भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को इस साल या फिर अगले साल की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर एक संयुक्त मिशन भेजने के लिए उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करेगा। भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने दी है। गार्सेटी हाल ही में बेंगलूरू में आयोजित यूएस-इंडिया कमर्शियल स्पेस कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए थे। कार्यक्रम यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल (यूएसआईबीसी) और यूएस कमर्शियल सर्विस (यूएससीएस) द्वारा आयोजित किया गया था।

प्रगति से काफी खुश हूं: सोमनाथ

कार्यक्रम को इसरो अध्यक्ष एस सोमनाथ ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे समझौते करने के लिए मुझे भारत और अमेरिका के दूरदर्शी नेताओं की सोच को सलाम करना चाहिए। मैं इस प्रगति से काफी खुश हूं। यूएसआईबीसी के प्रबंध निदेशक अलेक्जेंडर स्लेटर ने कहा कि कार्यक्रम नवाचारों को बढ़ावा देने और अंतरिक्ष उद्योग को

नासा-इसरो मिलकर लॉन्च करेंगे उपग्रह

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गार्सेटी ने कहा कि नासा जल्द ही भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करेगा। यह दोनों देशों के नेताओं के बीच हुए वादों में से एक है। समुद्र के स्तर में वृद्धि और क्रायोस्फीयर सहित सभी संसाधनों की निगरानी के लिए इसरो के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से एनआईएसएआर उपग्रह लॉन्च करेंगे।

रोबोट करेगा पहली हेड ट्रांसप्लांट सर्जरी

नई दिल्ली। बेशक हम और हमारा विज्ञान दिन-ब-दिन तेजी से तरक्की कर रहा है। जिसमें रोबोट एक बड़ा ही क्रांतिकारी अविष्कार माना जाता है। जो बड़े से बड़े और बेहद कठिन काम भी बड़ी आसानी से कम समय में पूरा कर देते हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि रोबोट ने लोगों की नौकरी को खतरे में डाल दिया है। हाल ही में अमेरिका के न्यूरोसाइंस और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग स्टार्टअप ब्रेनब्रिज ने दावा किया है कि हेड ट्रांसप्लांट सर्जरी, दूसरे के शरीर में लग जाएगा आपका सिर। वे दुनिया का पहला हेड ट्रांसप्लांट सिस्टम विकसित कर रहे हैं।

भारत समेत 70 देशों में इस साल चुनाव, आखिर क्या है अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संसद के चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इस साल दुनिया के 70 देशों में चुनाव होने हैं। भारत में लोकसभा चुनाव जारी हैं और पक्ष-विपक्ष भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और महंगाई के मुद्दे पर एक दूसरे को घेर रहा है। इस बीच अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संसद में भी चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज है। जिसको लेकर वहां की जनता इस बार वोट डालने वाली है।

अमेरिका में ये होंगे चुनावी मुद्दे

अमेरिका में 4 नवंबर को चुनाव होना है और बोर्डर सुरक्षा, गोलीबारी की बढ़ती घटनाएं और अर्थव्यवस्था सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा है। बाइडन राज में बेरोजगारी भी बढ़ी है, जिसको लेकर पूर्व पीएम डोनाल्ड ट्रंप हमलावर रुख अपना रहे हैं। ट्रंप का आरोप है कि अमेरिका की खराब आर्थिक हालत और बेरोजगारी के लिए बाइडन सरकार जिम्मेदार है।

सबसे पहले गैरेज में धमाका हुआ

वियतनाम में 5 मंजिला इमारत में लगी आग, 14 की मौत

एजेंसी ▶▶| हनोई

वियतनाम की राजधानी हनोई में देर रात एक इमारत में आग लग जाने से 14 लोगों की मौत हो गई और 6 घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार ये घटना स्थानीय सबसे पहले इमारत के सामने वाले गैरेज में धमाका हुआ था फिर आग लगी थी। यहां इलेक्ट्रिक बाइक और चार्ज सिस्टम लगा हुआ था, जिससे आग भड़ गई। आग इतनी भयानक थी की इसकी चपेट में आस-पास की इमारत भी आ गई। जिस जगह आग लगी थी, वे 2 मीटर की सकरी गलियां थी।

रेस्क्यू टीम ने लोगों को बहार निकाला

स्थानीय पुलिस के मुताबिक, इमारत पांच मंजिला थी। आग लगने से पहले एक विस्फोट की आवाज सुनाई दी। रेस्क्यू टीम ने सीढ़ियों के जरिए लोगों को बहार निकाला। रेस्क्यू टीम ने बताया कि उस इमारत में 24 लोग थे, जिनमें से इमारत के मालिक के परिवार के सात सदस्य और 17 किराएदार थे। इलेक्ट्रिक बाइक की बैटरी में आग की वजह यह पास की इमारत में फैल गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि वे लोग अक्सर गैरेज में बाइक चार्ज करने आते थे। वियतनाम सरकार ने मृतकों के परिवारों को मुआवजे के तौर पर 1 लाख 63 हजार रुपए और घायलों को 1 लाख 47 हजार रुपए देने की घोषणा की है।

उत्तराखंड के यमुनोत्री क्षेत्र में ठोस कूड़ा प्रबंधन की कारगर पहल

एक टन कूड़े को 15 से 20 किलो हानिरहित राख में तब्दील

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

यमुनोत्री क्षेत्र में ठोस कूड़े के सुरक्षित निस्तारण के लिए जानकीचट्टी में नवनिर्मित सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट बेहद उपयोगी साबित हो रहा है। आधुनिक प्लाज्मा तकनीक से युक्त इस प्लांट ने यात्राकाल शुरू होने के साथ ही नियमित रूप से काम करना शुरू कर दिया है और इसमें रोजाना एक टन तक ठोस कूड़े का निस्तारण करने की व्यवस्था है।

प्रथम चरण के तहत हुआ सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट

यमुनोत्री धाम एवं जानकीचट्टी सहित आस-पास के क्षेत्रों में यात्राकाल में बड़ी मात्रा में प्लास्टिक एवं अन्य प्रकार का ठोस कूड़ा एकत्र होता है। उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद की ओर से प्रसाद योजना के तहत जानकीचट्टी में दो करोड़ छत्तीस लाख रुपये की लागत से सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट का निर्माण करवाया गया है। यह प्लांट ठोस कूड़ा निस्तारण की प्लाज्मा तकनीक वाले देश के चुनिंदा सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट में से एक है।

प्लांट की एक टन कूड़ा का निस्तारण करने की क्षमता

बता दें कि कूड़े के निस्तारण से निकलने वाली गैसों का भी प्लांट के भीतर ही सुरक्षित ढंग से ट्रीटमेंट करने की व्यवस्था होने के कारण प्लांट की चिमनी से बाहर निकलने वाला धुआं अत्यधिक कम, सफेद रंग का और हानिकारक गैसों से रहित होता है। इस प्लांट को रोजाना आठ घंटे तक संचालित करने पर लगभग एक टन कूड़ा का निस्तारण करने की क्षमता है। इस प्लांट का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद यात्राकाल शुरू होने के साथ ही जिला पंचायत के माध्यम से इसे नियमित संचालन करने की व्यवस्था की गई है।

प्लांट ने नियमित रूप से काम करना शुरू कर दिया

यात्राकाल शुरू होते ही इस प्लांट ने नियमित रूप से काम करना शुरू कर दिया है और रोजाना इसमें कूड़े का सुरक्षित निस्तारण किया जा रहा है। नियमित रूप से इस प्लांट के संचालन व प्रगति की मॉनीटरिंग कर रहे हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109